दैनिक नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — मल्टीयूटीलिटी सेंटर की महिलाओं की...
4 रविवारीय — बरसात के मौसम में बीमारियों का खतरा...
9 मनोरंजन/खेल — कंगना ने चाइनीज प्रोडक्ट्स बॉयकॉट करने...
11 व्यापार — लघु उद्योगों में 15 फीसदी हिस्सेदारी...

www.navpradesh.com
बिलासपुर, रविवार 28 जून 2020, आषाण शुक्ल पक्ष-अष्टमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-06 अंक-79 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

कोरोना के गंभीर मामलों में होगा 'डेक्सामेथैसन' का इस्तेमाल

नई दिल्ली/(वार्ता)। कोविड-19 के संक्रमण के उपचार के संबंध में दिन ब दिन बढ़ते चिकित्सीय ज्ञान के साथ कदमताल करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने संक्रमण के हल्के गंभीर से लेकर अधिक गंभीर मामलों में मिथाइलप्रेडीनिसोलोन के विकल्प के रूप में डेक्सामेथैसन के इस्तेमाल को हरी झंडी दे दी है। मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी कि कोरोना संक्रमण के उपचार के क्लीनिकल प्रबंधन प्रोटोकॉल को अद्यतन करते हुए डेक्सामेथैसन के इस्तेमाल को मंजूरी दी गयी है। यह परिवर्तन विशेषज्ञों की रायशुमारी और उपचार में इसके लाभ के पर्याप्त सबूत मिलने पर किया गया है। इससे पहले 13 जून को प्रोटोकॉल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने दी हरी झंडी

इन खूबियों के कारण दी मंजूरी

- डेक्सामेथैसन एक 'स्टेरायड' है और इसका इस्तेमाल रोगप्रतिरोध तथा सूजन से संबंधित समस्याओं में किया जाता है।
- रिकवरी क्लीनिकल ट्रायल में कोविड-19 के भर्ती मरीजों को यह दवा दी गयी।
- इस ट्रायल में यह पाया गया कि गंभीर रूप से बीमार मरीजों को इससे लाभ पहुंचता है तथा वेंटिलटर पर के मरीजों की मृत्युदर एक तिहाई और ऑक्सीजन थेरेपी के मरीजों की मृत्युदर करीब 20 प्रतिशत घट गयी। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जून में कोरोना से संक्रमित हुए 3 लाख से ज्यादा

नई दिल्ली/ए.। देश में कोविड-19 से संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर पांच लाख नौ हजार के करीब पहुंच चुकी है, जिनमें तीन लाख 18 हजार से अधिक लोग जून में ही इसकी चपेट में आए हैं। कोविड-19 के संक्रमण की रफ्तार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अप्रैल में जहां इसके 33,406 नये मामले आए थे, वहीं मई में 1,55,492 और जून में 3,18,418 नये मामले सामने आए। अप्रैल में कोविड-19 संक्रमित 1,109 लोगों की जान गई थी। मई में 4,247 और जून में 10,291 लोगों को इस वायरस के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी है।

आज बेबाक

चिरकुट चीन की चटनी बननी तय है। भारतीय सेना ने लद्दाख में युद्धाभ्यास कर चमगादड़ चीन को चेतावनी दे दी है कि वह सीमा में रहें। चीन ने अब भी अगर दुःसाहस दिखाया जो उसका अंजाम उसके लिए भयानक होगा। भारतीय सेना ने तो अपनी ओर से पूरी तैयारी कर ली है। हमारे जांबाज सैनिक चीनियों को चींटियों की तरह मसलने के लिए तैयार हैं। ऊपर से अब अमेरिका ने भी चीन के खिलाफ जंग होने की स्थिति में भारत को हर संभव मदद मुहैया कराने का ऐलान कर दिया है। मतलब एक और एक ग्यारह हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में चपड़गंजू चीन की कायर और काहिल सेना चूं चूं का मुरब्बा बन कर रह जाएगी।

चीन की हवाई हरकत पर भारत धरती से भी देगा माकूल जवाब

- पूर्वी लद्दाख में तैनात किया एयर डिफेंस सिस्टम
- सेंकंड्स में तबाह कर देगा चीन के फाइटर जेट को

नई दिल्ली/ए.। पूर्वी लद्दाख में चीन की किसी भी हरकत का फौरन माकूल जवाब देने की भारत ने पूरी तैयारी कर ली है। चीन की किसी भी हवाई हरकत को भारत की ओर से जमीन से भी करारा जवाब दिया जाएगा। इसके लिए भारतीय वायुसेना ने मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैनात कर दिया है। अब पूरे सेक्टर में ऐडवांस्ड क्विक रिएक्शन वाला सरफेस-टू-एयर मिसाइल डिफेंस सिस्टम मौजूद है जो चीनी वायुसेना के किसी भी फाइटर जेट को कुछ सेकेंड्स में तबाह कर सकता है। जबकि चीन की तरह ही भारतीय एयरफोर्स की ओर से लड़ाकू विमान पहले से ही तैनात किए गए है। दरअसल बॉर्डर के पास चीनी सेना ने जैसी घेराबंदी कर रखी है, उसके इरादे जल्द वापस जाने के नहीं लगते। लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के उस पार चीन ने अपनी एयरफोर्स को तैनात रखा है। हाल के दिनों में चीन के सर्विलांस एयरक्राफ्ट के बेहद पास तक उड़ते देखे गए हैं। लिहाजा चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयरफोर्स पर नजर रखने और उसकी किसी भी हरकत का जवाब देने के लिए एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किया है।

इसलिए लिया फैसला

पिछले दो हफ्तों में चीनी एयरफोर्स ने सुखोई-30 और अपने स्ट्रेटीजिक बॉम्बर्स को एलएसी के पीछे तैनात किया है। उन्हें एलएसी के पास 10 किलोमीटर के दायरे में उड़ान भरते देखा गया है। जिसके बाद एयर डिफेंस सिस्टम की तैनाती का फैसला हुआ। सरकारी सूत्रों ने एएनआई से कहा, सेक्टर में बढ़ते बिल्ड-अप के बीच, इंडियन आर्मी और इंडियन एयरफोर्स, दोनों के एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर दिए गए हैं ताकि चीनी एयरफोर्स या उसके चॉपर्स की किसी गलत हरकत से निपटा जा सके।

सिब्बल ने मैप से बताया, भारतीय सीमा में 18 किमी घुसा चीन

कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिब्बल ने प्रधानमंत्री से जानना चाहा कि 'चीन हमारी सीमा में 18 किलोमीटर तक कैसे घुस आया?' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान पर प्रश्न चिन्ह लगाया जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन ने भारत में कोई घुसपैठ नहीं की है। सिब्बल ने मैप के जरिए घुसपैठ वाले इलाकों की पहचान कराते हुए कहा, 'मैं चौकीदार से पूछना चाहता हूं कि ये कैसे हुआ?' सिब्बल ने कहा कि ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सीमाओं की रक्षा करने में भारत की फौज सक्षम : नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि भारत की फौज देश की और हमारी सीमाओं की रक्षा करने में सक्षम है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से जनता का हवाला देते हुए सवाल किए। उन्होंने कहा- मैं सोनिया जी को ये कहना चाहता हूं कि कोरोना के कारण या चीन की स्थिति के कारण मूल प्रश्नों से बचने का प्रयास न करें। उन्होंने कहा कि 130 करोड़ देशवासी जानना चाहते हैं कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए क्या ■ शेष पृष्ठ 8 पर

भेंट, प्रशंसा और प्रोत्साहन...

रायपुर/नवप्रदेश। मल्टीयूटीलिटी सेंटर 'कल्पतरू', सेरीखेड़ी में कार्य कर रही बिहान रायपुर (उजाला ग्राम संगठन) की महिलाओं ने शनिवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय पहुंचकर मुलाकात की। महिलाओं ने इस सेंटर में तैयार किए जा रहे विभिन्न उत्पाद मुख्यमंत्री को दिखाए और उनके संबंध में जानकारी दी। बघेल ने महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए सेरीखेड़ी के इस मल्टीयूटीलिटी सेंटर के कार्य के विस्तार और विभिन्न गतिविधियों के लिए सीएसआर मद से 15 लाख रुपए की राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की।

अच्छी खबर

सीआरपीएफ गश्ती दल पर हमले के लिए जिम्मेदार आतंकी की पहचान

श्रीनगर/ (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग के बिजबेहरा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक गश्ती दल पर हमले के लिए जिम्मेदार जम्मू-कश्मीर इस्लामिक स्टेट (जेकेआईएस) के एक आतंकवादी की पहचान करने का दावा किया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने शनिवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। आतंकवादी हमले में एक जवान के शहीद होने के साथ-साथ एक नाबालिग लड़के की भी मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सीआरपीएफ जवान और नाबालिग लड़के के हत्यारे की पहचान कर ली है। जेकेआईएस के आतंकवादी जाहिद दास को बिजबेहरा के हमले में संलिप्त पाया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ उसके नाम से प्राथमिकी दर्ज कर ली है। यह पकला मौका है जब पुलिस ने हमले के कुछ घंटों बाद प्राथमिकी में किसी आतंकवाद का नाम सीधे तौर पर नाम दर्ज किया हो।

हेडली को सौंपने से यूएस की ना

वॉशिंगटन/ए.। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकवादी हमलों के दोषी डेविड हेडली को अमेरिका भारत को प्रत्यर्पित नहीं करेगा। वहीं, इस हमले के एक दूसरे मास्टरमांइड तहव्वुर राणा को प्रत्यर्पित किए जाने की संभावना है। अमेरिकी अटॉर्नी ने राणा की दोबारा गिरफ्तारी के बाद कोर्ट को बताया कि हेडली अमेरिका की जेल मे 35 साल की सजा काट रहा है। डेविड कोलमेन हेडली के बचपन के दोस्त राणा को भारत के अनुरोध पर 10 जून को लास एंजिलिस में फिर से गिरफ्तार किया गया था। भारत ने 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों में राणा की संलिप्तता के लिए उसे प्रत्यर्पित करने का अनुरोध किया था। बता दें कि भारत में राणा को भगोड़ा घोषित किया गया है। राणा की जमानत याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई होगी। फेडरल प्रासिक्यूटर्स के मुताबिक 2006 से नवंबर 2008 के बीच राणा ने दाऊद गिलानी उर्फ हेडली के साथ मिलकर हमले की साजिश रची थी।

कोरोना अपडेट

देश	टोटल केस	मौत
भारत	5,25,063	16,059
अमेरिका	2,554,906	127,691
ब्राजील	1,280,335	56,121
ब्रिटेन	309,360	43,414
इटली	239,961	34,708
फ्रांस	162,936	29,778
स्पेन	294,985	28,338
मैक्सिको	208,392	25,779
ईरान	220,180	10,364
बेल्जियम	61,209	9,732

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 35171.27
निफ्टी- 10383.00
गोल्ड- 48315 (10 ग्रा.)
सिल्वर- 48390 (1 कि ग्रा.)

रेलवे के पार्सल ऑफिस के जरिए जीएसटी चोरी का फिर खुलासा

- गुड्स के नाम पर भेजे जा रहे थे सिगरेट के पैकेट
- 10 कार्टून बॉक्स में 12 हजार सिगरेट पैकेट मिले
- बिना डिक्लेरेशन फार्म के बुक किया था पार्सल

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। रेल मंडल रायपुर के पार्सल ऑफिस के माध्यम से जीएसटी चोरी करने वालों का एक बार फिर खुलासा हुआ है। लंबे समय से चल रहे इस सिलसिले का पहली बार खुलासा 21 मार्च 2020 को जीएसटी की टीम ने किया था। उस वक्त 70 से अधिक पार्सल की जब्ती हुई थी। शनिवार 27 जून 2020 को पुनः गलत तरीके से पार्सल बुक करवाकर पान-सिगरेट कारोबारी जीएसटी चोरी करते हुए 10 काटून में भरे 12 हजार सिगरेट के पैकेट्स को भेज रहा था। संदेह पर जांच की गई तो मामला सहीं साबित हुआ और आरपीएफ ने पार्सल भेजने वाले को माल समेत पकड़ लिया। मामले में आरपीएफ ने चिरमिरी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

तीन माह बाद करतारपुर कॉरिडोर फिर खोलने को तैयार हुआ पाक

इस्लामाबाद/ए.। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने शनिवार को बताया कि महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर वह सोमवार को करतारपुर कॉरिडोर फिर से खोलने के लिए तैयार है। बता दें कि कोरोना वायरस महामारी के कारण यह कॉरिडोर पिछले तीन महीने से अस्थायी रूप से बंद है। पाकिस्तान ने यह भी दावा किया कि उसने कॉरिडोर खोलने की सूचना भारत को दे दी है। भारत ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के मद्देनजर 16 मार्च को पाकिस्तान स्थित करतारपुर साहिब गुरुद्वारा के लिए तीर्थयात्रा और पंजीकरण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। एफओ ने कहा कि विश्वभर में धार्मिक स्थल फिर से खोले जा रहे हैं, ऐसे में पाकिस्तान ने भी सिख श्रद्धालुओं के लिए करतारपुर साहिब कॉरिडोर को खोलने के आवश्यक प्रबंध किए हैं।

नक्सलियों ने सीआईएसएफ जवान का पत्थर से सिर फोड़ा

- वॉकी-टॉकी लूटकर हुए फरार

नव प्रदेश संवाददाता

दंतेवाड़ा। जिले के बचेली क्षेत्र अंतर्गत आकाशनगर में एक सीआईएसएफ जवान पर ग्रामीण वेष-भूषा में पंहुचे नक्सलियों ने हमला कर दिया। नक्सलियों ने धोके से हमला कर पत्थर से एएसआई का सिर फोड़ दिया है। नक्सली जवान से वॉकी-टॉकी लूटकर फरार हो गए हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस सहित अन्य जवान मौके पर पहुंचकर इलाके की सर्चिंग में लगे हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार एनएमडीसी बचेली क्षेत्र में स्थित सीआईएसएफ का कैंप से रोजना की तरह शनिवार सुबह करीब 06 बजे जवान अलग-अलग टुकड़ियों में सर्चिंग पर निकले थे। एक टुकड़ी में एएसआई अनिल चौहान और कांस्टेबल विजय कुमार कैंप से करीब 02-03 किमी दूर आकाश नगर में सर्चिंग कर रहे थें। तभी तीर-धनुष लिए ग्रामीण वेशभूषा में आए 12 से 15 नक्सलियों ने पत्थर से एएसआई चौहान पर हमला कर दिया, जिससे उनका सिर फट गया। इसके बाद नक्सली वॉकी-टॉकी छीनकर फरार हो गए।

जवान अस्पताल में भर्ती

घायल एएसआई को बचेली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पहले भी ऐसी वारदातें इस इलाके में हो चुकी हैं। एसपी दंतेवाड़ा डॉ अभिषेक पल्लव ने घटना की पुष्टि किया है।

गरमा-गरम

अध्ययन — हड़प्पाकालीन सभ्यता के प्राचीनतम राखीगढ़ी गांव में खुदाई से मिले मानव कंकालों से खुलासा

अफगानिस्तान और भारतवासियों का डीएनए समान

हिसार/(वार्ता)। हरियाणा के हिसार जिले में हड़प्पाकालीन सभ्यता के प्राचीनतम राखीगढ़ी गांव में खुदाई से मिले मानव कंकालों के अध्ययन से पता चला है कि भारत से ही आर्य दुनिया के अन्य स्थानों में फैले और अफगानिस्तान सहित सभी भारतवासियों का डीएनए एक है। जेनेटिक इंजीनियरिंग के अध्ययन ने इस तथ्य को पुष्ट किया गया है। राखीगढ़ी में खुदाई में मिले 6000 साल पुराने मानव कंकालों के डीएनए में साढ़े 12 हजार साल पुराना जीन मिलने पर डेक्कन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर वसंत शिंदे ने यह निष्कर्ष निकाला है। प्रोफेसर शिंदे राखीगढ़ी में मिले मानव कंकालों का अध्ययन कर रहे हैं।

समान निकले जीन

उन्होंने यहां पत्रकारों को बताया कि हिसार जिले के राखीगढ़ी में मिले मानव कंकालों के डीएनए का जब दौरान उन्होंने भारत में मिले साढ़े 12 हजार साल पुराने मानव कंकाल के डीएनए का मिलान किया तो उनके जीन समान निकले। इसी तरह दक्षिण और मध्य भारत के लोगों के डीएनए का जब राखीगढ़ी में मिले मानव कंकालों के डीएनए से मिलान किया तो यह भी एकसमान पाया गया। इससे यह पुष्ट हो गया कि उस समय पूरे भारत में एक ही गुणसूत्र वाले लोग रहते थे। अब इसे और पुष्ट करने के लिए दक्षिण और मध्य क्षेत्र में मिले मानव कंकालों का डीएनए भी जांचा जाएगा।

अलग-अलग जगहों से लिए डीएनए

प्रोफेसर शिंदे के अनुसार हैदराबाद की सेंटर फॉर सेल्यूलर एंड मॉलिक्यूलर लैब में पूरे भारत में अलग-अलग जगहों के डीएनए एकत्रित किए गए हैं। इनमें अफगानिस्तान से लेकर बंगाल, कश्मीर से अंडमान निकोबार तक के लोगों के डीएनए शामिल हैं। हम अपने अध्ययन में इस लैब की मदद ले रहे हैं। उन्होंने अध्ययन ■ शेष पृष्ठ 8 पर

रंग-रूप में असमानता के ये हैं कारण

एक सवाल पर उन्होंने बताया कि कि डीएनए एक होने के बावजूद उत्तर और दक्षिण भारत में लोगों के रंग-रूप में असमानता क्यों है तो उन्होंने कहा कि इसका कारण मौसम, भौगौलिक परिस्थितियां और खान-पान है। राखीगढ़ी 6000 साल पुराना आधुनिक शहर था। शुरुआती दौर में लोगों का मुख्य व्यवसाय खेती-बाड़ी और पशुपालन था। बाद में उन्होंने कुछ देशों से व्यापारिक सम्बंध भी बनाए। व्यापारिक केंद्र होने के कारण यहां पर देश और विदेश से लोग आते-जाते थे।

'कोरोना के मुफ्त इलाज के लिए सबूत मांगने की उम्मीद नहीं कर सकते'

मुंबई/ए.। बॉम्बे हाईकोर्ट ने ने कहा है कि गरीब एवं जरूरतमंद वर्गों के कोविड-19 मरीजों को अस्पतालों में भर्ती करते समय रियायती दर पर या मुफ्त उपचार उपलब्ध कराने के लिए उनसे दस्तावेजी साक्ष्य पेश करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। बांद्रा की झुग्गी बस्ती पुनर्वास इमारत में रहने वाले सात लोगों की याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने शुक्रवार को यह टिप्पणी की। इन सात लोगों से 11 अप्रैल से 28 अप्रैल के बीच कोरोना वायरस संक्रमण के उपचार के लिए के जे सोमैया अस्पताल ने 12.5 लाख रुपए वसूले। जस्टिस रमेश धानुका और न्यायमूर्ति माधव जामदार की पीठ ने अस्पताल को अदालत में 10 लाख रुपए जमा कराने का आदेश दिया।

कोरोना के एक से तीन फीसदी मरीजों को ही ऑक्सीजन की दरकार

नई दिल्ली ए.। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भले ही कोरोना मरीजों के लिए अस्पतालों में ऑक्सीजन की भारी किल्लत की चेतावनी दी हो, लेकिन भारत में गंभीर मरीजों की संख्या कम होने के साथ पर्याप्त आपूर्ति से फिलहाल कोई संकट नहीं है। यूपी, उत्तराखंड, बिहार और झारखंड के कोविड अस्पतालों की पड़ताल में सामने आया है कि एक से तीन फीसदी मरीज ही ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं।

उत्तर प्रदेश- तीन फीसदी मरीजों को दरकार: उत्तर प्रदेश में आइसोलेशन बेड पर 7050 मरीज भर्ती हैं, इनमें 235 को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। केंद्र से भी 5433 ऑक्सीजन सिलेंडर मिलने से स्थिति सामान्य है। स्वास्थ्य निदेशक डॉ एस के गुप्ता ने कहा, कोविड अस्पतालों में केंद्रीयकृत ऑक्सीजन की प्रणाली है। हर चार आइसोलेशन बेड के बीच ऑक्सीजन आपूर्ति के इंतजाम हैं।

झारखंड- एक फीसदी मरीज ही गंभीर: झारखंड के अस्पतालों में कोरोना 632 में से आठ गंभीर मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत है। हालांकि तीन माह की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 1165 ऑक्सीजन सिलेंडर को सुरक्षित रखा गया है। 3007 इंडस्ट्रियल सिलेंडर को मेडिकल सिलेंडर में बदलकर रखा गया है। कोविड डेडिकेटेड अस्पताल और केंद्रों में 4168 क्यूबिक मीटर ऑक्सीजन है। रिम्स, टीएमएच और बोकारो में 34046 क्यूबिक मीटर ऑक्सीजन किसी भी संकट के लिए पर्याप्त है। राज्य में ऑक्सीजन उत्पादन की 11 इकाई है।

बिहार- मांग होने पर क्षमता तीन गुना बढ़ेगी: राज्य में तीन कोविड 19 डेडिकेटेड अस्पतालों में 2018 मरीज हैं, इनमें 10 (एक फीसदी से कम) को ऑक्सीजन की आवश्यकता है। सरकारी अस्पतालों में औसतन 20 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत होती है जो पूरी हो जाती है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि मांग होने पर तीन गुनी उत्पादन क्षमता बढ़ाई जा सकती है। राज्य में नए ऑक्सीजन प्लांट मेडिकल कॉलेजों में लगाने की योजना है।

उत्तराखंड-तीन हफ्तों का स्टॉक : राज्य के 17 कोविड हॉस्पिटल में 845 मरीज भर्ती हैं। सभी मरीजों को मिलाकर एक दिन में दो हजार क्यूबिक मीटर ऑक्सीजन की मांग है, लेकिन 45 हजार 450 क्यूबिक मीटर ऑक्सीजन का स्टॉक है, जो तीन हफ्तों के लिए पर्याप्त है। ऑक्सीजन की कमी न हो इसके लिए टेंडर भी किये गए हैं और पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा है। प्राइवेट वेंडर एक समय में 1500 सिलेंडर उपलब्ध करा सकते हैं।

गुरुग्राम में चार फीसदी मरीजों को जरूरत: गुरुग्राम के तीन कोविड-19 डेडीकेटेड और 32 निजी अस्पतालों में भर्ती 577 संक्रमित मरीजों में 20 ऑक्सीजन या वेंटीलेटर सपोर्ट पर हैं, जो चार फीसदी है। सीएमओ डॉ. वीरेंद्र यादव ने बताया कि 85 फीसदी संक्रमित बिना लक्षण वाले हैं, जिन्हें ऑक्सीजन की आवश्यकता नहीं है। जिला नागरिक अस्पताल में 946 लीटर का ऑक्सीजन टैंक हैं, जबकि 46 से 168 लीटर की मांग है, यानी कम से कम एक हफ्ते का स्टॉक है।

नेपाल, बांग्लादेश के बाद अब श्रीलंका...

डोनेशन डिप्लोमेसी से भारत को घेर रहा चीन

- भारत को घेरने में चीन के अभियान का महत्पूर्ण हिस्सा है श्रीलंका, हिंद महासागर में नेवल बेस खोज रहा ड्रैगन
- कर्ज चुकाने में नाकाम श्रीलंका ने चीन को सौंपा अपना पोर्ट 15000 एकड़ जमीन भी दी

कर्ज के बाद अब श्रीलंका को डोनेशन डिप्लोमेसी में फंसा रहा चीन, भेजा कोरोना सहायता उपकरण

कोलंबो ए.। लद्दाख में जारी तनाव के बीच चीन ने भारत को घेरने के लिए बड़े पैमाने पर तैयरियां शुरू कर दी हैं। एक तरफ जहां चीन की शह पाकर नेपाल आंख दिखा रहा है वहीं, दूसरी तरफपाकिस्तान एलओसी से सटे इलाकों में लगातार सीजफायर का वॉयलेशन कर रहा है। इन सबके बीच चीन ने अब बांग्लादेश और श्रीलंका को भी साधने की कोशिशों को अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। इसके लिए चीन आर्थिक और डोनेशन डिप्लोमेसी का सहारा ले रहा है। श्रीलंका ने जून के मध्य में कोरोना वायरस से निपटने के लिए चीनी निर्मित फेस मास्क और चिकित्सा उपकरण का एक और खेप प्राप्त किया है। जो इस बात का सबूत है कि श्रीलंका बीजिंग की विदेश नीति और डोनेशन डिप्लोमेसी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आर्थिक कर्ज से श्रीलंका को बेदम करने के बाद चीन खुद ही वायरस को फैलाकर अब उसका इलाज कर रहा है।

हिंद महासागर में चीन के विस्तार का केंद्र है श्रीलंका

चीन की इंडो पैसिफिक एक्सपेंशन और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) में चीन ने श्रीलंका को भी शामिल किया है। श्रीलंका ने चीन का कर्ज न चुका पाने के कारण हंबनटोटा बंदरगाह चीन की मर्चेंट पोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड कंपनी को 1.12 अरब डॉलर में साल 2017 में 99 साल के लिए लीज पर दे दिया था। हालांकि अब श्रीलंका इस पोर्ट को वापस चाहता है।

अमेरिका के साथ श्रीलंका ने कम किया संबंध

2017 से पहले श्रीलंका और अमेरिका के बीच घनिष्ठ संबंध थे। इस दौरान अमेरिकी समर्थक सिरिसेना-विक्रीमेसिंघे प्रशासन ने अमेरिका के साथ Acquisition and Cross-Servicing Agreement को अगले 10 साल के लिए बढ़ा दिया था। इससे अमेरिका को हिंद महासागर क्षेत्र में अपने ऑपरेशन के लिए रसद आपूर्ति, ईंधन भरने और ठहराव की सुविधा मिली थी। लेकिन अब गोटबाया प्रशासन ने अमेरिका के साथ अपने संबंधों को कमतर कर दिया है।

महिंदा राजपक्षे के कार्यकाल में चीन से बढ़ी नजदीकियां

महिंदा राजपक्षे के कार्यकाल में श्रीलंका और चीन के बीच नजदीकियां खूब बढ़ी। श्रीलंका ने विकास के नाम पर चीन से खूब कर्ज लिया। लेकिन, जब उसे चुकाने की बारी आई तो श्रीलंका के पास कुछ भी नहीं बचा। जिसके बाद हंबनटोटा पोर्ट और 15,000 एकड़ जगह एक इंडस्ट्रियल जोन के लिए चीन को सौंपना पड़ा। अब आशंका जताई जा रही है कि हिंद महासागर में अपनी गतिविधियों को जारी रखने के लिए चीन इसे बतौर नेवल बेस भी प्रयोग कर सकता है। साल 2019 में जब श्रीलंका की राजनीति में गोटभाया राजपक्षे ने सत्ता संभाली तब से चीन के साथ संबंध कमतर हुए हैं। क्योंकि श्रीलंका को डर है कि अगर वह चीन से कर्ज लेता रहा तो वह ड्रैगन का सैटेलाइट स्टेट बनकर रह जाएगा।

पैंगोंग झील के किनारे मोर्चेबंदी कर रहा चीन

पेइचिंग ए.। लद्दाख में चीनी आक्रामकता के कारण एलएसी पर हालात दिन प्रतिदिन बदतर होते जा रहे रहे हैं। एक तरफचीन सीमावर्ती इलाके में शांति के लिए भारत के साथ बातचीत कर रहा है, वहीं दूसरी तरफउसकी आर्मी पैंगोग झील इलाके में पक्की सड़क और बंकर बनाने के बाद अब हेलीपैड का निर्माण कर रही है। चीन के इस दोहरे चाल से सतर्क भारत ने भी एलएसी से लगे क्षेत्रों में सेना का मिरर डिप्लॉयमेंट (जितने चीनी सैनिक और हथियार उतने भारत के भी) कर दिया है। पैंगोंग झील के फिंगर फोर इलाके में चीनी सैनिकों की संख्या में अचानक वृद्धि से ड्रैगन के इरादों पर संदेह पैदा हो रहा है। यहां पर स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि भारत और चीन की सेना के टैंट के बीच का अंतर 400 मीटर से भी कम है। दोनों देशों के सैनिक अग्रिम मोर्चे पर तैनात जवानों को आसानी से देख पा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, चीनी सेना का गश्ती दल अब फिंगर 3 के इलाके में छोटे-छोटे बंकर बना रहे हैं। वे अब भी भारतीय पेट्रोलिंग पार्टी को फिंगर 2 एरिया में वापस जाने के लिए कह रहे हैं। फिंगर 4 एरिया में चीन पहले ही कई बंकर और कच्ची सड़क को पक्की करने में जुटा है। सूत्रों के अनुसार, चीनी सेना का यहां से पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। वे इस इलाके से सेना के डी-एस्केलेशन पर चर्चा करने के लिए इच्छुक भी नहीं हैं।

नेपाल खोलने जा रहा है चीन संग दूसरा बॉर्डर पॉइंट, आयात करेगा सामान

काठमांडू ए.। नेपाल एक तरफ भारत से दूरी बनाने में जुटा है तो दूसरी तरफ चीन से संपर्क बढ़ा रहा है। कोरोना वायरस की वजह से पांच महीने बंद रहने के बाद नेपाल चीन के साथ रसुआगढ़ी बॉर्डर पॉइंट खोलने जा रहा है। दोनों देशों में इसको लेकर सहमति बन गई है। नेपाल की मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, फिलहाल लोगों की आवाजाही नहीं होगी, हाइड्रोपावर और एयरपोर्ट प्रॉजेक्ट के लिए कंस्ट्रक्शन मटेरियल सहित अन्य सामानों की आवाजाही होगी।

कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए नेपाल ने चीन के साथ अपने दोनों बॉर्डर पॉइंट्स तातोपानी और रसुआगढ़ी को 29 जनवरी को बंद कर दिया था। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, रसुआ के चीफ डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर हरि प्रसाद पंत ने कहा कि दोनों देशों के बीच बुधवार को नेपाल-चाइना मैत्री पुल को खोलने पर चर्चा हुई है।

समझौते के मुताबिक, चीन के ट्रक ड्राइवर्स सामान को नेपाल बॉर्डर पॉइंट पर उतार देंगे और उनके जाने के बाद नेपाल के ड्राइवर्स और लोडर्स सामान को संबंधित जगहों पर पहुंचाएंगे। चीन ने नेपाल से 15 ड्राइवर्स और 15 वर्कर्स की सूची मांगी है जो सामानों को बॉर्डर पॉइंट से लाएंगे। शुरुआत में चार ट्रकों को अनुमति मिलेगी और फिर इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। रसुआ के चीफकस्टम ऑफिसर पुण्य बिक्रम खडका ने कहा कि फिलहाल लोगों की आवाजाही नहीं होगी। केवल वर्कर्स और ड्राइवर्स को ही अनुमति दी जाएगी और हर दिन उनका कोरोना टेस्ट किया जाएगा।

रसुआगढ़ी बॉर्डर पॉइंट पुल को पिछले साल चीन की मदद से खोला गया था। पुराना पुल 2015 के भूकंप में नष्ट हो गया था। रसुआगढ़ी के अलावा चीन के साथ दूसरा बॉर्डर पॉइंट कुरुंग में है और दोनों के बीच की दूरी 24 किलोमीटर है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर सियासत ठीक नहीं

नई दिल्ली ए.। भारत चीन तनाव को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। दरअसल, गलवान घाटी में भारत चीन सीमा गतिरोध को लेकर कांग्रेस केंद्र पर लगातार हमले कर रही है। पवार की टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस आरोप के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में आई जिसमें कहा गया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय क्षेत्र को चीन की अक्रामता के आगे सरेंडर कर दिया है। कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि चीन के साथ गतिरोध को लेकर खुद प्रधानमंत्री का सामने आना चाहिए और जनता को सच्चाई बतानी चाहिए। वहीं, शरद पवार ने कहा कि 1962 के युद्ध के बाद पहली बार ऐसा हुआ जब पड़ोसी देस ने भारतीय भूमि के बड़े हिस्से पर दावा किया है। पूर्व रक्षा मंत्री ने सतारा में मीडिया से बात करते हुए कहा कि हम यह नहीं भूल सकते कि 1962 में क्या हुआ था जब चीन ने भारतीय क्षेत्र के 45,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। उन्होंने कहा कि यह आरोप लगाने का समय नहीं है। किसी को यह भी देखना चाहिए कि अतीत में क्या हुआ था।

जम्मू-कश्मीर में 1 महीने के अंदर पांचवां भूकंप, नुकसान नहीं

श्रीनगर ए.। कोरोना संकट के बीच प्राकृतिक आपदाएं भी इंसानों पर रहम करने के मूड में नहीं हैं। बीते दिनों पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भूकंप की घटनाओं के बाद शनिवार को जम्मू-कश्मीर में धरती हिलने के समाचार सुनाई दिए। राष्ट्रीय सिसमॉलजी केंद्र ने जानकारी दी है कि प्रदेश के हनेले से 332 किमी उत्तर पूर्व में भूकंप के झटके महसूस किए गए। 9 जून से अब तक राज्य में पांच बार भूकंप आ चुका है।

शनिवार को आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.4 मापी गई। भूकंप की वजह से जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले 16 जून को भी प्रदेश में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। तब भूकंप का केंद्र तजाकिस्तान का दुसांबे बताया जा रहा था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.8 मापी गई थी। कश्मीर के अलावा बीते दिनों मिजोरम समेत पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। मिजोरम में लगातार तीन दिनों तक भूकंप ने दस्तक दी थी। पूर्वी मिजोरम के चंफई इलाके में और म्यांमार से लगे अन्य पूर्वोत्तर के राज्यों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

यशवंत सिन्हा ने की बिहार में नए राजनीतिक विकल्प की घोषणा

खुद भी लड़ सकते हैं चुनाव

पटना ए.। पूर्व केंद्रीय मंत्री वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने शनिवार को बिहार में एक नए राजनीतिक विकल्प की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनका फ्रंट बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ेगा। उन्होंने खुद के भी चुनाव लड़ने की संकेत दिया। पटना के होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में यशवंत सिन्हा ने कहा कि उनका फ्रंट मजबूती से चुनाव लड़ेगा। यह भविष्य बताएगा कि वे तीसरे फ्रंट हैं कि पहले फ्रंट हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार में वर्चुअल रैली या वर्चुअल चुनाव अभियान संभव नहीं है। परंपरागत ढंग से ही चुनाव अभियान चलाया जाना चाहिए। चुनाव आयोग को सारे मामले पर विचार करना चाहिए। दलीय राजनीति से संन्यास ले चुके यशवंत सिन्हा ने कहा कि गैर राजद और गैर राजग के खिलाफ उनका गठबंधन एक मजबूत विकल्प देगा। उनके गठबंधन का नारा है 'इस बार बदलें बिहार' है। सिन्हा ने कहा कि राजद और राजग को बिहार के लोगों ने 15-15 साल तक काम करने का मौका दिया लेकिन दोनों ही अपने चुनावी घोषणा पत्र में किए गए किसी वादे पर खरा नहीं उतर पाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की तस्वीर बदलने के लिए 15 वर्ष का कार्यकाल किसी भी सरकार के लिए काफी होता है।

जेसीबी से कोरोना संक्रमित का शव ले गए अधिकारी, गिरी गाज

- सीएम जगन मोहन रेड्डी ने दिए कार्रवाई के निर्देश, जताया अफसोस

अमरावती ए.। मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने श्रीकाकुलम जिले के पलासा शहर में कोविड-19 के शव को जेसीबी वाहन में ले जाने पर खेद व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को जारी ट्वीट पोस्ट में कहा. श्रीकाकुलम जिले के पलसा शहर में कोरोना संक्रमण के मृतक के शव को जेसीबी वाहन में ले जाने पर मुझे बहुत दुख हुआ। मानवीयता दिखाने के मौके पर कुछ लोगों की व्यवहारशैली देखकर मुझे बहुत अफसोस हुआ है। इस प्रकार की घटनाओँ की पुनारावृत्ति भविष्य में नहीं होनी चाहिए। घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

आपको बता दें कि पलासा-काशीबुग्गा नगरपालिका क्षेत्र के राजम्मा कॉलोनी में शुक्रवार को सुबह 70 साल के एक वृद्ध की अस्वस्था के कारण मौत हो गई। यह एरिया कंटाइनमेंट जोन में होने के कारण डिप्टी जीएम एंड एचओ डॉ लीला के आदेशानुसार दहन संस्कार से पहले चिकित्सा अधिकारियों ने शव से सैंपल निकालर तत्काल वीएलएम किट्स के जरिए कोरोना ट्रू नॉट परीक्षण किया।

इसी क्रम में परंपरा के अनुसार, परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और कॉलोनी के लोगों ने अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू कर दी। मृतक के मकान से श्मशान वाटिका एक किलोमीटर दूरी पर है। इसी दौरान चिकित्सा अधिकारियों से फोन आया कि मृतक की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव है। यह सुनते ही तब तक अंतिम संस्कार की तैयारी करने वालों के पैर के तले की जमीन खिसक गई। शव को बीच सड़क पर ही छोड़कर भाग खड़े हुए।

जेसीबी वाहन में शव लेकर पहुंचे श्मशान घाट

इसी दौरान चिकित्सा और अधिकारियों के निर्देशानुसार मौके पर पहुंचे नगरपालिका सेनेटरी इंस्पेक्टर ने कर्मचारियों को पीपीई किट्स देकर शव को नगरपालिका की जेसीबी वाहन में श्मशान वाटिका को लेकर गये। वरिष्ठ अधिकारियों को बिना बताये शव को जेसीबी वाहन में ले जाने पर सनसनी फैल गई।

अधिकारी निलंबित

पलासा-काशीबुग्गा की घटना की खबर मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंची। सीएमओ के आदेशानुसार, जिलाधीश निवास ने इस घटना की जांच पड़ताल की। जिलाधीश ने घटना के लिए जिम्मेदार पलासा नगरपालिका आयुक्त टी नागेंद्र कुमार और सेनेटरी इंस्पेक्टर एन राजीव को सेवा निलंबित कर दिया है।

जापान में बना 8 भाषाओं के अनुवाद वाला स्मार्ट मास्क

नई दिल्ली ए.। इस जापान की कम्पनी का नाम है डोनट रोबोटिक्स जिसने इस स्मार्ट मास्क को विकसित किया है. ये स्मार्ट मास्क मैसेज ट्रांसमिट कर सकता है और जापानी भाषा से अन्य आठ भाषाओं में अनुवाद कर सकता है।

आज दुनिया कोरोना के कोहराम वाले दौर से गुजर रही है ऐसे में अब नए किस्म के नॉर्मल हालात चारों तरफ देखे जा रहे हैं. इन हालात में इस फेस मास्क का इस्तेमाल 'न्यू नॉर्मल' के रूप में सामने आया है. जापानी स्टार्टअप कम्पनी डोनट रोबोटिक्स को इसका श्रेय जाता है जिसने एक इंटरनेट कनेक्टेड 'स्मार्ट मास्क बाजार में उतरा है. यह मास्क सन्देश भेज सकता है और जापानी भाषा से आठ अन्य भाषाओं में अनुवाद कर सकता है।

ब्लू टूथ के माध्यम से होता है कन्टेक्ट

प्राप्त जानकारी के अनुसार ये वाइट प्लास्टिक 'सी-मास्क' आजकल इस्तेमाल में आ रहे स्टैंडर्ड फेस मास्क के ऊपर फिट होगा. यह ब्लूटूथ के माध्यम से किसी भी स्मार्टफोन या टैबलेट ऐप से कनेक्टड हो सकता है. यह एक ऐप के रूप में सेवाएं देगा और टेक्स्ट मैसेज को ट्रांसक्राइब करेगा, कॉल करेगा और साथ ही मास्क पहनने वाले की आवाज़ को एम्प्लिफाई भी करेगा।

कई साल की मेहनत के बाद हुआ है तैयार

डोनट रोबोटिक्स कम्पनी के सर्वोच्च अधिकारी ताइसूके ओनो ने बताया कि इसको विकसित करने के लिए हमने सालों की मेहनत लगाई है. अब हमने इस टेक्नोलॉजी का उपयोग ऐसे प्रोडक्ट को बनाने में किया है आज के कोरोना दौर के कारण बदली हुई दुनिया के उपयोग के काम आ सके।

टीचर ने 3 साल में बनाए 160 अपस्कर्ट वीडियो, गिरफ्तार

सिंगापुर ए.। सिंगापुर में एक टीचर के ऊपर छात्राओं के 160 से ज्यादा अपस्कर्ट विडियो बनाने का आरोप लगा है। मामले का खुलासा होने के बाद 47 साल के टीचर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 23 जून को इस टीचर पर महिलाओं के निजता का अपमान करने और समाज में अश्लीलता फैलाने का आरोप लगाया गया है। चैनल न्यूज एशिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ितों की पहचान छिपाने के लिए संबंधित स्कूल का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने अप्रैल 2015 से जुलाई 2018 के बीच लड़कियों के 168 अपस्कर्ट विडियो रिकॉर्ड किए थे। इसमें से कुछ विडियो इसने वायरल भी किया था।

2015 से 2018 के बीच बनाए विडियो

अप्रैल से अक्टूबर 2015 के बीच आरोपी ने आठ लड़कियों के 15 से अधिक बार अपस्कर्ट विडियो बनाया। इसके अलावा जून 2016 में आरोपी ने दूसरी आठ लड़कियों के नौ विडियो रिकॉर्ड किए। वहीं, 2017 में जुलाई से नवंबर के बीच 32 महिलाओं की कुल 105 ऐसी क्लिप कथित रूप से रिकॉर्ड की गई। जनवरी से जुलाई 2018 के बीच आरोपी ने 21 महिलाओं के 39 विडियो को फिल्माया था। हालांकि पुलिस ने यह नहीं बताया कि आरोपी के करतूत की पोल कैसे खुली। अब कोर्ट में इस मामले की सुनवाई जारी है। दोष सिद्ध होने के बाद आरोपी को एक साल की जेल या जुर्माना या दोनों सजा सुनाई जा सकती है।

छत्तीसगढ़ लौटे अब तक 5.34 लाख प्रवासी श्रमिक

मनरेगा : 29.35 लाख मजदूरों को मिल रहा है काम

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर श्रमिक स्पेशल ट्रेनों, बसों एवं अन्य माध्यमों से अब तक 5 लाख 34 हजार प्रवासी श्रमिक और अन्य लोग सकुशल छत्तीसगढ़ लौट चुके हैं। इनमें 103 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के माध्यमों से छत्तीसगढ़ पहुंचे एक लाख 50 हजार से अधिक श्रमिक भी शामिल हैं। गृहराज्य लौटने पर प्रवासी श्रमिकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। गृह राज्य लौटने पर इन श्रमिकों को स्वास्थ्य विभाग की गाईड लाईन अवधि तक क्वारेंटाईन के बाद मनरेगा के तहत रोजगार भी दिया जा रहा है। 25 जून की स्थिति में प्रदेश के 29 लाख 35 हजार मजदूरों को मनरेगा से काम मिल रहा है। इसके अतिरिक्त श्रम विभाग द्वारा प्रदेश के छोटे-बड़े 1521 कारखानों को पुनः प्रारंभ कर एक लाख 10 हजार से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

■ 1521 कारखानों को पुनः प्रारंभ कर 1.10 लाख श्रमिकों को रोजगार

मल्टीयूटीलिटी सेंटर की महिलाओं की मेहनत से सीएम बघेल खुश, 15 लाख रु. देने का ऐलान

■ सेंटर की महिलाओं ने 6 माह में किया 1.10 करोड़ रुपए का व्यवसाय

सीएसआर फंड से 15 लाख रु. देने की घोषणा की

■ मुख्यमंत्री बघेल ने महिला समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को सराहा

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज यहां उनके निवास कार्यालय में 'कल्पतरू' मल्टीयूटीलिटी सेंटर, सेरीखेड़ी में कार्य कर रही बिहान रायपुर (उजाला ग्राम संगठन) की महिलाओं ने मुलाकात की। महिलाओं ने इस सेंटर में तैयार किए जा रहे विभिन्न उत्पाद मुख्यमंत्री को दिखाए और उनके संबंध में जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की सराहना की और उनके बारे में महिलाओं से जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए सेरीखेड़ी के इस मल्टीयूटीलिटी सेंटर के कार्य के विस्तार और विभिन्न गतिविधियों के लिए सीएसआर मद से 15 लाख रूपए की राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राशि से उन्हें काम करने और भी अधिक आसानी होगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मल्टीयूटीलिटी सेंटर सेरीखेड़ी की गतिविधियों

और तैयार किए जा रहे उत्पादों पर केन्द्रित फोल्डर का विमोचन किया। महिलाओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि कोरोना संकट काल में उन्हें इस सेंटर के माध्यम से रोजगार और आय का बड़ा सहारा मिला। महिलाएं अपने साथ गोबर से तैयार गमले, राखी जैसे उत्पाद भी मुख्यमंत्री को दिखाने लायी थीं। महिला समूह की अध्यक्ष श्रीमती मोहिनी डहरिया ने गोधन न्याय योजना प्रारंभ करने की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत समूहों की महिलाएं इस सेंटर में ग्लिसरीन साबुन, डिजायनर मोमबत्ती, बांस के ट्री गार्ड, अगरबत्ती, फिनायल, फेश वास, मशरूम, मुनगा पावडर से तैयार कुकीज, हर्बल टी, एलईडी बल्ब, स्लीपर, गोबर के गमले, हर्बल गुलाल तथा बांस, गोबर, सब्जी के बीज और ग्लिसरीन सोप से डिजायनर राखियां तैयार कर रही हैं। कोरोना संकट के काल में सेंटर की महिलाओं द्वारा सेनेटाईजर, कोरोना से बचाव के लिए फेश सील्ड, तीन लेयर वाले कॉटन के मास्क, मेडिकल गाउन और हाल ही में पीपीई किट तैयार करना शुरू किया गया है। सेरीखेड़ी सेंटर की महिलाओं ने क्वारेंटाईन सेंटर में रूके मजदूरों के लिए कोरोना सुरक्षा किट भी तैयार किए, जिनका उपयोग रायपुर के क्वारेंटाईन सेंटरों में किया गया। इस किट में सेनेटाईजर, साबुन, मास्क आदि सामग्री शामिल की गई थी।

बांस के 11 हजार ट्री गॉर्ड तैयार किए

सेंटर की महिलाओं द्वारा 11 हजार बांस के ट्री गार्ड तैयार किए गए। बैम्बू ट्री गार्ड का लगभग 46 लाख रूपए का बिजनेस किया गया, जिसमें से 5 से 6 लाख रूपए का फायदा हुआ। सेंटर की महिलाएं बांस के पावडर, गोबर और चारकोल से अगरबत्ती तैयार कर रही है। सेंटर द्वारा तैयार किए जा रहे बेकरी आइटम में मशरूम, मुनगा, रागी, कोदो, ओटस आदि का उपयोग भी किया जा रहा है। विभिन्न प्रकार की चाकलेट, पेस्टीज तैयार किए जा रहे हैं। मुनगा पावडर और मशरूम पाउडर भी यहां तैयार किए जा रहे हैं। इस सेंटर की 19 महिलाओं को चप्पल बनाने का प्रशिक्षण दिया गया, 10 मशीनें उपलब्ध कराई गई, यहां एक हजार चप्पल प्रतिदिन तैयार किए जाते हैं। जिसे स्थानीय व्यापारियों द्वारा बेचा जाता है। अब तक इस सेंटर में तैयार 25 लाख रूपए की चप्पलें बेची गई, जिनसे 3 लाख रूपए की आमदनी हुई। सेंटर में एलईडी एसेम्बलिंग यूनिट की शुरूआत की गई है। इस यूनिट में 400 बल्ब बनाने की क्षमता है। महिलाओं को शत-प्रतिशत बाई बेक की नीति पर सामग्री उपलब्ध कराकर एलईडी बल्ब तैयार कराए जा रहे हैं। हर्बल गुलाल, जूट बैग, पेपर बैग भी तैयार किए जाते हैं। सेंटर द्वारा 6 से 7 हजार लीटर सेनेटाईजर की बिक्री की जा चुकी है। सेंटर में कृत्रिम मोती की खेती, एक्वा कल्चर, बैम्बू बेस पर एक्वेरियम के निर्माण का काम भी शुरू किया गया है। इस सेंटर में पांच तरह की हर्बल टी तैयार की जा रही है, जिसकी काफी मांग है। यहां इम्युनिटी बूस्टर टी, एनर्जी बूस्टर टी, फ्रेशनर टी और कामिंग टी जैसे उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। सेरीखेड़ी की मल्टीयूटीलिटी सेंटर को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं, विभिन्न विभागों के सहयोग, सीएसआर फंड की राशि से विकसित किया

वर्चुअल रैली के बहाने अरसे बाद एकजुट दिखे भाजपा दिग्गज

मप्र के सीएम शिवराज आज छत्तीसगढ़ में करेंगे जनसंवाद

■ एमपी के सीएम संग प्रदेश के आला नेता आए साथ नजर

■ गिनाईं केंद्र की उपलब्धियां और राज्य सरकार को घेरा

■ सभी शीर्ष नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया लक्ष्य

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। कोरोना संकट के दौर में भाजपा भले ही सड़क पर उतरकर अपनी सक्रियता ना दिखा रही हो, लेकिन वर्चुअल रैली व जनसंवाद कार्यक्रमों का सिलसिला तेज कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने का प्रयास जरूर कर रही है। उसी कड़ी में रविवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ऑनलाइन जनसंवाद रैली करेंगे। शनिवार को छत्तीसगढ़ भाजपा के शीर्ष नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। मोदी 2.0 के पहले साल की उपलब्धियों को लेकर बीजेपी की जारी वर्चुअल रैली को अब बड़ा मंच मिलेगा. देशव्यापी इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ बीजेपी 28 जून को एक बड़ी वर्चुअल रैली करने जा रही है, जिसे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान संबोधित करेंगे। इस रैली के जरिए तीन लाख से ज्यादा कार्यकर्ताओं समेत करीब दस लाख लोगों को जोड़ने का लक्ष्य संगठन ने रखा है। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमन सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री सरोज पांडेय, रामविचार नेताम, बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत, सहित कई शीर्ष नेताओं की संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में भाजपा शासित केंद्र सरकार की उपलब्धियों की चर्चा की गयी। अरसे बाद ये मौका था जब भाजपा के शीर्ष नेता एक साथ इस तरह से प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद थे। हालांकि इस दौरान मीडिया ने शीर्ष नेताओं की मौजूदगी वाले इस प्रेस कॉन्फ्रेंस पर सवाल पूछा तो पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने मुस्कुराते हुए बस इतना ही कहा, जब साथ नहीं होते हैं तो कांग्रेस को तकलीफ होती है, और जब साथ है तो तकलीफ हो रही है।

भाजपा ने भूपेश सरकार पर लगाए आरोप

प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा के दिग्गज नेताओं समेत सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा केंद्र सरकार ने जितने शानदार कार्य किए हैं वो जनता जानती है। लेकिन छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार की विफलताओं का पुलिंदा खोलते हुए जनघोषणा पत्र के वादे से मुकर गई राज्य सरकार को खूब कोसा। भाजपा नेताओं ने कहा कांग्रेस और भूपेश सरकार ने जनता का भरोसा खोया है।

मोदी सरकार ने उठाए ऐतिहासिक कदम

इस दौरान अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार का एक साल का कार्यकाल बेहद शानदार रहा है। फिर चाहे बात जम्मू-कश्मीर को धारा 370 से मुक्त करने की बात हो या फिर राममंदिर बनने की बात, सभी जगहों पर ऐतिहासिक कदम मोदी सरकार ने उठाया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी मोदी सरकार की उपलब्धियों को लाखों लोगों तक पहुंचाने का काम भाजपा कार्यकर्ता कर रहे हैं। वहीं जनसंवाद कार्यक्रम और वर्चुअल रैली के जरिये भी केंद्र की उपलब्धि और प्रदेश सरकार की विफलता लोगों तक बीजेपी पहुंचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने लोकलुभावने वादे कर सरकार में आ तो गयी, लेकिन उनमें से एक भी वादे को उन्होंने पूरा नहीं किया।

विष्णुदेव ने किया दावा, लाखों लोग जुड़ेंगे

साय ने दावा किया है लगातार वर्चुअल रैली और जनसंवाद के कार्यक्रम में ना सिर्फ कार्यकर्ता बल्कि आमलोग भी जुड़ रहे हैं। कल दोपहर बाद 12.30 बजे होने वाले यू-ट्यूब चैनल के जरिये शिवराज सिंह चौहान के जन संवाद में भी लाखों लोगों के जुड़ने की उम्मीद प्रदेश अध्यक्ष को है। बताते हैं कि 3 लाख कार्यकर्ताओ समेत 10 लाख लोगों को जोड़ने का लक्ष्य है।

पूर्व सीएम रमन ने किया व्यंग्य

मीडिया ने शीर्ष नेताओं की मौजूदगी वाले इस प्रेस कांफ्रेंस पर सवाल पूछा तो पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने मुस्कुराते हुए बस इतना ही कहा, जब साथ नहीं होते हैं तो कांग्रेस को तकलीफ होती है, और जब साथ है तो तकलीफ हो रही है। दरअसल आज मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आने और वर्चुअल रैली में संबोधन व प्रवास की वजह से पूर्व की अपेक्षा ज्यादा भीड़-भाड़ भाजपा कार्यालय में थी।

मंडला के एनएसयूआई नेता के कथित कातिल रायपुर में सपड़ाए

सोनू परोचिया

■ राजधानी के गुढ़ियारी में पुलिस ने धरदबोचा

■ छात्र नेता की हत्या कर ट्रक से रायपुर पहुंचे

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। मंडला के एनएसयूआई नेता के कथित हत्यारे रायपुर से गिरफ्तार किए गए हैं। मध्यप्रदेश के मंडला में बीच सड़क पर छात्र नेता को गोलियों से छलनी कर फरार हुए 4 आरोपी मे से 2 को रायपुर पुलिस ने धर दबोचा है। शुक्रवार को छात्र कांग्रेस के नेता सोनू परोचिया की मध्यप्रदेश के मंडला में हत्या कर दी गयी थी। इस मामले में 4 हत्यारों की पुलिस तलाश कर रही थी। मृत छात्र नेता सोनू एनएसयूआई में जिला महासचिव के पद पर था। पुलिस के मुताबिक सूचना मिली कि राजधानी के गुढ़ियारे इलाके में दो युवक संदिग्ध हालत में घूम रहे हैं। मुखबीरी के आधार पर पुलिस ने जब दोनों को पकड़ा तो दोनों का मंडला हत्याकांड से लिंक मिला।

पुलिस से पूछताछ में बताते हैं कि आरोपियों ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। हालांकि विस्तृत जानकारी के लिए मंडला पुलिस को सूचना दे दी गयी है। मंडला पुलिस के आने के बाद इस मामले में और कुछ बड़ा खुलासा हो सकता है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपियों में एक नाम मयूर यादव उर्फ हैप्पी यादव है, जबकि दूसरा नाबालिग है। हालांकि जो जानकारी सामने आयी है, उसके मुताबिक दोनों हत्यारे ट्रक के जरिये रायपुर पहुंचे थे। हत्या की वजह आपसी विवाद बतायी जा रही है। हालांकि डिटेल पूछताछ में कुछ और खुलासे हो सकते हैं।

छात्र नेता की हत्या का यह है केस

मध्यप्रदेश के मंडला जिले में आपसी रंजिश के चलते भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के मण्डला जिला महासचिव सोनू परोचिया (28) की गोली मार कर हत्या दी।यह वारदात मंडला के उपनगरीय क्षेत्र महाराजपुर थाना के गुरुद्वारा के समीप शुक्रवार की दरम्यानी रात को वारदात हुई। घटना के बाद हमलावर फरार हो गया। मण्डला जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा ने शनिवार को बताया कि अब तक पुलिस को जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि के बाद जब सोनू परोचिया अपने चाचा के बेटे की जन्मदिन की पार्टी महाराजपुर के ढाबा में मनाकर लौट रहा था, तब रास्ते में मयूर हैप्पी यादव (30) ने बोलेरो वाहन से सोनू के दो पहिया वाहन को टक्कर मारी और अपनी पिस्तौल से गोली चला दी जिससे सोनू की मौत हो गई है। सोनू को रात ही में मंडला जिला अस्पलात लाया गया, जहां उसकी मौत की पुष्टि कर दी गई। सिंह ने बताया कि हादसे के वक्त सोनू के साथ दो पहिया वाहन पर उसके दोस्त दिगम्बर बैरागी एवं दीपक कछवाहा भी थे।उन्होंने कहा कि दिगम्बर बैरागी की शिकायत पर आरोपी यादव के खिलाफ भादंवि की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और विस्तृत जांच जारी है। सिंह ने बताया कि शिकायत के अनुसार सोनू की हत्या करने के बाद आरोपी मौके से अपने वाहन सहित फरार हो गया।

मांग रहे हक | सोशल जस्टिस एंड लीगल सेल ने एस-एसटी को उनका हक दिलाने और तेज की मुहिम, मंत्री अकबर, पीसीसी चीफ मरकाम के साथ ही महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा से भी भेंट

पदोन्नति में आरक्षण : 'महाधिवक्ता ने दिया सहयोग का आश्वासन'

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों में पदोन्नति में आरक्षण में एससी-एसटी को उनका हक दिलाने के लिए सोशल जस्टिस एंड लीगल सेल ने मुहिम और तेज कर दी है। इसी क्रम में सोशल जस्टिस एंड लीगल सेल के सदस्यों ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम से मुलाकात कर उनसे चर्चा की। वहीं सोशल जस्टिस एंड लीगल सेल के निवेदन पर विधायक मानपुर मोहला इंद्र शाह मंडावी ने बिलासपुर में महाधिवक्ता कार्यालय पहुंचकर सतीश चंद्र वर्मा के साथ बात की। उन्होंने वनमंत्री मोहम्मद अकबर को भी इस मामले से अवगत कराया।

ये कहा महाधिवक्ता ने

महाधिवक्ता ने आश्वासन दिया है कि वे पूर्ण सहयोग करेंगे और वे भी चाहते हैं कि कर्नाटक की रत्न प्रभा कमेटी की तरह छत्तीसगढ़ में भी पदोन्नति में आरक्षण के संबंध में कमेटी गठित हो। विधायक मंडावी ने छत्तीसगढ़ के आरक्षित वर्ग के अधिकारी कर्मचारियों की पदोन्नति में आरक्षण के रोस्टर बिंदु पर लगी रोक के संबंध में विस्तृत चर्चा की और उन्हें ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि छत्तीसगढ़ में किस प्रकार से आरक्षित वर्ग के अधिकारी कर्मचारी मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित हो रहे है।

पीसीसी चीफ से भेंट

वहीं सोशल जस्टिस एंड लीगल फाउंडेशन के सदस्य प्रेमचंद्र जायसी उपाध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस ने श्रीमति शेषराज हरबंश अध्यक्ष महिला कांग्रेस प्रदेश (अनुसूचित जाति) के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष माननीय मोहन मरकाम जी से छत्तीसगढ़ भवन बिलासपुर में मुलाकात की। इस दौरान मरकाम को बताया गया कि किस तरह रिक्तियों को अनारक्षित बिंदु में भरा जाकर एस-एसटी के हितों की अनदेखी की जा रही है। पीसीसी चीफ से सहयोग की उम्मीद जताई गई।

ये है मामला

सोशल जस्टिस एंड लीगल सेल के मुताबिक पदोन्नति में आरक्षण से जुड़ा मामला हाईकोर्ट में लंबित होने के बावजूद छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों में सभी प्रमोशन अनारक्षित बिंदु पर दिए जा रहे हैं। ऐसी पदोन्नति सूचियों की बाढ़ आ गई है। जिससे एस-एसटी वर्ग का आक्रोश बढ़ रहा है। सेल के मुताबिक सारे विभागों में धडल्ले से हो रही पदोन्नति सीधा अनुसूचित जाति व जनजाति के संवैधानिक अधिकारों को खत्म करने की साजिश है। यह अनुसूचित जाति व जनजाति के संवैधानिक अधिकारों की हत्या है।

'आबकारी विभाग ने भी नहीं मानी बात'

अभी 2 दिन पहले आबकारी विभाग में डीपीसी हुई और तत्काल पदोन्नति सूची जारी कर दी गई। सोशल जस्टिस एंड लीगल सेल की ओर से आबकारी सचिव, आबकारी आयुक्त को अनुसूचित जाति व जनजाति के लिए पद आरक्षित करने पत्र सौंपा गया था। लेकिन विभाग इस पर उचित कार्रवाई नहीं कर रहा है।

विधि मंत्री मो. अकबर से भी मुलाकात

विधायक इन्द्रशाह मंडावी ने कर्नाटक के रत्नप्रभा कमेटी की तर्ज पर यहां भी कमेटी बनाने को लेकर विधि मंत्री मोहम्मद अकबर से से भी विस्तारपूर्वक चर्चा कर उन्हें पत्र सौंपा। इस दौरान ओबीसी आरक्षण के लिए बनी छबिलाल पटेल कमेटी के समान एससी-एसटी को पदोन्नति में आरक्षण देने क्वांटिफाइबल डाटा एकत्र करने तत्काल एक कमेटी बनाने पर त्वरित एक्शन लेने पर मंथन हुआ।

सेल के शासन प्रशासन से सवाल

पदोन्नति में आरक्षण एक बार बहाल हो जाने के पद शासन प्रशासन अनुसूचित जाति, जनजाति के सारे रोस्टर के पदों की भरपाई कैसे करेगा। सामान्य स्थिति में एक फाइल आगे बढ़ने में कई वर्ष गुजर जाते थे। वहीं अब थोक में पदोन्नति सूची जारी करने की इतनी तत्परता कैसे दिखाई जा रही है।

बरसात के मौसम में बीमारियों का खतरा

बारिश के महीने में नमक का उपयोग बिलकुल कम करना चाहिए क्योंकि यह स्वस्थ के लिए ठीक नहीं, हाई ब्लड प्रेशर के रोगी नमक का सेवन बिलकुल ना करें

बारिश की बौछार के साथ ही इस मौसम में कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं। ऐसे में ये जरूरी होता है कि आप खुद को बीमारियों से बचाकर रखें और इनसे सतर्क रहिए।

मॉनसून के आते ही मौसम काफी सुहावना हो जाता है और तपती गर्मी से हमें राहत मिलती है। यकीनन ऐसा खुशनुमा मौसम हर किसी को पसंद होगा। लेकिन बारिश की बौछार के साथ ही इस मौसम में कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं।

ऐसे में ये जरूरी होता है कि आप खुद को इन बीमारियों से बचाकर रखें और इनसे सतर्क रहिए। अगर आप इन बीमारियों से खुद को नहीं बचाएंगे, तो आपको काफी परेशानी हो सकती है और सेहत से जुड़ी आपको कई गंभीर समस्याएं झेलनी पड़ सकती है। जानिए इन बीमारियों के बारे में और इनसे बचने के उपाय।

कौन-कौन सी बीमारी का होता है खतरा और कैसे

1. इस मौसम में पानी जमने की वजह से मच्छरों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में मलेरिया से लेकर डेंगू जैसी कई बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। इनसे बचने के लिए आप मच्छरदानी लगाकर सोएं। साथ ही आस-पास या कूलर जैसी चीजों में पानी न जमने दें।

2. इस मौसम में बैक्टिरिया तेजी से पनपता है इसलिए कई बार ये खाने को दूषित कर देता है। ऐसा खाना खाने पर आपको फूड प्वाइजनिंग के अलावा कॉलेरा और डाइरिया जैसी बीमारियां होने की संभावना होती है। इसलिए ये जरूरी होता है कि हमेशा फ्रेश खाना खाएं। बाहर की चीजों को इस मौसम में खाने से परहेज करें।

3. बरसात के मौसम में सिर्फ दूषित खाने से नहीं, बल्कि पानी से भी टाइफॉयड जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। इसलिए हमेशा साफ पानी पिएं। इस मौसम में कोशिश करें कि आप पानी उबाल कर ही पिएं। इससे किसी तरह के संक्रमण और बीमारी का खतरा खत्म हो जाता है। बाहर हमेशा अच्छे शॉप से सील वाली बॉटल ही खरीदें।

4. बारिश के वक्त तापमान में उतार-चढ़ाव होने की वजह से सर्दी, जुकाम और वायरल फीवर होने का सबसे ज्यादा खतरा बढ़ जाता है। इसलिए ये जरूरी होता है कि आप बारिश में भीगने से बचें। एसी का कम इस्तेमाल करें। अगर एसी इस्तेमाल करें, तो बार-बार तापमान में बदलाव न करें। ठंडी चीजों को खाने से परहेज करें।

5. इस मौसम में हेपिटाइटिस बी भी एक आम बीमारी है, जो देखने को मिलती है। ये दूषित खाने और पानी की वजह से होता है। इसमें आपको उल्टी, मिचली, थकावट और हल्का बुखार हो सकता है। इससे बचने के लिए आप साफ-सफाई का ध्यान रखें और बाहर और बासी चीजें खाने से बचें। आप चाहें तो डॉक्टर की सलाह पर हेपिटाइटिस बी का टीकाकरण भी करा सकते हैं।

रखें इन बातों का भी ध्यान-

1. बरसात के मौसम में इंफेक्शन और इन बीमारियों से बचने के लिए साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। खाने से पहले हाथ को अच्छी तरह धोना न भूलें।

2. पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। फ्रेश जूस अपने डाइट का हिस्सा बनाएं। इससे ताकत भी मिलेगी और बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ेगी।

3. एक्सरसाइज और योगा करके भी आप खुद को स्वस्थ रखने के साथ ही बीमारियों को दूर कर सकते हैं।

- धीरे-धीरे खाएं. ऐसे खाद्य पदार्थों का चयन करें, जो आसानी से डाइजेस्ट हो सकते हों.
- हर्बल चाय जैसे कैमोमाइल टी, ग्रीन टी और नींबू-अदरक की चाय का सेवन करें. यह पाचन तंत्र में सुधार और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देते हैं.
- प्रोबायोटिक्स खाद्य पदार्थ जैसे दही, बटर मिल्क, पनीर, कोम्बुचा और नाटो का अधिक इस्तेमाल करें. प्रोबायोटिक्स में अच्छे बैक्टीरिया होते हैं, जो हमारे पाचन तंत्र, पोषण अवशोषण और प्रतिरक्षा प्रणाली को ठीक रखते हैं.
- ऐसे कुकिंग ऑयल का इस्तेमाल करें, जो आसानी से डाइजेस्ट हो सकते हैं. अपने डाइजेशन सिस्टम को ठीक रखने के लिए ऑलिव ऑयल, सनफ्लावर ऑयल जैसे तेल का इस्तेमाल करें.
- ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं. ये आपके शरीर से टॉक्सिन को निकालने में मददगार होता है. अधिक पानी पीने से पाचन तंत्र भी ठीक रहता है.
- मॉनसून में हल्की कड़वी सब्जियां जैसे करेला, लोकी, नीम, मेथी के बीज अधिक खाएं. ये हमारे डाइजेशन सिस्टम को ठीक रखने में मदद करते हैं और इम्यूनिटी को भी बढ़ावा देते हैं.
- कच्ची सब्जियों की बजाए इन्हें उबलाकर या स्टीम करके खाएं. दरअसल कच्ची सब्जियों में बैक्टीरिया और वायरस हो सकता है, जिससे आपको पेट में इफेक्शन हो सकता है।

बारिश के महीने में स्वस्थ रहने के टिप्स

गंदे पानी से कैसे बचें?

बारिश के महीने में गटरों और गड्ढों का पानी से भर जाना सामान्य बात है। पानी के जमा होने से पानी से जुडी बीमारियाँ उत्पन्न होती हैं जैसे डायरिया, इन्फ्लुएंजा, कॉलरा तथा फंगल चर्म रोग।

बारिश के महीने में हमेशा उबाला हुआ पानी ही पियें। जितना हो सके बहार निकलते समय रेन कोट और छतरी का उपयोग करें। पानी में ज्यादा ना भीगें और हो सके तो गंदे पानी से बचने के लिए रबर के जूतों का इस्तेमाल करें।

अपने चहरे को बार-बार ना छुएं

ज्यादातर बैक्टीरिया और वायरस मुह, नाक और आँखों के माध्यम से हमारे शारीर में घुसते हैं इसलिए जितना हो सके बारिश के महीने में अपने मुह को बार-बार ना छुएं। बार-बार अपने सर पर पसीने को ना पोछें, या चेहरे पर हाँथ ना फेरें अपने साथ साफ़ नेपकिन या रूमाल रखें और उसका उपयोग करें।

अपने हाथों को अच्छे से धोएं

बारिश के महीने में हाथों को नियमित रूप से धोना बहुत ही आवश्यक है। हम कई जगह जाते हैं, कई लोगों से मिलते हैं, कई चीजों को छुते हैं। हो सकता है किसी दुसरे व्यक्ति को किसी प्रकार का इन्फेक्शन हो और आपने उनसे हाँथ मिलाया हो, या हो सकता है आप किसी बेंच पर बैठे हों जिसपर बैक्टीरिया या वायरल इन्फेक्शन हो या इन्फेक्शन से प्रभावित किसी व्यक्ति नें उस चीज को छुआ हो। इसलिए नियमित रूप से गुनगुने पानी और साबुन से अपने हातों को अच्छे से धोएं।

बाहर का खाना न खाएं

बारिशें के महीने में घर में साफ़सुथरा खाना बनाने के बाद भी तबियत ख़राब होने का डर लगा रहता है तो सोचिये जो लोग बहार का खाना खाते हैं उनके स्वस्थ का क्या परिणाम होगा।

मच्छर और मक्खियों से करें अपना बचाव

मछरदानी का उपयोग हमेशा सोते समय करें। डेंगू और मलेरिया जानलेवा बीमारियाँ हैं, इनसे बचने का एक मात्र सटीक उपाय है मछरदानी का उपयोग। बारिश के माह में गंदे पानी के जमा होने पर मछर और मक्खी का सबसे ज्यादा जन्म होता है और मछरों के कारण मलेरिया और मखियों के कारण डायरिया फैलने का सबसे बड़ा डर रहता है। अगर आप गाँव में रहते हैं तो शाम के समय नीम के पत्तों को एक लोहे की कड़ाई में सूखे भूसे के साथ जलायें इसके धुंए से मक्खी और मछर भाग जाते हैं और साथ ही अगर आपके वहां उपलब्ध है तो आप कएल भी जला सकते हैं।

घर को जितना हो साखें साफ़ रखें और अपने घर के बहार पड़े पुराने टायर, पुराने बर्तन या पानी जमा होने वाले पत्रों के पानी को साफ़ करके अन्दर साफ़ जगह पर रख दें। हमेशा फुल कपडे पहनें, पूरा पैर के नीचें तक ङ्क ताकि मछर और मक्खी के बैठने से बच सकें।

- बारिश के पानी में ज्यादा ना चलें इससे पैरों और एडियों में फंगल इन्फेक्शन हो सकता है।
- गर्म खाद्य और पेय पदार्थ का सेवन नियमित रूप से करते रहें।
- बच्चों को बारिश के पानी में ना भीगने दें और अगर कहीं जाते हुए भीग गए हों तो जल्द से जल्द मोटे तौलिये से अच्छे से सर और शारीर को पोछें।
- भीगे हुए बाल और कपड़ों के साथ कभी भी /ष्ट वाले कमरे में ना जाएँ।
- अगर आपको अस्थमा और डायबिटीज है तो गिले दीवारों से चिपक कर ना बैठें आपके शारीर के लिए हानिकारक है।
- कहा जाता है मानसून के समय बहार का खाना ना खाया जाये। कुछ लोगों को तो तो बारिश के महीने में बदहज़मी का प्रॉब्लम रहता है क्योंकि ऐसे समय में हवा में ज्यादा नमी के कारण खाना हज़म करने में मुश्किल होती है।

सम्पन्नता या विपन्नता का सचमुच अतीत से लेना देना

कंचन श्रीवास्तव

सम्पन्नता या विपन्नता का सचमुच अतीत से कोई लेना देना नही होता अब मुझे ही देख लो ईश्वर की दया से अगर बहुत धनाड़ नही है तो विपन्न भी नही है एक मिडिल क्लास फैमिली में जो कुछ होना चाहिए वो करीब करीब सब कुछ है फिर भी मन भागता है उधर जहाँ तुमसे बात करने को तुम्हारे साथ कुछ वक्त बिताने को जी चाहता है मुझे याद है कि तुम उस वक्त मेरी जिंदगी में आए जब हमने बचपना को छोड़कर यौवन की दहलीज पर कदम रखा ही था , पर लड़कपन भरपूर था। ऐ कह लो कि मन अपरिपक्व था और दीमाग सही गलत का तो निर्णय करना जानता ही नही था।

एक तरफ मेरी पढ़ाई थी तो दूसरी तरह शारीरिक और मानसिक विकास की जद्दोजहद अरे भाई हो भी क्यो न तमाम उलझनों से भरा मन और शारिरीक परिवर्तन ने एक साथ करवट बदला था बस उसी वक्त तुम्हारा भी आगमन हुआ। समझ में नही आ रहा था कि क्या करे हम दो से तो जूझ ही रहे थे और एक तीहरा भी सामने आ गया।पर तुम्हारा आना सुकून भरा था ऐ हमने कहीं न कहीं जरूर महसूस किया। वो ऐसे कि जब हम शारिरिक और मानसिक परिवर्तन की उठापटक से जूझ रहे थे तो तुम्हारा साथ राहत देता था क्योंकि कभी तुम हँसाते तो कभी मनाते कभी हमारी बातों को सुनते यहाँ कि की मैने महसूस किया कि तुम भावनाओं को भी पढ़ना सीख गए क्योंकि कभी कभी मेरा मूड़ तुम बिना बताए भी देखकर समझ जाते थे , जिसकी वजह से हमें धीरे धीरे तुम्हारी आदत सी हो गई तुम्हारा साथ अच्छा लगने लगा लगे भी क्यो न तुम इस जद्दोजेहद से थोड़ा सुकून जो देते थे।और फिर कभी जब तुम न आते तो मेरा आने पे गुस्सा भी झेलते । इस बीच हम कब दोनों एक दूसरे के करीब आ गए खुद को भी पता न चला पर इसे कोई नाम न तुम दे सके और न हम और मेरी पढ़ाई खत्म होते ही शादी तय हो गई भाई वो तो होना ही था।हम खुश भी बहुत थे पर तुम्हारा चेहरा उतरा हुआ था। फिर भी हम समझ न सके बल्कि

ऐ देखके मुझे गुस्सा आया कि तुम खुश क्यों नही हो जब मैने पूछा क्या तुम्हे अच्छा नही लगा।तो तुमसे ऐसी कोई बात नही कहके टाल दिया। और मैने भी परवाह नही की और तुम्हें चिढ़ाते हुए दूसरे कमरे में जाके तैयारी में लीन हो गई। पापा ने मेरे लिए दुल्हन का जोड़ा और कुछ गहने जो लाए थे मैं उन्हें लेकर तुम्हें दिखाने आई तो देखा तुम जा चुके थे। फिर जब तुम दोबारा आए तो मै खूब लड़ी तुमसज कि तुम बिना देखे क्यों चले गए फिर कभी ऐसा किया तो मैं शादी नही करूँगी की धमकी भी दी।पर समझ नही पई अपने मन को।कि आखिर ऐ क्या चाहता है क्यों इसे नज़र अंदाज करके मन उधर भाग रहा है जहा कहने को सब कुछ होगा पर एक ऐसी शुन्यता होगी जिसे उम्र भर भरना मुश्किल ही नही नामुमकिन होगा।

पर हाँ तुम्हारा साथ नही छोड़ती हर वक्त तुम्हारा साथ चाहती और तुमने मेरी जिद्द पूरी भी की रहे पूरी रात शादी में और फिर विदाई के वक्त तुमसे लिपट के खूब रोई। और तुम खामोश जैसे बुत से हो गए थे। कुछ नही बोले। हमें याद है इतने में अम्मा ने आगे खीचकर अलग करते हुए चाची के गले लगाते हुए भेटने को कह दिया था।मै चाची के गले लगी तो पर देखा तुम तेज़ कदमो से सखमने वाले कमरे में चले गए और पड़ी कुर्सी पर ढेर हो गए।

और हम कुछ न कर सके बस देखते रह गए।हाँ कार में बैठे तो तुम्हें हमारी नज़रे ढूढ़ने लगी पर तुम कही नज़र नही आए।इससे मेरी बेचैनियां तो बढ़ी पर क्या करती कार में बैठ चुकी थी उतर नही सकती थी साथ में गठबंधन जो था।पर जब तक ओझल नही हुए तब तक तुम्हें ढूढ़ते रहे।फिर उस घर आ गए जहाँ हर कोई अजनबी था।और सबके साथ रिश्ता कायम करना था। धीरे धीरे हम यहाँ के लोगों के साथ घुल मिल गए यहाँ तक कि जीवन साथी के साथ भी सब कुछ सामान्य रहा। पर एक बात हमने जो महसूस की वो ऐ कि जो जगह तुम्हारी थी,है,और आगे भी रहेगी वो उसे नहीं ले पाई। आज वर्षो हो गए हमें एक दूसरे के साथ रहते तुमसे मिलना तो छोड़ो बात तक नही होती तुम कही हम कही है फिर भी तुम्हें महसूस करते है। ऐ कह लो कि जीवनसाथी दिल के पास तो तुम दिल में हो हम बहुत चाहकर भी उसे वो जगह नही दे पाए जो तुम्हारा है देखो न वर्षो की शादी के बाद अब समझ में आया कि इसी को प्यार कहते है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

हमें पता है कि

हमें पता है कि रंगोली दूसरे ही दिन मिटने वाली है, फिर भी वो ज्यादा से ज्यादा आकर्षक हो मनमोहक हो ये कोशिश रहती है। जीवन भी कुछ रंगोली जैसा ही है हमें पता है जिंदगी एक दिन ख़त्म हो जायेगी, फर भी उसे खूबसूरत बनाने की कोशिश करते रहना चाहिए।

- अरूणा राव

जाने जाँ चले वहाँ हो जहां नया

जाने जाँ चले वहाँ हो जहां नया जहाँ! करेंगे क्या जा वहाँ जो यहाँ वही वहाँ! जीये यहाँ जाना कहाँ अपना तो यही जहाँ! गमे जाँ,की हर दास्ताँ जुबाँ करे क्या बयाँ! है दुआ , बदले समाँ पहले सा हो आस्मां! हो सब रुके दूरियाँ रवाँ बस चल पड़े ये कारवाँ!

- जावेद उस्मानी

खास पाती

तुम्हारी याद रोज मेरे

तुम्हारी याद रोज मेरे आसपास मंडराती है, रोज अपनी यादों को तुम्हारे पास भेजने की हिमाकत सहसा कर बैठती हूँ वो क्या है न कि दिल है मानता ही नहीं क्या करूँ कोई और बसता ही नहीं एक तुमने ही उसपे कब्जा किया हुआ है अपना आधिपत्य जमाया हुआ है पर तुमने तो अपने मन पे जैसे ताला ठोक रखा है और चाबी दूर कही घाटी में फैंक दी है वह दस्तक दे,खाली लौट आती है और मैं रीता मन ले शून्य की गहराई में फिर से तेरा इंतजार करती हूं।

- रेनु शब्द मुखर

यह वर्ष मेरे मोहभंग वाला वर्ष

यह वर्ष मेरे मोहभंग वाला वर्ष रहा। जाने कितनी ही दोस्तियों और अन्य रिश्तों को लेकर मैं वर्षों से गलतफहमी में रही, कि वे मेरे बहुत करीबी हैं, मैं उनके लिए बहुत खास हूँ। पर न जाने ईश्वर की क्या मर्जी हुई कि एक एक कर उन रिश्तों की सच्चाई मुझे दिखने लगी और समझ मे आया कि मेरा वजूद उनके लिए कोई अहमियत नहीं रखता। अंततः हर उस रिश्ते से छुटकारा पा लिया, जिन्हें निभाने की जिम्मेदारी अब तक सिर्फ मेरी रही थी। ख़ैर ... यह दौर भी गुज़र ही जाएगा। **- ज्योत्स्ना कपिल**

खिला खिला गुलज़ार था गुलशन

खिला खिला गुलज़ार था गुलशन दिल का आमद से तेरी पहले ओ यारा तोड़ डाला है कहीं अंदर तक इस क़दर तूने पड़ गया है ज़र्द सा चेहरागोया किसी शजर से बिछुड़े 'पत्ते' सी हो गयी बिखरी हयात अपनी समेटेगा भी अब कोई हमें तो फक़त जलाने की ही ख़ातिर यक़ीनन।

- नीलोफर नीलू

मैं सरकार से निवेदन करता हूँ...

मैं सरकार से निवेदन करता हूँ... कि जब भी हमारे देश की सेना का चीन या पाकिस्तान की सेना के साथ कोई विवाद या मुठभेड़ हो... तो वहां विपक्षी पार्टी का कोई न कोई नेता अवश्य हिस्सा ले... अगर वो बच गए तो सत्य का प्रमाण नही मांगेंगे... और अगर चल बसे तो हम उन्हें अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दे देंगे...! **- कुमार संतोष**

छंदबद्ध करने हैं,शब्द काव्य नाम

छंदबद्ध करने हैं,शब्द काव्य नाम यदि, मात्रा विधान पहले,सभी सीख लीजिए। ज्ञान फिर आवश्यक,छंद के विधान का है, लय यति ध्यान रख,छंद लिख दीजिए। थाती सब हिंदी के हैं,छंद जो भी पौराणिक इनको बचाने हेतु, थोड़ा श्रम कीजिए। काम श्रमसाध्य पर,रोचक सरस अति, करके सृजन छंद,काव्य रस पीजिए।।

- डॉ. बिपिन पाण्डेय

प्रोफाइल फोटो वही नहीं बदलते हैं,

प्रोफाइल फोटो वही नहीं बदलते हैं, जो या तो फेसबुक चलाते नहीं हैं या फिर बहुत बड़ी हस्ती हो जो फोटो बदलेंगे तो प्रसंसक कम हो सकते हैं । हम तो इन दोनों में से एक भी नहीं हैं । देखिए कभी-कभी कलम बहुत कुछ लिखना चाहती है , अतः कोई नजर न लगाएं। **- पूनम झा**

आजकल के बच्चों को याददाश्त

आजकल के बच्चों को याददाश्त सही रखने के लिए अखरोट ,बादाम, किसमिस और ना जाने क्या क्या खिलाया जाता है ,और एक हमारा समय था बाप के कनपटी के नीचे दो थप्पड़ लगते ही ,सारी याददाश्त वापस आ जाती थी फिर कभी नहीं भूलते थे। **- प्रवीण माटी**

QUIZ TIME

1) भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में अब तक कितने महिलाएँ मुख्य अतिथि बनी है?

2) किस कंपनी ने स्वागत-आटोमेटिक फेयर कलेक्शन गेटिंग सिस्टम पेश किया है?

3) देशभर में जनऔषधि दिवस कब मनाया जाता है? (7 मार्च / 15 मार्च)

4) किस राज्य में प्राचीन आदिवासी भाषा गोंडी आदिवासी जिलों में पढ़ाई जाएगी?

5) व्यक्ति का नाम बताइए और किस संस्था का स्थापना किया था?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) तीन (2) भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (3) 7 मार्च (4) मध्यप्रदेश (5) सतीश चंद्र दास और [illegible] की स्थापना

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1748 - एम्सटर्डम में दो लोगों को सार्वजनिक रूप से फांसी दिये जाने के विरोध में भड़के दंगो में 200 से अधिक लोग मारे गए। 1838 - ब्रिटेन की महारानी क्वीन विक्टोरिया की ताजपोशी लंदन के वेस्टमिंस्टर एब्बे में की गयी। 1838 - प्रसिद्ध बांगला लेखक एवं देश के राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का जन्म। 1846 - एंटोइन जोसेफसैक्स ने सैक्सोफोन का पेटेंट कराया। 1921 - पूर्व प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव का जन्म। 1941 - जर्मनी और रोमानिया के सैनिकों ने रूसी साम्राज्य के बेस्सारेबिया प्रांत की राजधानी किशिनेव में 11 हजार यहूदियों को हत्या कर दी। 1956 - पोलैंड के पोज़नेन में दंगे भड़कने से 38 लोग मारे गये।

न्यूज गैलरी

मण्डल के 03 स्टेशनों के फुटओवर ब्रिज में की गई गर्डर की लांचिंग

बिलासपुर । मंडल के छोटे-छोटे स्टेशनों में भी यात्रियों की एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म में सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा हेतु फुटओवर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु नियमित यात्री गाड़ियों के परिचालन रद्द होने के कारण मिले समय का बुद्धिमता के साथ प्रयोग करते हुये रेलवे प्रशासन द्वारा प्रतीक्षित सुरक्षा व संरक्षा से संबधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्रता के साथ पूरा किया जा रहा है। इसी संदर्भ में सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुये 19 मई को जयरामनगर स्टेशन, 11 जून को हर्री स्टेशन तथा 14 जून को वेंकटनगर स्टेशन के निर्माणाधीन फुटओवर ब्रिज में गर्डरों को सफलतापूर्वक स्थापित किया गया 7 केवल 27 दिनों के भीतर मण्डल के उपरोक्त तीनों स्टेशनों में गर्डर लांचिंग कर फुटओवर ब्रिज निर्माण कार्य को गति प्रदान की गई। इन स्टेशनों में फुटओवर ब्रिज निर्माण का कार्य पूरा होते ही इन स्टेशनों के यात्रियों को एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म में सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

देर शाम गांधी चौक के निकट कैफ़े में कोतवाली पुलिस की दबिश, हुक्का पीते पकड़ाया युवक

बिलासपुर । कोतवाली थाना पुलिस ने शुक्रवार की देर शाम थाना क्षेत्र अंतर्गत हुक्का बार पर छापा मारा,इस दौरान युवक को हुक्का की कश लगवा रहे कर्मचारी सहित युवक को पुलिस ने पकड़ लिया है, पुलिस ने मौके से पॉट व पाइप भी जब्त किए हैं कोतवाली थाना प्रभारी कलीम खान ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांधी चौक से शिव टॉकीज रोड पर पुराने हाईकोर्ट के सामने मोक्ष कैफ़े में शहर के युवको को हुक्का पिलाया जा रहा है , सूचना पर थाना प्रभारी ने टीम बनाकर मौके पर दबिश मारी जहां हुक्का पीते युवक मिला,जिसे मौके से कर्मचारी व हुक्का पी रहे युवक को गिरफ्तार किया है,पुलिस ने आरोपी कैफ़े के कर्मचारी व युवक पर धारा 188 व कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

चोरी की मोटर साइकिल बेचने के फिराक में ग्राहक तलाश कर रहे आरोपी चढे पुलिस के हत्थे

बिलासपुर । बेलगहना थाने में मुखबिर से सूचना मिली की जोस्टीन टोप्पो नाम का व्यक्ति चोरी के मोटरसाइकिल बेचने के लिए ग्राम खोंगसरा आमागोहन में ग्राहक तलाश कर रहा है इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर उनके दिशा निर्देश में टीम तैयार कर मुखबिर सूचना की तस्दीक कार्यवाही हेतु स्टाफ को आमागोहन खोंगसरा रवाना किया गया, जो मुखबिर की निशानदेही पर गवाह हेमलाल प्रजापति एवं मोहम्मद जावेद के ग्राहक तलाश कर रहे जोस्टीन को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर बताया कि तीन मोटरसाइकिल गौरेला पेंड्रा से 2 वर्ष पूर्व चोरी किया था चोरी की एक मोटरसाइकिल लाल रंग के पैशन प्लस क्रमांक सीजी 11 4668 अपने पास रखना व चोरी के अन्य एक मोटरसाइकिल हीरो होंडा स्प्लेंडर काला नीला रंग क्रमांक सीजी 10 ईएल 3481 को मोहम्मद मुस्ताक कुरैशी निवासी बाजार पारा आमागोहन के पास एवं एक मोटरसाइकिल हीरो होंडा सीडी डीलक्स सिल्वर नीला रंग क्रमांक सीजी 10 बीसी 9034 को बाजार पारा आमागोहन निवासी मोनू केसरवानी के पास बिक्री करना बताया उक्त तीनों मोटरसाइकिल को आरोपी व खरीददार से बरामद कर मोटरसाइकिल के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं होने पर तीनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 41,(1-4,) 379,411,34 भादवि पंजीबद्ध कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।।

थर्ड जेंडर के लिए सिम्स में बना शौचालय, 29 जून को संभागीय कमिश्नर करेंगे लोकार्पण

बिलासपुर । समाज में थर्ड जेंडर को सम्मान दिलाने सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल 2014 के आर्डर दिया था जिसमे महिला और पुरुषों के अलावा एक और वर्ग थर्ड जेंडर को जेंडर के रूप में अधिकार दिया गया है थर्ड जेंडर को जिन्हें कई तरह की परेशानियां उठानी पड़ती है ।। सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के बाद इनके लिए देश की सरकारें समाज मे कई तरह व्यवस्था की है । इसी तरह देश की समाजसेवी संस्थाए भी थर्ड जेंडर को समाज मे महिला , पुरुष की तरह सामान्य जीवन यापन के लिए उनके लिए जरूरी व्यवस्थाए की है ।

पौनी-पसारी योजना का मेयर और सभापति ने किया शुभारंभ

■ **व्यापार विहार में बनेगा 26 लाख की लागत से सब्जी बाजार**

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। मेयर रामशरण यादव और सभापति शेख नजीरुद्दीन ने व्यापार विहार में पौनी-पसारी योजना के तहत होने वाले सब्जी बाजार निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। यहां करीब 26 लाख की लागत से सब्जी विक्रेताओं के लिये चबूतरे का निर्माण होगा।

राज्य शासन द्वारा सब्जी उगाने वाले किसानों के लिए पौनी पसारी योजना शुरू किया गया है। योजना के तहत एक निश्चित स्थान में पूर्ण सुविधा युक्त सब्जी बाजार लगाया जाएगा। योजना के तहत व्यापार विहार सेंट जेवियर स्कूल के बगल में 26 लाख रुपए लागत से सर्व सुविधा सब्जी बाजार का निर्माण होगा। शुक्रवार को मेयर रामशरण यादव और सभापति शेख़ नजीरुद्दीन ने विधिवत पूजा अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने पूरे बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर निर्माण से संबंधित लेआउट और डिजाइन को देखा। मेयर रामशरण यादव ने यहां सब्जी लेने आने वालों के लिए पार्किंग निर्माण पर विशेष

ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में डेली सब्जी मार्केट की वर्षो से मांग थी, जिसको पूरा कर लिया गया है। यहां लोगों को जगह आबंटित किया गया है, जो हर रोज यहाँ सब्जी बाजार लागते हैं। वर्तमान में शासन की पौनी पसारी योजना के तहत भी इस जगह को चयन कर पूर्ण सुविधा युक्त डेली मार्केट बनाया जाएगा। सभापति शेख नजीरुद्दीन ने कहा कि पूर्ण सुविधा युक्त डेली मार्केट बनने से एक ओर जहां आसपास क्षेत्र में रहने वाले लोगों को हर रोज ताजी सब्जी उपलब्ध रहेगा वहीं योजना के तहत बनने वाले सब्जी मार्केट से स्थानिय लोगों को रोजगार और किसानों को अपने उत्पादन बेचने से लाभ मिलेगा। निर्माण कार्य को तय समय सीमा के अंदर पूर्ण करने के निर्देश मेयर रामशरण यादव ने दिए। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य राजेश शुक्ला, विजय केशरवानी, कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्री प्रमोद नायक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, जोन 4 के कमिश्नर आरएस चौहान, सहायक अभियंता सुरेश शर्मा सहित वार्ड वासी के उपस्थित थे।

मेयर और सभापति ने खरीदी सब्जी

निर्माण कार्य शुभारंभ करने के बाद मेयर श्री रामशरण यादव और सभापति शेख नजीरुद्दीन ने यहां सब्जी बेचने वालों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कुंदरू, हरी मिर्च सहित अन्य सब्जी खरीदी। इससे यहां के सब्जी बेचने वालों में हर्ष व्याप्त था।

बेदखली की कार्रवाई से नाराज लोगों ने गोड़पारा में मचाया हंगामा

नवप्रदेश संवाददाता

निगम और पुलिस कर्मियों पर बोला धावा

बिलासपुर । अरपा के दोनौं किनारों पर रिवर व्यू रोड निर्माण के लिए नदी किनारे बसे सैकड़ों परिवारों के मकानों को हटाया जा रहा है, जिसका विरोध भी हो रहा है। गोड़पारा क्षेत्र में हालांकि कई कब्जाधारियों ने स्वेच्छा से अपने मकान खाली कर दिए हैं। लेकिन कुछ स्थानों पर मकान खाली कराए जाने का विरोध भी हो रहा है। शनिवार को निगम का अतिक्रमण दस्ता कोतवाली पुलिस के साथ मकान तोड़ने पहुंचा। यहां 80 मकान तोड़े जाने हैं। लेकिन बेजा कब्जा धारी मकान तोड़ने का

विरोध कर रहे हैं ।शनिवार को बेदखली की कार्रवाई का विरोध करने वाले हिंसक हो उठे। जिन्होंने निगम कर्मी और पुलिस कर्मियों पर भी धावा बोल दिया। दोनों पक्षों के बीच झूमा-झपटी और हाथापाई के बाद कोतवाली पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है।जिन्हें कोतवाली थाने ले जाया गया है। गोंड़पारा क्षेत्र में नदी किनारे मकानों में निवासरत परिवारों को सिलसिलेवार ढंग से वहां से क्षहटाया जा रहा है। लगातार क्षेत्र के नागरिकों के साथ बैठक लेकर उन्हें समझाइश दी जा रही और निर्णय लिए जा रहे हैं। एक दिन पहले ही इन मकानों को तोड़ने पर सहमति बनी थी। लेकिन बावजूद इसके अतिक्रमणकारियों ने विरोध और हंगामा शुरू कर दिया।

विश्व नशा मुक्ति दिवस पर पुलिस का सार्थक प्रयास, निकाली जागरूकता रैली

■ **नुक्कड़ में गूंजा स्लोगन , बीड़ी पीकर खांस रहा है, मौत के आगे नाच रहा है**

बिलासपुर । अंतरराष्ट्रीय विश्व नशा मुक्ति दिवस पर पुलिस प्रशासन और जनसामान्य के सहयोग से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस प्रशासन ने लोगों को बताने का प्रयास किया कि नशा ही अपराध की मुख्य वजह है। शिक्षित, व्यवस्थित और संवेदनशील समाज के लिए नशा से बचकर रहना बहुत ही जरूरी है।

एक दिन पहले पुलिस प्रशासन के विशेष प्रयास से जिले में जनसामान्य के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय विश्व नशा मुक्ति दिवस का आयोजन किया गया। लोगों के बीच पुलिस जवान और एनजीओ समेत समाजसेवियों ने नशा के खिलाफ अभियान चलाया। लोगों को स्लोगन और रैली के माध्यम से नशा के अंधेरे पक्ष को सबके सामने रखा। नशा मुक्ति दिवस पर पुलिस प्रशासकों की पहल पर रैली भी निकाली गई। लोगों के हाथ में स्लोगन लिखी तख्तियां थी। रैली में तारबाहर थाना पुलिस स्टाफ भी शामिल हुआ। सभी ने एक सुर में नशा मुक्त समाज बनाने की बात कही। पुलिस के एसपीओ भी रैली में शामिल हुए। सभी लोगों ने रैली के दौरान जमकर नारेबाजी की।

रैली में शामिल लोगों ने लोगो को जागरूक करते हुए कहा कि जेन खाही गुटखा ओला पड़ही मुटखा, जेन पिही दारू और पड़िही झाड़ूं। तारबाहर एसपीओं ने लोगों को धूम्रपान से दूर रहने की बात कहते हुए , बीड़ी पीकर खांस रहा है मौत के आगे नाच रहा है।

छात्र को मास्क न लगाने का हर्जाना चार हजार नगद व एक सोने की अँगूठी, फर्जी पुलिस की कारस्तानी

बिलासपुर । फर्जी पुलिस बन लोगो से फ्सूली करने वाले को पुलिस की टीम ने धर दबोचा है, मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत का है ।

मिली जानकारी के अनुसार शांति नगर हार्ट केयर हॉस्पिटल के निकट रहने वाले प्रार्थी हर्षवर्धन ने बताया कि वह डी पी एस स्कूल में कक्षा 12 वी में पढ़ता है,उसने थाना पहुँच लिखित शिकायत की 24 जून को वह अपने मित्र

दिव्यांशु चौहान के साथ अपनी स्कूटी में अपने घर शांति नगर जा रहा था,इसी दौरान रास्ते में उस्लापुर पुल के नीचे रूके हुये थे,वही खड़े रहने के दरमियान एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा पास आकर अपने आप को पुलिस वाला बताते हुए चेहरे में मास्क क्यो नही पहने हो कहते हुये अपने साथ मंगला चौक रत्न लस्सी दुकान के सामने गली में ले गया और थाना सिविल लाईन चलो बोलने लगा,जिसके बाद वह बोलने लगा कि यही कुछ ले दे के मामला निपटा लेते है यह बात किसी को नही बताना कहते हुये मेरे पर्स में रखी सोने की अंगूठी जो मेरी मां कि निशानी थी और चार हजार रूपये नगद रकम जिसमें एक दो हजार का नोट एवं चार पांच-पांच सौ के नोट थे को निकाल लिया,और हमे किसी से न बताने की बात कहते हुए छोड़ दिया,वही उसने आज थाना में इस बात की लिखित शिकायत की जिसपर तत्काल थाना प्रभारी द्वारा तत्काल हरकत में आकर आरोपी की तलाश में लगे थे न पतासाजी के दौरान सूचना मिली कि युवक नर्मदा नगर के समीप है,जिसे टीम ने मौके पर पहुँच गिरफ्तार किया है,पुलिस ने युवक पर धारा 392 के तहत मामला दर्ज कर लिया है

इंडियन ऑयल कारपोरेशन का शासकीय भूमि का व्यवस्थापन प्रस्ताव को अंतरविभागीय समिति की बैठक में मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने दी स्वीकृति

रायपुर। प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल की अध्यक्षता में अंतर विभागीय समिति की बैठक संपन्न हुई।बैठक में इंडियन ऑयल कारपोरेशन (भारत सरकार का उपक्रम) का शासकीय भूमि का व्यवस्थापन तथा भूमि अधिकार में परिवर्तन प्रस्ताव को अंतरविभागीय समिति की बैठक में राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने स्वीकृति दी । भूमि आवंटन के लिए नियमानुसार छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता के तहत निर्धारित प्रब्याजी एवं भू भाटक निर्धारित कर भारत सरकार का उपक्रम इंडियन ऑयल कारपोरेशन को विशेष शर्तों पर हस्तांतरण किया जाना प्रस्तावित किया गया, बैठक में तीन अन्य प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गयी । राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड चार क्रमांक-1 कंडिका 23 के तहत भूमि आबंटन वर्ष को प्रचलित गाईड लाईन दर पर आबंटित करने का प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन , राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय के आदेश दिनांक 26 अक्टूबर, 2019 के अनुसार 7500 वर्गफीट तक शासकीय भूमि का आवंटन तथा अतिक्रमित शासकीय भूमि के व्यवस्थापन एवं स्थायी पट्टे की भूमिस्वामी अधिकार में प्रदान करने का अधिकार जिला कलेक्टर को दिया गया है।राजस्व मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 को प्रचलित गाईड लाईन दर के 152 प्रतिशत की दर से आवेदक इंडियन ऑयल कार्पोरेशन, रायपुर (भारत सरकार का उपक्रम) को भूमिस्वामी अधिकारी में व्यवस्थापन प्रस्ताव को आज अंतर्विभागीय समिति की बैठक में स्वीकृति दी गयी। बैठक मे सुश्री रीता शांडिल्य सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन , श्रीमती पी. संगीता सचिव वाणिज्यिक कर(पंजीयन), श्री सतीष पाण्डेय अपर सचिव वित्त उपस्थित थे।

अवैध रेत उत्खनन कर परिवहन कर रहे वाहन को बांसकोट पुलिस ने जप्त किया

केशकाल। छ0ग0 शासन द्वारा 15 जून से 15 अक्टुबर तक अवैध रेत उत्खनन के प्रतिबंध संबंध में जो दिशा निर्देश जारी किया गया है के इस तारतम्य में पुलिस अधीक्षक कोण्ड़ागांव श्री बालाजी राव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनंत कुमार साहू के निर्देशन मे उप पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा एवं थाना विश्रामपुरी प्रभारी भापेन्द्र साहू के पर्यवेक्षण मे दिनांक 26.06.2020 को पुलिस चौकी बांसकोट द्वारा ग्राम बालेंगा के पातरीपारा स्थित भवंरदीप नदी से अवैध रेत उत्खनन कर परिवहन कर रहें वाहन क्रमांक सीजी 19 बीजी 5914 के चालक मोतीलाल पिता स्व शोभराम सार्दुल उम्र 45 वर्ष निवासी बांसकोट को मौके पर जप्ती कार्यवाही कर चौकी लाकर पृथक से धारा 102 जा0फौ0 के अन्तर्गत इस्तगासा तैयार कर खनिज शाखा, कलेक्टर कार्यालय, कोंडागांव मे पेश किया गया। इस सम्पूर्ण कार्यावाही मे बांसकोट चैकी प्रभारी प्रमोद कतलम, स.उ.नि. अष्विनी निषाद, राजस्व निरीक्षक रामनाथ नेताम, पटवारी लक्ष्मीनाथ सरल एवं अन्य स्टाफ का योगदान रहा। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के दिशा निर्देशों के अनुसार छत्तीसगढ़ की समस्त नदियों एवं उनकी उपधाराओं में रेत उत्खनन कार्य आगामी 10 जून से 15 अक्टूबर तक पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है

बैंड, धुमाल, एवं डिस्कोलाइट व्यवसायी संघ कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मुंगेली। बैंड एवं धुमाल, डिस्कोलाईट,साउंड सर्विस जिला संघ के व्यापारियो ने कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन दिया गया। व्यापारियो ने बताया कि विगत 3 माह से लाकडाउन होने की वजह से हमारा व्यापार खत्म हो गया है । सोशल डिस्टैंस के पालन करते हुये उन्हे व्यवसाय शुरू करने की अनुमति देने एवं आर्थिक सहयोग दिलाये जाने की मांग की है।

संयुक्त संचालक की जांच पर भारी पड़ा निगम लेखाधिकारी

कोरबा। नगर निगम में चल रहे अनियमितता पर अंकुश लगाने के सारे प्रयास लेखाधिकारी के सामने बौने साबित हो रहे है।तभी तो मुख्यमंत्री के आदेश पर शुरू हुई जांच पर लेखधिकारी भारी पड़ गए है।

उल्लेखनीय है कि मुख्य लेखा अधिकारी पी. आर. मिश्रा के खिलाफ अपने एक रिश्तेदार को लाभ पहुंचाने के लिए अनियमितता बरतने की शिकायत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से की गयी थी। मुख्यमंत्री ने मामले की जांच का निर्देश दिया

था। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार संयुक्त संचालक नगरीय निकाय एवं विकास बिलासपुर ने 09 जून 2020 को नगर निगम कोरबा के आयुक्त को तीन दिनों में शिकायत की जांच कर संबंधित अभिलेखों सहित रिपोर्ट तलब की थी।

इस संबंध में नगर निगम आयुक्त एस. जयवर्धन से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि उक्त आदेश अब तक उसके समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया है। उन्होंने आदेश के संबंध में जानकारी लेने की बात भी कही है। दूसरी ओर नगर

> नगर निगम कोरबा के लेखाधिकारी पीआर मिश्रा के खिलाफ मिले शिकायत पर निगम आयुक्त को जांच कर रिपोर्ट भेजने पत्र लिखा गया था। अभी तक रिपोर्ट नही भेजा गया हैं। इस संबंध में पुनः स्मरण पत्र आयुक्त को भेजा जाएगा।
>
> **हिमांशु तिवारी,** संयुक्त संचालक बिलासपुर

निगम के कर्मचारी मामले की जांच कर संयुक्त संचालक को भेज देने की भ्रामक सूचना प्रचारित कर रहे हैं। साथ ही शिकायत को निराधार भी बता रहे हैं। उधर शनिवार को संयुक्त संचालक बिलासपुर हिमांशु तिवारी से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि उक्त आदेश के संबंध में शनिवार तक नगर निगम कोरबा से उन्हें कोई भी जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। ज्ञात हो कि मुख्य लेखा अधिकारी पी. आर. मिश्रा मंगलवार 30 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सवाल यह है कि जांच पूर्ण होने से पहले ही उन्हें क्लीन चिट मिलने का भ्रम क्यों फैलाया जा रहा है और सेवा निवृत्ति के बाद कहीं उनके खिलाफ जांच को रफा-दफा तो नहीं कर दिया जायेगा? क्या उन्हें बचाने की कोई साजिश की जा रही है?

निर्माण कार्यो की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं

■ **कलेक्टर ने किया निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण**

मुंगेली। कलेक्टर पी.एस.एल्मा ने अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान आज विकास खण्ड लोरमी के ग्राम बंधवा पहुँचे और वहां लोक निर्माण विभाग द्वारा 15 करोड़ रूपये की लागत से निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होने अपने भ्रमण के दौरान निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय के संबंध मे एक-एक बिन्दुओ की जानकारी प्राप्त की। उन्होने कहा कि जिले मे लोगो की विकास और समृधि के लिए निर्माण एजेंसियो द्वारा विभिन्न निर्माण कार्य किये जा रहे है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता मे

किसी भी प्रकार की समझौता नही की जाएगी। इस अवसर उन्होने सख्त लहजे मे निर्माण एजेंसी को निर्धारित गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य को निर्धारित अवधि मे पूरा करने के निर्देश दिये। तत्पश्चात् कलेक्टर श्री एल्मा ने ग्राम बंधवा मे ही संचालित मल्टी यूटिलिटि सेंटर का अवलोकन किया और मल्टी यूटिलिटि सेंटर मे कार्यरत् स्वसहायता समूहो की महिलाओ से उनके लाभ सहित उनके अन्य कामकाजो के संबंध मे जानकारी प्राप्त की और मल्टी युटिलिटि सेंटर को और अधिक लाभदायक बनाने के लिए संबंधित अधिकारियो को निर्देश दिये। इस अवसर पर लोरमी अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नवीन भगत सहित निर्माण एजेंसी के अधिकारी और स्वसहायता समूह की महिलाएं भी उपस्थित थी।

पेसा और वनाधिकार कानून को लागू करने सरकार प्रतिबद्ध : टीएस सिंहदेव

- पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने सर्व आदिवासी समाज से की चर्चा, आदिम जाति कल्याण मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह भी हुए शामिल
- पेसा के लिए नियम बनाने सभी 85 अनुसूचित विकासखंडों के आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से लिए जाएंगे सुझाव

अंबिकापुर/रायपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने कहा है कि 'पेसा' और वनाधिकार कानून को लागू करने छत्तीसगढ़ सरकार प्रतिबद्ध है। 'पेसा' पर प्रभावी अमल के लिए अनुसूचित क्षेत्रों के रहवासियों, समुदायों, जनप्रतिनिधियों और आदिवासी मुद्दों के जानकारों से सुझाव लेकर नियम तैयार किए जाएंगे। इसके लिए आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से लगातार चर्चा जारी है। पंचायत मंत्री श्री सिंहदेव ने आज अपने निवास कार्यालय में सर्व आदिवासी समाज से 'पेसा' पर चर्चा के दौरान ये बातें कहीं। आदिम जाति कल्याण मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह भी चर्चा में शामिल हुए।

श्री सिंहदेव ने बैठक में कहा कि 'पेसा' पर सुझाव प्राप्त करने अनुसूचित क्षेत्रों वाले सभी 85 विकासखंडों के आदिवासी समाज और नागरिक संगठनों के प्रतिनिधियों से चर्चा की जाएगी। ऑनलाइन चर्चा के माध्यम से भी उनके विचार लिए जाएंगे। उनकी कोशिश है कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र तक अलग-अलग स्तरों पर चर्चा का दौर पूर्ण कर 'पेसा' के लिए नियमों का प्रारूप तैयार कर लिया जाए। इसके लिए 'पेसा' के क्रियान्वयन से जुड़े अलग-अलग विभागों राजस्व, वन, खनिज, आदिवासी विकास, संस्कृति और पर्यावरण विभाग से भी चर्चा और समन्वय की जरूरत होगी।

सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने चर्चा के दौरान 'पेसा' पर अमल के लिए अपने सुझावों से पंचायत मंत्री श्री सिंहदेव और आदिम जाति कल्याण मंत्री डॉ. सिंह को अवगत कराया। उन्होंने आदिवासी सलाहकार समिति को सशक्त बनाए जाने का सुझाव दिया। उन्होंने 'पेसा' पर अमल के लिए आदिवासी समाज को चर्चा में शामिल करने और उनसे सुझाव लेने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री सिंहदेव को धन्यवाद दिया। बैठक में सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष श्री बी.पी.एस. नेताम, कोषाध्यक्ष श्री फूलसिंह नेताम, प्रांतीय सचिव श्री आनंद टोप्पो और महिला प्रभाग की अध्यक्ष श्रीमती कमला देवी नेताम सहित सदस्यगण सर्वश्री जी.एस. धनंजय, बी.एस. ठाकुर, कुंदन सिंह ठाकुर, एम.आर. ठाकुर और एन.एस. ठाकुर मौजूद थे।

न्यूज गैलरी

धान एवं अरहर बीज तथा कृषि दवाई का वितरण

कांकेर। हरित क्रांति विस्तार योजना अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा ग्राम पंचायत गढ़पिछ्वाडी में धान बीज, अरहर बीज एवं कृषि दवाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के कृषि स्थायी के सभापति नरोत्तम पटौदी, जनपद अध्यक्ष कांकेर के अध्यक्ष राम चरण कोर्राम, कृषि स्थायी समिति जनपद पंचायत कांकेर के सभापति ईश्वर कावडे, ग्राम पंचायत सरपंच गढ़पिछ्वाडी गोविंद दर्रो, उप संचालक कृषि नरेंद्र नागेश, सहायक संचालक कृषि सूरज पंसारी एवं अनुविभागीय अधिकारी कृषि जितेन्द्र कोमरा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बी मेश्राम सहित कृषि विभाग के मैदानी कर्मचारियों एवं किसान मित्रों तथा ग्रामीणजन उपस्थित थे।

गोधन न्याय योजना प्रदेश सरकार का क्रांतिकारी कदम,ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए वरदान साबित होगा -कृष्ण यादव

बिलासपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा छत्तीसगढ़ का पारंपरिक पर्व ÷हरेली÷से लागू किये जाने वाले गोधन न्याय योजना को अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने

क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा है कि इस योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी । श्री यादव ने प्रदेश के संवेदन शील मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को प्रदेश में गोधन न्याय योजना छत्तीगढ़वासियों के कृषि पर्व हरेली से लागु करने की घोषणा पर बधाई दी है । उन्होंने बताया की यह योजना छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण अर्थ व्यवस्था के लिए वरदान साबित होगी खासकर यादव समाज जो की छत्तीसगढ़ का मुख्य गौ पालक समाज है। गाय के गोबर ख़रीद कर ग्रामीण इलाकों में बिजली और गोबर गैस प्लांट से खाना बनाने से पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी। इससे रोज गार के अवसर मिलेंगे।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गांव गरीब और किसान की समस्या को बेहतर ढंग से महसूस करते है और इसीलिए किसानों की धान खरीदी से लेकर खेत खलिहान तक की उन्हें चिंता है और नरवा ,घुरवा ,बाड़ी योजना के बाद फसलों को चराई से बचाने रोका छेका योजना उसके बाद गोधन योजना लागू करने से प्रदेश के किसान ,गरीब ,मजदूर सबको इसका लाभ मिलेगा साथ ही गोबर की खरीदी से खाद व बिजली का उत्पादन होगा । श्री यादव ने कहा कि भाजपा के नेता गौमाता की रक्षा की सिर्फ बाते करते है उन्हें गायों से कोई वास्ता नही है इसके विपरीत प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गायों व अन्य पशु के संवर्धन व विकास के लिए जो कदम उठाए है उससे गौपालकों को भी लाभ होगा ।

ग्राम पीपरसत्ती कंटेनमेंट जोन घोषित

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री यशवंत कुमार ने भारत सरकार के गृह एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा छत्तीसगढ़ शासन के जारी मार्गदर्शन के परिपालन में कोरोना से संक्रमित पाए जाने पर अकलतरा तहसील के राजस्व ग्राम पीपरसत्ती के शासकीय प्राथमिक शाला भवन में बनाए गए क्वारंटीन सेंटर से 50 मीटर की परिधि तक के क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित किया है। इस सेंटर में एक व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित पाये जाने पर कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। कंटेनमेंट जोन में अति आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति तथा अपरिहार्य स्वास्थगत आपातकालीन परिस्थितियों को छोड़कर कंटेनमेंट जोन में आने-जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। कंटेनमेंट जोन के निवासी बिना अनुमति के अपने घरों से बाहर किसी भी परिस्थिति में नहीं निकलेंगे। क्षेत्र के अंतर्गत सभी दुकानें, आफिस एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान आगामी आदेश तक पूर्णतः बंद रहेंगे। वाहनों के आवागमन पर भी पूर्ण का प्रतिबंध लगाया गया है। अति आवश्यक होने पर पृथक से आदेश प्रसारित किया जाएगा। घर पहुंच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उचित दरों पर की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संबंधित क्षेत्र में स्वास्थ्य निगरानी, सैंपल की जांच आदि की व्यवस्था की जाएगी। कानून पुलिस व्यवस्था, कंटेनमेंट जोन को सील करने एवं गश्त करने के लिए आवश्यक पुलिस व्यवस्था के लिए पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वन अधिकार अधिनियम 2006, प्रभावी के क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण 30 जून से

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर श्री यशवंत कुमार के मार्गनिर्देशन मे वन अधिकार अधिनियम 2006 के क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण की तिथि निर्धारित की गई है। इस संबंध में जांजगीर व सक्ती अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व, वन विभाग के एसडीओ, अकलतरा, बलौदा, सक्ती के जनपद सीईओ और तहसीलदार को पत्र जारी कर निर्देश दिया गया है। यह प्रशिक्षण सक्ती में 30 जून बलौदा में 1 जुलाई और अकलतरा में 2 जुलाई को आयोजित होगा । निर्धारित तिथियों में प्रशिक्षण संबंधित जनपद कार्यालय के सभाकक्ष में दो पालियों में क्रमशः दोपहर 12 से 2 बजे और 2.30 से शाम 4 .30 बजे तक आयोजित किया जाएगा । प्रशिक्षण में ग्राम वन अधिकार समिति के अध्यक्ष तथा सचिव, ग्राम पंचायत सचिव, पटवारी और वन बीट गार्ड शामिल होंगे।

गोंड़ पारा में चला तोड़फोड़ अभियान

- भाजपा नेता ने पूरे परिवार के नाम मकान आबंटित कराया तो एक ने 8 लाख में बेचा भी ,अटल आवास आबंटन में गड़बड़ी की शिकायत कलेक्टर से की गई

बिलासपुर । प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में राजस्व व नगर निगम के अमले के साथ शनिचरी गोंड़ पारा में अतिक्रमण हटाने का महाअभियान शुरू कर दिया है पक्के मकान आरा मिल समेत कई दुकाने जेसीबी से तोड़ दी गई है । अतिक्रमण स्थल पर कई सम्पन्न लोगों ने कब्जा कर किराया दे रखा था तो एक भाजपा नेत्री ने एक मकान को 8 लाख रुपये में गुजरात से आये परिवार को बेच दिया था वह मकान भी तोड़ दिया गया है । प्रभावितों को अटल आवास में मकान देने की घोषणा पर मकान लेने होड़ मच गई है । एक भाजपा नेता ने भाजपा शासन काल मे तमाम तरह की सुविधा लेने के बाद भी अब अपने पूरे परिवार के नाम से अटल आवास लेने आवेदन किया और आवेदन मंजूर भी हो गया इसकी शिकायत कलेक्टर से की गई है । गोंड़ पारा में भाजपा नेताओं से सम्बन्ध रखने वाली एक महिला ने बेजा कब्जा कर बनाये मकान को गुजरात से आये एक संयक्त परिवार को 4 साल पूरक 8 लाख में बेचकर निकल गई । गुजराती परिवार ने मकान में 3 लाख रुपये और खर्च कर रहने योग्य बनाया मगर आज के अभियान में वह मकान भी तोड़ दिया गया । सदमे में गुजराती परिवार के मुखिया को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है ।

इसी तरह कलेक्टर को की गई शिकायत में बताया गया है कि गोड़पारा के रहने वाले देवरी खुर्द से परिवर्तन सन 2008 में नाग नगीन तालाब के पास बहताराई में बाम्बे आवास क्रमांक 45 गोड़पारा निवासी पुष्पलता पति नंदलाल के नाम आवास आबंटन हो चुका है जो विगत 8 वर्ष पूर्व अपने रिश्तेदार को पुष्पलता के नाम के आबंटन आवास को काबिज कर रखा है*

वर्तमान में गोड़पारा नदी किनारे से हटाए जाने वाले अवैध बेजा कब्जाधारियों को दिए जाने वाले आवास में भी अपने नाम आवास क्रमांक डी,11 शरद पिता स्व,बिहारी लाल के नाम आबंटन एवं अपने मौसी मां पुष्पलता/ पति नंदलाल के नाम पुनः आवास क्रमांक डी,10 में आबंटन तथा अपनी पत्नी श्रीमति लछ्मी/पति शरद गुप्ता के नाम आवास क्रमांक डी,11 को आबंटन करा लिया है

जबकि शरद गुप्ता कार्यालय मंत्री भारतीय जनता पार्टी बिलासपुर संगठन के प्रभारी बताते हुए एवम् वार्ड क्रमांक 30 के भा,ज,पा, के नेता और वार्ड के पार्षद के दम पर नदी किनारे गोड़पारा में मवेशियों को रख कर डेयरी का अवैध कब्जा कर अवैध संचालन करता है जबकि डेयरी संचालक के रूप में नगर निगम बिलासपुर में गोकुलधाम योजनाओ के तहत् शरद गुप्ता पिता स्व, बिहारी लाल गुप्ता गोड़पारा बिलासपुर निवासी के नाम पर गोकुलधाम घुरू में पशु पालन मवेशियों डेयरी के लिए , गोकुधाम योजनाओ के तहत् डेयरी हेतु प्लाट आबंटन है डेयरी के ऐवज में डेयरी,के लिए प्लाट आबंटन हो चुका है। बेजा कब्जा मकान के ऐवज में बांबे आवास आवंटन हो चुका है फिर भी अभीतक डेयरी के मवेशियों को गोकुलधाम में शिफ्टिंग नहीं किया है पुष्पलता , नंदलाल के नाम से बॉम्बे आवास क्रमांक 45 नाग नागिन तालाब बहतराई में सन् 2008 से आबंटन हो चुका है*

लक्ष्मी गुप्ता पति शरद गुप्ता अपने परिवार के साथ शीतला मंदिर के बाजू में नाऊपारा सुभाष नगर गोड़पारा में निवास करती है जबकि लक्ष्मी गुप्ता/पति शरद गुप्ता के नाम पर आवास क्रमांक डी,11 में आबंटन कराया जा रहा है* आबंटन आवास के सूची में ये नाम नगर निगम में दर्ज है।

ईधर अतिक्रमण हटाने से प्रभावित दुकानदारों ने भी कलेक्टर से कहा है कि हम

सात दुकानदार विगत 70 साल से शनिचरी पड़ाव स्थित शीट नंबर 30 प्लाट 82/1 में शांति पूर्वक अपना व्यवसाय करते आ रहें हैं।किसी के पास 1950 का पट्टा है तो किसी के पास 1972-73से एवं किसी के पास 82-83से पट्टा है।सातों दुकानदार बराबर नवीनीकरण हेतु आवेदन देते आ रहें हैं एवं किराया जमा कर रहें हैं।

45 छात्राओं को मुख्यमंत्री सरस्वती योजना से मिली सायकिल

- कांग्रेस पार्षद माला तिवारी एवं शाला विकास समिति अध्यक्ष लक्ष्मी सहारे के हाथों सायकल वितरण

कांकेर। मुख्यमंत्री सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत शा. कन्या उ.मा.वि. कांकेर में शनिवार को सायकल वितरण का कार्यक्रम श्रीमति माला तिवारी पार्षद लट्टीपारा कांकेर के मुख्य आतिथ्य एवं सुश्री लक्ष्मी सहारे अध्यक्ष शाला विकास समिति की अध्यक्षता मे श्री मुकेश तिवारी के वरिष्ठ अतिथि मे एवं श्रीमति सविता पोया प्राचार्य शा.कन्या उ.मा.वि. कांकेर की उपस्थिति मे आयोजित किया गया । सर्वप्रथम अतिथियो का स्वागत अभिनंदन पुष्पगुच्छ से प्राचार्य एवं बच्चो के अभिभावको के द्वारा किया गया । अतिथिद् के द्वारा उद्बोधन मे कहा गया कि छात्राओ को छ.ग. शासन के द्वारा मुख्यमंत्री सरस्वती सायकल योजना एक महत्वकांक्षी योजना है जिसमे बच्चो के अध्यापन कार्य हेतु शाला आने जाने की सुविधा देकर प्रेरित किया जाता है ।

उद्बोधन के पश्चात बच्चो एवं उपस्थित पालको को मुख्य अतिथि माला तिवारी पार्षद लट्टीपारा कांकेर एवं लक्ष्मी सहारे अध्यक्ष शाला विकास समिति ने सायकल की घंटी बजाकर 45 की संख्या सांकेतिक रूप से प्रदान किया गया ।

कृषकों का शत-प्रतिशत किसान क्रेडिट कार्ड बनाना सुनिश्चित करें-कलेक्टर चौहान

- जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में दिये निर्देश

कांकेर। जिला स्तरीय परामर्शदात्री की समीक्षा बैठक जिला कार्यालय के सभाकक्षा में कलेक्टर श्री के.एल. चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उन्होंने समीक्षा करते हुए कहा कि जिले के कृषकां का शतप्रतिशत किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने बैंकवार ऋण प्रकरण, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री बीमा योजना, जनधन योजना, एनआरएलएम के माध्यम से ऋण योजना की प्रगति का समीक्षा किया। उन्होंने जिले में मछली पालन एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए समितियों के सदस्यों का बैंक में 31 जुलाई तक क्रेडिट कार्ड बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। कलेक्टर श्री चौहान ने बांदे, बड़गांव, आमाबेड़ा के बैंक मैनेजरों द्वारा अपेक्षित प्रगति नहीं किये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए बैंकिग कार्य में सुधार तथा बैंक मैनेजर कोयलीबेड़ा को निर्देशित करते हुए कहा कि 07 जुलाई तक 150 नया खाता खुलवाने की हिदायत दी। उन्होंने जिले के किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिलाने के लिए 15 जुलाई तक बैंक खाता खुलवाने के लिए निर्देशित किया।

बंजा एवं बसदेई स्थित क्वारंटाईन सेंटरों को किया गया सैनिटाईज

सूरजपुर। जिले में क्वारंटाईन सेंटरों में कोरोना पॉजिटिव मरीजों के मिलने के बाद उन्हें तत्काल ईलाज हेतु अस्पताल रिफर किया जा रहा है, इसके उपरांतवहॉ रह रहे अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के निर्देषन में दमकल वाहन से संपूर्ण भवन को सैनिटाईज किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दमकल प्रभारी विकास शुक्ला के दल द्वारा कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के निर्देषन एवं अग्निषमन अधिकारी के मार्गदर्षन में एकलव्य आदर्ष विद्यालय परिसर क्वारंटाईन सेंटर बंजा सहित बसदेई स्थित क्वारंटाईन सेंटर नवोदय विद्यालय को विधिवत् सैनिटाईज किया गया।

जिले के अधिक से अधिक कृषकों को करें लाभान्वित- कलेक्टर रणबीर शर्मा

सूरजपुर। जिले के किसानों को शासन के मंषानुसार प्रत्येक किसान को लाभान्वित करने के उद्देष्य से कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा की उपस्थिति में जिले के सभी तहसीलदार, वरिष्ट कृषि विस्तार अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारियों को आज जिला पंचायत सभाकक्ष में तीन पालीयों में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के संबंध में पावरपाईट पर प्रदर्षन करके प्रषिक्षण दिया गया। प्रषिक्षण में ट्रेनर शैलेन्द्र जायसवाल ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के उद्देष्य, परिवार की परिभाषा, पात्रता का निर्धारण, पंजीयन हेतु आवष्यकदस्तावेज, योजना के लाभ, प्रारंभिक कार्य, प्रविष्टि के तरीके सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी देते हुए प्रषिक्षित किया। इसके साथ ही ईडीएम विनित साहु एवं संजय कष्यप के द्वारा प्रविष्टि की प्रक्रियाओं को ऑनलाईन प्रविष्टि लाईव डेमो देते हुए प्रषिक्षणार्थियों को समझाया गया। इस दौरान प्रषिक्षणउपरांत कलेक्टर श्री शर्मा जिले के सभी एसएडीओ, आरईओ की जानकारी लेते हुए सभी प्रषिक्षणार्थिओं को उचित प्रविष्टि करते हुए कार्य में प्रगति लाने कहा, योजना से हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए सभी अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए कलेक्टर ने बताया कि टीम भावना से ही कार्य सफल होते हैं और वास्तविक लक्ष्य पूर्ति वहीं है जिसमें सभी हितग्राही लाभान्वित हों। ज्ञात हों कि राज्य शासन के द्वारा किसानों के हित में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत पिछले वर्ष के धान फसल के रकबे में अन्य फसल लगाने पर अतिरिक्त सहायता अनुदान अधिकतम 10 हजार रूपये प्रति एकड़ की राषि किष्तों में, डीबीटी के माध्यम से बैंक खाते में भुगतान, गन्ना फसल हेतु अधिकतम 93.75 रूपये प्रति क्विंटल प्रदाय किया जा रहा है।

ऑनलाइन | सांसद मोहन मण्डावी पूर्व विधायक सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी हुए शामिल

कांकेर विधानसभा का डिजिटल जनसंवाद सम्पन्न

कांकेर। भारतीय जनता कांकेर विधानसभा की डिजिटल जनसंवाद आज भाजपा कार्यलय कमल सदन में प्रमुख वक्ता लोकसभा सांसद मोहन मण्डावी, पूर्व विधायक सुमित्रा मारकोले, भरत मटियारा व जिला महामंत्री विजय कुमार मण्डावी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम में स्वागत भाषण कार्यक्रम प्रभारी राजीव लोचन सिंह ने दिया ।

डिजिटल जनसंवाद को संबोधित करते हुए लोकसभा सांसद मोहन मण्डावी ने कहा कि देश आज विपरीत परिस्थितियों से गुजर रहा है एक तरफ जहां कोविड 19 संक्रमण से देश लड़ रहा है वही दूसरी तरफ देश की शूरवीर सेना चीन के साथ मुकाबला कर रही है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर समस्या से देश को बखूबी संभाला है । उन्होंने कहा कि अपने प्रथम कार्यकाल मे अनेक गरीब कल्याणकारी योजनाओं से देश के अंत्योदय परिवार को गरीबी से उबरने में सहायता की है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग का ख्याल रखते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का पहला कार्यकाल तो शानदार रहा है और दूसरे कार्यकाल के प्रथम वर्ष में ही उन्होंने भाजपा के घोषणा पत्र के कई वादों को पूरा कर दिया है ।

श्री मण्डावी ने कहा कि केंद्र में भाजपा की मजबूत सरकार के कारण ही आज चीन को सेना मुहतोड़ जवाब दे रही है वरना पहले के कांग्रेसी सरकारों ने चीन के सामने घुटने टेकते हुए भारत की कई किलोमीटर जमीन यू ही चीन के हाथों गंवा दी । मछुआ कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष भरत मटियारा ने वर्चुअल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष में ही राम मंदिर, तीन तलाक, नागरिक संशोधन कानून जैसे वर्षो से लटके हुए मामलों को हल कर दिया है । कई अनुपयोगी कानूनों को खत्म किया गया है ।

प्रदेश सरकार की नाकामी के बारे में बोलते हुए भरत मटियारा ने कहा कि 15 साल बाद सत्ता में6 आई कांग्रेस हर क्षेत्र में विफल हो रही है । प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है, रेत माफिया जिला पंचायत सदस्य को बांध कर पीट रहे है और खनिज विभाग सो रहा है ।

न्यूज गैलरी

किसानों को कोरोना सम्मान पत्र देकर किया सम्मानित

जांजगीर/पामगढ़। अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन राउत मंत्री महाराष्ट्र सरकार के निर्देशानुसार व राष्ट्रीय समन्वयक अनुसूचित जाति विभाग महिला प्रकोष्ठ रितु चौधरी के मार्गदर्शन में श्रीमती शेषराज हरबंश प्रदेशाध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग महिला प्रकोष्ठ के द्वारा पामगढ़ में कोविड -19 कोरोना के इस संकट कॉल में किसानों को कोरोना योद्धा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।राहुल गांधी के जन्मदिन पर पौधरोपण व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पामगढ़ में मरीजो को फल और बिस्किट वितरण किया गया।इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष हरप्रसाद साहू,मनोज खरे,श्री बर्मन जी सहित बड़ी संख्या में किसान भाई व कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आमनदुला के नाली निर्माण कार्य के लिए जांच टीम गठित

मालखरौदा। जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत आमनदुला में मनरेगा मजदूरी के तहत नाली निर्माण कार्य मंडी प्रांगण से प्राथमिक स्कूल तक बनाया जा रहा है जिसमें ग्रामीणो का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ताहिन मटेरियल का उपयोग किया जा रहा है एवं शासन के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। साथ ही कुछ लोगो का यह भी कहना है की काम को हम लोग कमिशन देके लाये है तो हम लोगो के खिलाफ में मत छापो और साथ कुछ लोगो के द्वारा समाचार प्रकाशन करने पर धमकीयां तक भी दे दिया जाता है। इन सभी मामलों को लेकर कई समाचार पत्रों और न्यूज़ पोर्टलो मे प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था जिसको लेकर मालखरौदा जनपद पंचायत द्वारा जांच टीम गठित किया गया है। जांच टीम में ओ पी मरावी(उप अभियंता) , श्वेता सन्यासी (तकनीकी सहायक) को कार्यभार सौपा गया जांच के लिए टीम गठन एवं जांच आदेश 22 जून 2020 को आदेशित किया गया है। सात दिन में जांच प्रतिवेदन को जनपद कार्यालय मे सौपने को कहा गया है।

प्रभारी मंत्री की समीक्षा बैठक स्थगित

जांजगीर-चांपा । जांजगीर-चांपा जिले के प्रभारी और राज्य के पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, वाणिज्यकर (जी एस टी) मंत्री टी एस सिंहदेव की 28 जून को प्रस्तावित बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है।

आरक्षित वर्ग के अधिकारी व कर्मचारीयों की पदोन्नति पर लगी रोक के संबंध में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष मरकाम को सौंपा ज्ञापन

जांजगीर-चाम्पा। विगत 23 जून को प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष मोहन मरकाम के बिलासपुर प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ भवन में महिला कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष(अनुसूचित जाति विभाग) श्रीमती शेषराज हरबंश,प्रेमचन्द जायसी उपाध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस व सोशल जस्टिस एंड लीगल फाउंडेशन सदस्य ने मुलाकात कर छत्तीसगढ़ के आरक्षित वर्ग के अधिकारी व कर्मचारीयो के पदोन्नति में आरक्षण रोस्टर बिंदु पर लगी रोक के संबंध में विस्तृत चर्चा किया गया और उन्हें ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया। प्रदेश में किस प्रकार से आरक्षित वर्ग के अधिकारी व कर्मचारीगण मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित हो रहे है। शासन प्रशासन द्वारा उच्च न्यायालय के 6 फरवरी 2020 के आदेश के बावजूद अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति के अधिकारी कर्मचारियो को पदोन्नति में पर्याप्त स्थान वरिष्ठता के बावजूद नही मिल पा रहा है।प्रदेशाध्यक्ष मोहन मरकाम ने गंभीरता से सोशल जस्टिस एंड लीगल फाउंडेशन(सेल) के सदस्यों के बातों को ध्यान से सुना।

लौह नगरी किरंदुल में आवारा कुत्तों का आतंक

- आये दिन आवारा कुत्तों के द्वारा लोगो को काटने की खबर मिल रही है
- अब देखना यह होगा की इस गंभीर मामले को लेकर नगर प्रशासन किया तत्काल एक्शन लेती हैं

नवप्रदेश संवाददाता

किरंदुल । लौह नगरी किरंदुल में इन दिनों आवारा कुत्तो के द्वारा काफी आतंक मचाया जा रहा है । दो माह पूर्व में आवारा कुत्तों की झुण्ड ने कई लोगो को आक्रमण कर चोटिल कर दिया था और आज वर्तमान में भी इनकी आतंक पूरी लौह नगर में फैली हुई है जो नगर के लिये एक गंभीर समस्या बनी हुई है।

ये आवारा कुत्ते छोटे बच्चे से लेकर बुजुर्गो तक को नहीं छोड़ रहे है कुत्तो का किसी न किसी को काटने वाली खबर इन दिनों रोज मिल रही हैं । बीती हुई रविवार को एक बुजुर्ग और छोटा बच्चा को काटकर काफी गंभीर रूप से घायल कर दिया ऐसे आये दिन लोग आवारा कुत्तों की चपेट में आ रहे है लेकिन इस गंभीर मामले की सुद लेने प्रशासन की नाकामी देखने को मिल रही है इस ओर कई बार नगर प्रशासन को अवगत कराई गई है लेकिन उनके द्वारा कोई त्वरित एक्शन लेना नहीं देखा जा रहा है ।

एक ओर लोग कोरोना वायरस से लड़ रहे है तो दूसरी ओर आवारा कुत्तों की आतंक को झेल रहे है । इससे पूर्व में भी इस गंभीर विषय में प्रशासन को अवगत कराया गया लेकिन कोई ख़ासा पहल वर्तमान में देखने को नहीं मिल रहा हैं। इस गंभीर विषय में मुख्य नगर पालिका अधिकारी आरपी नेताम का कहना है कि जिला प्रशासन की गाईड लाईन में उचित मार्गदर्शन लेकर हमारे द्वारा ठोस कदम उठाई जायेगी ।

टीचर्स एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन

मुंगेली। नियमितीकरण एवं अंशदाई पेंशन योजना के तहत पेंशन खातों में शेष राशि जमा करने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने परियोजना अधिकारी जिला पंचायत मुंगेली से मुलाकात की एवं अपनी बात रखी। इस संबंध में जानकारी दी गयी कि नियमितीकरण की प्रक्रिया चल रही है। तथा अंशदाई पेंशन खातों में शिक्षक एल.बी. एवं पंचायत संवर्ग के कर्मचारियों की राशि जल्द ही जमा हो जावेगी।

रासायनिक खाद बेचने वाले दुकानदारों पर बचेली एसडीएम ने कसा शिकंजा, मैलेवाड़ा और हल्बारास में हुई कार्यवाही

नवप्रदेश संवाददाता

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिला जैविक जिला कृषि के क्षेत्र में बनाया गया है, जहाँ किसानों को जैविक खाद से कृषि उत्पाद को बढ़ावा भी दिया जा रहा है। लेकिन कुआकोंडा इलाके के मैलेवाड़ा और हल्बारास में यूरिया खाद दुकानों से बेचने की शिकायत बचेली एसडीएम को मिली थी।

इसी मुखबिर सूचना पर एसडीएम प्रकाश भारद्वाज, तहसीलदार, और कृषि विभाग ने टीम बनाकर दबिश दी। मैलेवाड़ा के इब्राहिम किराना स्टोर पर 20 नग (सरदार नीम कोटेड यूरिया) की खाली बोरिया मौके से मिली. इस दौरान दुकानदार ने मौखिक रूप से स्वीकारा की 15 दिन पूर्व में 25 बोरिया खाद बेचने के लिए अपनी पिकअप वाहन से लाया था। जिससे 5 बोरिया खाद मैलेवाड़ा के ही गौरीलाल कश्यप को दिया था। मौके पर किसान को बुलाकर पूछताछ किया गया और 45 किलो खाद जब्त कर ली गयी। शेष रासायनिक उर्वरकखाद किसान ने खेत मे डाल दिया। जिस पर खरीदी में उपयोग हुए वाहन को जप्त कर प्रकरण बनाया गया।

इसी तरह से हल्बारास में नवल नाग नाम के दुकानदार की दुकान में भी 10 किलो रासायनिक खाद दिखी जिसे भी जप्त किया गया। जहाँ घरेलू उपयोग के लिए खाद लाया गया बताया है। अचानक छापामार कार्यवाही में कुआकोंडा थाने से बल लेकर प्रशासनिक अमला पहुँचा था।

जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम ने नैमेड़ में बिहान बाजार का किया शुभारंभ

बीजापुर। जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुडियम ने आज बीजापुर ब्लाक के नैमेड़ में बिहान बाजार का शुभारंभ किया और इसे संचालित करने वाले जगतमाता महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं का उत्साहवर्धन किया।उन्होंने महिला समूह की महिलाओं को सभी आवश्यक सामग्रियों के साथ ही समूह के द्वारा उत्पादित सामानों का विक्रय करने की समझाईश दी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत वित्त पोषित इस बिहान बाजार से महिला स्व-सहायता समूह के महिलाओं को स्थायी रोजगार मिलेगा। नैमेड़ में जगतमाता बिहान बाजार शुभारंभ अवसर पर क्षेत्र के पंचायत पदाधिकारी और मैदानी अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

कलेक्टर अग्रवाल ने भोपालपटनम में तहसील एवं जनपद पंचायत कार्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

बीजापुर। कलेक्टर रितेश अग्रवाल ने जिले के भोपालपटनम ब्लाक अंतर्गत अर्जुनल्ली में उदवहन सिंचाई योजना का जायजा लिया और किसानों तथा ग्रामीणों से रूबरू होकर चर्चा की। उन्होंने किसानों की मांग पर उद्वहन सिंचाई योजना का मरम्मत करने सहित नहर का सुधार किये जाने अधिकारियों को निर्देशित किया। जिससे किसान रबी सीजन में दूसरी फसल की सिंचाई कर सकेंगे। कलेक्टर अग्रवाल ने भोपालपटनम में समूह जल प्रदाय योजना के बारे में जानकारी ली और इस महत्वपूर्ण जल प्रदाय योजना को शीघ्र पूरा करने अधिकारियों को निर्देश दिये। इस जल प्रदाय योजना से भोपालपटनम नगरीय क्षेत्र सहित गुन्लापेटा, गोलागुडा, तिमेड़, चंदनगिरी, उल्लूर एवं रुद्रारम गांवों को पेयजल की आपूर्ति की जायेगी। कलेक्टर अग्रवाल ने भोपालपटनम बाजार स्थल पर बिहान बाजार को दो दिवस के भीतर शुरू किये जाने कहा। उन्होंने इस हेतु बिहान समूहों की महिलाओं को उत्साहवर्धन करते कहा कि बिहान बाजार में दैनिक जरूरत के सामग्रियों सहित अपने उत्पादों का विक्रय कर आय संवृद्धि करेंगे। उन्होंने भोपालपटनम तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान राजस्व प्रकरणों के निराकरण स्थिति की जानकारी ली।

मेघावी छात्रों का लगातार उत्सावर्धन

मुंगेली। जिले का गौरव पुरे प्रदेश में बढ़ाने वाले मेघावी छात्रों के सम्मान में लगातार सभी लोगो के द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन किया जा रहा है। गौरतलब हो कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजि 10 वी और 12 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया था, जिसमें प्रदेश में सर्वाधिक अंको के साथ मुंगेली जिले ने बाजी मारी है, 10वी में जहां पुरे प्रदेश में शत प्रतिशत अंको के प्रज्ञा कश्यप ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया वही 12 की परीक्षा में टिकेश वैष्णव ने बाजी मारी है।

सामन्य परिस्थितियों असाधारण क्षमता का परिचय देने वाले दोनो बच्चों का बीते कल पुलिस अधीक्षक कार्यालय मुंगेली में पुलिस अधीक्षक मुंगेली डी. श्रवण सर द्वारा बुके भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उन्हें उनकी इस उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुलिस परिवार मुंगेली द्वारा शुभकामनाएं दी गई । साथ ही उनका कैरियर मार्गदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर डी. श्रवण पुलिस अधीक्षक मुंगेली, दिव्यांग पटेल पुलिस अधीक्षक बेमेतरा, के.पी. चंदेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुंगेली, सुश्री नवनीत कौर छाबड़ा, उपुअ(मुख्यालय) मुंगेली, तेजराम पटेल अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मुंगेली, छात्रों के परिवार के लोग एवं अन्य कार्यालयीन स्टॉफ उपस्थित रहे।

स्थाई पट्टो को भूमि स्वामी हक में परिवर्तित करने का प्रावधान

- 7500 वर्गफिट तक का भूमि आबंटन हेतु गाईड लाईन के तहत 102 प्रतिशत राशि भुगतान करने पर भू स्वामी हक

मुंगेली। छ.ग.शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग,मंत्रालय महानदी भवन, अटल नगर रायपुर के द्वारा नगरीय क्षेत्रों में प्रदत्त शासकीय स्थाई पट्टो को भूमि स्वामी हक में परिवर्तन करने के संबंध में प्रावधान किये गये है। इस संबंध में अपर कलेक्टर राजेश नशीने ने बताया कि गैर रियायती/रियायत स्थाई नजूल पट्टे को भूमि स्वामी हक में परिवर्तन करने हेतु गाईड लाईन के दो प्रतिशत राशि भुगतान करने पर भूमि स्वामी अधिकार प्राप्त कर सकते है। इसी प्रकार 7500 वर्गफिट तक का भूमि आबंटन हेतु गाईड लाईन के 102 प्रतिशत राशि भुगतान करने पर शासन से भूमि स्वामी हक में प्राप्त कर सकते है। इसी तरह अतिक्रमित भूमि का व्यवस्थापन 152 प्रतिशत भुगतान करने पर नगरीय क्षेत्र में स्थित अतिक्रमित शासकीय भूमि के व्यवस्थापन के एवज राज्य शासन से भूमिस्वामी हक में प्राप्त कर सकते है। इस संबंध में नगर पालिका मुंगेली के विभिन्न वार्डो में निवासरत नजूल पट्टा धारको/अतिक्रमित भूमि की जानकारी के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर निर्धारित तिथि मे होगी। निर्धारित तिथि के अनुसार 27 जून वार्ड क्रमांक 07 तथा 11 क्रमशः राजेन्द्र वार्ड, जवाहर वार्ड के लिए शिविर स्थल कार्यालय नगर पालिका मुंगेली को आयोजन किया जाएगा।

हॉटस्पाट जोन अब कोरोना मुक्त होने को अग्रसर

मुंगेली। नोवेल कोरोना के संक्रमण के संबंध मे कुछ समय पहले तक हाट स्पाट बन चुके जिले के लिए अब राहत की आस जगी है , जहां कुछ समय पहले प्रतिदिन कोरोना एक्टिव मरीजो की जानकारी निकल रही थी जिसके चलते शासन स्तर पर भी चिंता की लकीरे साफ दिखाई दे रही थी। ऐसे समय मे जिला प्रशासन की पहल पर आम नागरिको और क्वॉरंटाइन सेंटरो मे अस्थाई रूप से ठहरे हुए प्रवासी श्रमिको ने केंद्र शासन और राज्य सरकार तथा स्वास्थ्य विभाग के गाइड लाइन का पालन करते हुए अपने सुझ-बूझ का परिचय दिया। जिसके फलस्वरूप चिंहाकित 121 कोरोना पॉजीटिव मरीजो मे से अब तक 110 मरीज स्वस्थ होकर सकुशल अपने घर वापस जा चुके है। शेष 11 मरीजो का भी सफल उपचार किया जा रहा है। ये मरीज भी शीघ्र स्वस्थ होकर सकुशल अपने घर वापस पहुँचेंगे।

वर्तमान मे वैश्विक स्तर पर फैले कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम हेतु युद्ध स्तर पर प्रयास किये जा रहे है। जिले मे संदिग्ध मरीजो का सेम्पल जांच हेतु प्रेषित किया जा रहा है। जिसके फलस्वरूप जिले के विकास खण्ड मुंगेली के ग्राम रामपुर स्थित क्वॉरंटाइन सेंटर मे अस्थाई रूप से ठहरे व्यक्ति मे प्रथम कोरोना पॉजीटिव की पहचान की गई थी। इसके बाद कोरना पॉजीटिव मरीजो की संख्या मे लगातार बढ़ोत्तरी होती गई और 22 जून को अंतिम दो कोरोना पॉजीटिव मरीज की पेहचान की गई । इसे मिलाकर जिले मे 121 पॉजीटिव मरीज पाये गये। अखिल भारतीय आयुविज्ञान संस्थान रायपुर मे बेहतर ईलाज के बाद एक मरीज स्वस्थ होकर30 मई को वापस आएं। इसके बाद स्वस्थ होने का क्रम लगातार जारी है। अब तक कोरोना पॉजीटिव के 111 मरीज स्वस्थ हो गये है। शेष 11 मरीजो का भी सफल उपचार किया जा रहा है। ये मरीज भी शीघ्र स्वस्थ होकर सकुशल अपने घर पहुँचेंगे।

इसी प्रकार देश के अंदर दूसरे प्रदेश, दूसरे जिले से पहुँचे प्रवासी मजदूरो और अन्य व्यक्तियो की संख्या अब तक 37 हजार 279 है। 37 हजार 179 व्यक्तियो को क्वॉरंटाइन किया गया। क्वॉरंटाइन व्यक्तियो के लिए विभिन्न स्थानो पर 279 क्वॉरंटाइन सेंटर बनाया गया है। क्वॉरंटाइन सेंटरो से अब तक 34 हजार 179 व्यक्तियो को सकुशल उनके घर भेजा जा चुका है।

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक संपन्न

बीजापुर। जिले के सर्वांगीण विकास सहित शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं-कार्यक्रमों से आम जनता को लाभान्वित करने के लिए सभी पंचायत पदाधिकारी और विभागीय अधिकारी टीम भावना के साथ सक्रिय सहभागिता निभायें। इस दिशा में ग्रामीण ईलाकों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सहित आम लोगों की समस्या-शिकायतों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया जाये। यह बात विधायक एवं उपाध्यक्ष बस्तर विकास प्राधिकरण विक्रम मंडावी ने जिला पंचायत बीजापुर की सामान्य सभा की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा। विधायक एवं उपाध्यक्ष बस्तर विकास प्राधिकरण विक्रम मंडावी ने जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजनान्तर्गत उपलब्धि हासिल करने बधाई दी और कहा कि शासन की योजनाओं को धरातल पर कारगर ढंग से क्रियान्वयन कर जरूरतमंद लोगों को लाभान्वित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस दिशा में शासन की जनहितकारी योजनाओं कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें और आम लोगों को जानकारी देकर लाभान्वित होने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने वर्तमान में वैश्विक महामारी कोविड - 19 के संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव के लिए पूरी सतर्कता बरतने पर बल देते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग इस ओर बेहतर काम कर रही है।

दौरा — डेयरी विकास, रेशम केन्द्र, पुल निर्माण, क्वारंटाईन सेंटर एवं गौठान का किया निरीक्षण

कलेक्टर मीणा पहुंचे बंगाली और पानी, बिजली, खेल मैदान की समस्याओं से हुए रूबरू

कोण्डागांव। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने जिले के ग्राम मसोरा, लंजोड़ा, चुरेगांव, उरन्दाबेड़ा, बंगोली में अपने मैराथन दौरे पर पहुंचे। इस दौरे में सर्वप्रथम मसोरा पहुंचे जहां उन्होंने गौधन विकास के अंतर्गत हितग्राही के घर जाकर गौशाला का निरीक्षण किया जहां उन्होंने गौपालक से बात भी की साथ ही क्षेत्र के ग्रामीणों से रुबरु हुए। जहां ग्रामीणों ने उन्हें पानी, बिजली, खेल के मैदान एवं सड़क निर्माण आदि से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया। मसोरा में ही स्थित रेशम विकास केन्द्र में पहुंच कलेक्टर ने रेशम विकास से जुड़ी योजनाओं एवं कोसा विकास की प्रक्रिया एवं स्टॉप डेम के निर्माण को देखा। इसके पश्चात वह लंजोड़ा स्थित एक निजी कृषक के मत्स्य पालन हेतु निर्मित तालाब का अवलोकन करने पहुंचे जहां कृषक मूलजुग हलदर ने कलेक्टर को अपने डेढ़

एकड़ में फैले तालाब को दिखाया। आलोर पहुंचकर कलेक्टर ने स्थानीय ग्रामीण के निवास पर क्रेडा द्वारा निर्मित बायो गैस संयंत्र के संबंध में क्षेत्रवासियों से जानकारी ली।

उरन्दाबेड़ा में पुल निर्माण एवं क्वारंटाईन सेंटर का किया निरीक्षण: अपने प्रवास में कलेक्टर जिले के सुदूर अंचल में बसे उरन्दाबेड़ा के समीप बारदा नदी पर निर्माणाधीन पुल एवं प्रवासी मजदूरों के लिए बनाये गए क्वारंटाईन सेंटर का जायजा लिया। जहां कलेक्टर से स्थानीय ग्रामीणों ने मुलाकात कर उप स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टरो की कमी एवं बिजली की समस्या से अवगत कराया। इसके उपरांत बंगोली स्थित गौठान पहुंचे जहां उन्होंने नारियल के पौधे का रोपण किया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत डी एन कश्यप, उप संचालक पशुधन एल.एन.सिंह, अनुविभागीय अधिकारी कृषि उमेश देवांगन, सहायक संचालक उद्यानिकी जे.एल.दर्रो, कार्यपालन अभियंता क्रेडा विजय ध्रुव, एसडीओ सचिन मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चुरेगांव स्थित दुग्ध संग्रहण समिति के सदस्यों से की चर्चा

कलेक्टर मीणा ने चुरेगांव स्थित दुग्ध संग्रहण सह प्रशीतन केन्द्र में पहुंचकर दुग्ध संग्रहण समिति के सदस्यों के साथ केन्द्र का मुआयना किया। जहां उन्होंने समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों से दुग्ध संग्रहण में आ रही समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने मूल्य बढ़ाने एवं समिति में पारदर्शिता के संबंध में समस्याएँ बताई। इसके पश्चात कलेक्टर ने कृषि विज्ञान केन्द्र के लिए प्रस्तावित स्थान का भी जायजा लिया।

बैलगाड़ी पर स्कूटी रखकर बढ़ते पेट्रोल-डीजल के दाम के खिलाफ प्रदर्शन

खरोरा। 26 जून 2020 को धरसींवा विधानसभा युवा कांग्रेस के तत्वावधान में प्रदेश अध्यक्ष श्री पूर्णचन्द्र कोको पाढ़ी जी के निर्देशानुसार धरसींवा विधायक आदरणीया श्रीमती अनीता योगेंद्र शर्मा जी एवं युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव रविन्दर बबलू भाटिया के मार्गदर्शन में विधानसभा महासचिव श्री खुबी डहरिया जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल के मूल्य वृद्धि कर इस वैश्विक महामारी कोरोना से उपजे संकटकाल में आम जनता को राहत पहुंचाने के बजाए आमजनों के जेबों पर डाका डालने और लोगों को अधिक संकट में डालने का काम किया है जिसके विरोध में युवा कांग्रेस परिवार द्वारा खरोरा में सोशल एवं फिजिकल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करते हुए सभी युवा साथियों द्वारा मास्क पहनकर स्कूटी को बैलगाड़ी में लादकर पूरे नगर का युवा साथियों द्वारा नारेबाजी करते हुए एकदिवसीय शांतिपूर्ण सांकेतिक प्रदर्शन कर केंद्र की भाजपा सरकार को बढ़ती महंगाई के लिए चेताया गया और कहा गया कि अगर जल्द ही इस बढ़ती महंगाई को काबू करके आम जनता को राहत नहीं पहुचाया गया तो युवा कांग्रेस पूरे देश में आम जनता की लड़ाई लेने के लिए उग्र आंदोलन करने को बाध्य रहेगी ।

करंट लगने से एक बुजुर्ग की मौत

खरोरा। खरोरा समीप्रसत ग्राम बंगोली में दिनांक 25जून को मृतक लालाराम यादव पिता स्व जगदीश यादव अपने खपरैल वाले घर पर पालीथिन लगा रहा था । उसके घर के ऊपर से 11 के बी वायर गुजरा हुआ है कार्य करने के दौरान अचानक विद्युत करंट लगने से युवक की मौत हो गई । पुलिस के द्वारा पंचनामा किया गया । गौर करने वाली बात यह है कि मृतक द्वारा कई बार तार हटाने का विद्युत विभाग को आवेदन दिया गया था पर विद्युत विभाग द्वारा उसे हटाना जरूरी नही समझा गया ।विद्युत विभाग की लापरवाही का अंजाम उस निर्दोष को भुगतना पड़ेगा ।

आवेदन मेरे कार्यकाल में नही आया था और मेरी जानकारी के अनुसार उस आवेदन पर कार्यवाही होने के बाद सनेसश होने के बाद आवेदनकर्ता को डिमांड राशि जमा करनी रहती है उस आवेदनकर्ता ने राशि जमा नही की होगी इसलिए वहाँ से वायर नही हटा ।

के के गुप्ता, जूनियर इंजीनियर सारागांव ।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

खरोरा। शराब दुकान हिरमी के सामने खतरनाक मोड़ पर सायकल सवार डिगेश पटेल कुथरौद निवासी ट्रेक्टर के चपेट में आने पर गिर गया जिससे उसकी रीड की हड्डी में चोट लगने से नारायणा हास्पिटल में आपरेशन किया गया है आपरेशन उपरांत दोनों पैर काम नहीं कर रहे है विदित हो की उक्त मार्ग पूर्व में बहुत चौड़ा था जिसे अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र कंपनी प्रबन्धन द्वारा अपना जमीन बताकर बाऊड्री वाल खड़ाकर कब्ज़ा कर लिया है इसके पूर्व भी कंपनी प्रबन्धन द्वारा उक्त जगह को घेरने का प्रयास किया गया था जिसे कुथरौद के तत्कालीन सरपंच मोहन लाल वर्मा द्वारा निर्माण कार्य (बाऊड्री वाल) करने से रोका गया था महोदय अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र कंपनी प्रबन्धन द्वारा उधोग विभाग की जमींन को अपना बताकर जगह जगह कब्ज़ा किया जा रहा है जिससे ग्रामीणों में रोष है वही पीड़ित परिवार डिगेश पटेल को जिस एम्बुलेश से रायपुर ले गया था उसकी स्तिथि स्पस्ट है कमर बेल्ट (सिट बेल्ट) की जगह कपडे से बांध कर ले जाना पड़ा महोदय इस दुर्घटना में वास्तविक जिम्मेदार अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र कंपनी प्रबन्धन है जिसके चलते मार्ग सकरा हो गया है जहा पर आये दिन दुर्घटना होते रहता है

ग्राम मुरा में चबूतरा निर्माण का भूमि पूजन

खरोरा। ग्राम पंचायत मुरा में चबूतरा निर्माण का भूमि पूजन किया गया। शासन के तहत चबूतरा निर्माण का स्वीकृति राशि मे भूमि पूजन किया गया,वही सोसियल डिस्टेंसिंग का पालन भी किया गया,जहा सभी लोग नॉश माक्स का भी उपयोग किया गया,जिसमे धरसींवा विधायक श्री मति अनिता योगेंद्र शर्मा और जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मति डोमेश्वरी वर्मा जी मुख्य रूप से उपस्थित होकर चबूतरा निर्माण का भूमि पूजन किया गया। ग्राम पंचायत सरपंच श्री मति नूतन ध्रुव,जनपद सदस्य टोकेंद्र गायकवाड़ जी लखेश्वर कोशले पंच गण उपस्थित होकर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

पत्नी के चरित्र पर शंका कर आत्महत्या के लिये उकसाने वाला आरोपी पति गिरफ्तार

भाटापारा। ग्राम मोहरा निवासी खुलेस्वरी जांगडे के द्वारा अपने ससुराल में फांसी लगाकर 10 जून को की गई आत्महत्या के मामले में मर्ग जाँच के बाद उसके पति राकेश कुमार जांगड़े निवासी मोहरा को सुहेला पुलिस ने धारा 306 के तहत गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही कर रही है। उपरोक्त सम्बन्ध में जानकारी देते हुए सुहेला प्रभारी रोशन सिंह राजपूत ने बताया की ग्राम मोहरा की नवविवाहिता खुलेस्वरी पति राकेश कुमार जांगडे उम्र 25 वर्ष की घर के परछी के छत में लगे पंखा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर इसकी जाँच पड़ताल शुरू की।मर्ग जांच में घटना स्थल निरीक्षण ,मृतिका खुलेशवरी जांगड़े के पोस्टमार्डम रिपोर्ट , मृतिका के वारिसानो के कथन, एवं स्वतंत्र साक्षीयो के कथन से मृतिका को उसके पति राकेश कुमार जांगड़े द्वारा विवाह के बाद से लगातार भरमभूत (चरित्र संदेह) शंका कर झगड़ा लड़ाई करने से परेशान प्रताड़ित तंग होकर लगातार पति के द्वारा दिए जा रहे प्रताड़ना से तंग आकर मृतिका अपने ससुराल ग्राम मोहरा के घर परछी में लगे पंखा से फांसी लगाकर आत्महत्या करना मर्ग जांच पर पाये जाने से इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार ठाकुर को दी गई और उनके द्वारा आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करने निर्देशित करने पर आरोपी राकेश कुमार जांगड़े के खिलाफधारा 306 द्धक्ष्ट पंजीबद्ध कर मृतिका के परजिनों, स्वतंत्र गवाहों के आधार पर आरोपी राकेश कुमार जांगड़े पिता स्व. पुरुषोत्तम जांगड़े उम्र 30 वर्ष ग्राम मोहरा थाना सुहेला को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही कर रही है। प्रकरण को सुलझाने में सुहेला थाना प्रभारी रोशन सिंह राजपूत , सऊनि टेकराम साहू आरक्षक मोहन राय का योगदान रहा ।*

मंडी प्रांगण की होगी मरम्मत, मिले 14 लाख, बहुत जल्द टेंडर

■ **बारिश के तत्काल बाद काम होगा चालू**

भाटापारा। मंडी प्रांगण की सूरत बदलने जा रही है। प्रबंधन के प्रस्ताव पर राज्य मंडी बोर्ड ने ना केवल सहमति दे दी है बल्कि 14 लाख रुपए की राशि भी मंजूर कर दी है। इस बार काम बारिश के बाद चालू किया जाएगा।

मानसून की पहली बारिश के बाद हुए नुकसान को इस बार मंडी प्रशासन ने बेहद गंभीरता से लिया था। बदहाल हो चुकी व्यवस्था के बीच पहले तो नीलामी की प्रक्रिया में सुधार लाते हुए शेड में इस काम की शुरुआत की। प्रांगण में जिन जगहों पर काम का दबाव सबसे ज्यादा था उनकी पहचान की गई। आवक बढ़ने पर शेड के साथ साथ प्रांगण में फिर से नीलामी चालू करवाई गई इस शर्त पर कि मंडी प्रांगण में नीलामी के बाद की सारी प्रक्रिया सबसे पहले होगी। तब कहीं जाकर व्यवस्था में सुधार हो पाया। अब मंडी प्रबंधन का पूरा ध्यान समूचे प्रांगण की फिर से अच्छी तरह मरम्मत करवाने पर था, सो प्रांगण की जांच करवाई गई। अनुमानित खर्च का हिसाब लगाया गया और प्रस्ताव बनाकर मंजूरी के लिए भेज दिया गया।मंडी प्रबंधन ने पहले ही प्रांगण की स्थिति की जानकारी भेज दी थी इसलिए प्रस्ताव को तत्काल मंजूरी मिल गई।

मिली 14 लाख की मंजूरी

11 एकड़ के भू-भाग में फैले कृषि उपज मंडी में 4 जिलों की कृषि उपज आती है। ऐसे में आवक और काम का दबाव कितना होगा इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। ऐसे में लगभग पूरे प्रांगण को फिर से नया बनाए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है लिहाजा प्रबंधन के प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए 14 लाख रुपए की राशि मंजूर कर ली गई है।

बारिश के तत्काल बाद काम

प्रांगण की मरम्मत के लिए भेजे गए प्रस्ताव पर मिली मंजूरी के बाद प्रबंधन अब टेंडर प्रक्रिया जारी करने जा रहा है। प्रयास इस बात की है कि बारिश की विदाई के तत्काल बाद मरम्मत का काम चालू कर दिया जाए ताकि सीजन के पहले यह काम पूरा हो सके और जल-जमाव जैसी समस्या से निजात मिल सके। तब तक प्रांगण के भीतरी हिस्सों की नालियों की सफाई का काम व्यापक रूप से करने की योजना है।

> प्रांगण की मरम्मत के लिए 14 लाख रुपए की राशि मंजूर कर ली गई है। बारिश के बाद इस पर काम चालू किए जाने की योजना है तब तक समय को देखते हुए काम किए जाएंगे।
>
> **- डी के सिंह,** सचिव ,कृषि उपज मंडी भाटापारा

अवैध शराब बेचने वाली फरार महिला साढे तीन माह बाद गिरफ्तार

भाटापारा। होली त्योहर के दौरान भगत सिंह वार्ड में अवैध शराब की जब्ती के बाद से पुलिस की नजरो से ओझल हो चुकी मकान मालकिन फरार महिला को शहर पुलिस ने लगभग साढे 3 माह बाद पकड़ने में सफलता हासिल की है।पुलिस उसके खिलाफआबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

उपरोक्त सम्बन्ध में जानकारी देते हुए शहर थानेदार महेश सिंह धुव ने बताया की 8 मार्च को टाउन पेट्रोलिंग पार्टी को मुखबीर सुचना मिली की भगत सिंह वार्ड के सरोजनी सोनवानी अपने घर में होली त्यौहार में बेचने के लिए अधिक मात्रा में शराब रखी है और अभी बिक्री कर रही है कि सुचना पर स्टाफ के भगत सिंह वार्ड गये कि सरोजनी सोनवानी पुलिस पार्टी को आते देख अपने घर में ताला लगाकर भाग गयी । आरोपीया के द्वारा ताला लगाकर भाग जाने से कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के निदेश पर उनके मकान के ताले को नायाब तहसीलदार सौरभ चौरसिया की उपस्थिती में खोला गया और मकान की तलासी गवाह के समक्ष लिया जिसमे आरोपिया के मकान के कमरे से एक प्लास्टिक की बाल्टी में 25 नग , प्रजि के नीचे 30 नग , लकडी के आलमारी के नीचे 26 नग , तथा कमरे में गडडे बनाकर रखे 159 पौवा देशी मशाला शराब बरामद किया था।

6 ब्लाक अपलोड करने वाली सीमा मिश्रा ने राज्य में पाया दूसरा स्थान

■ **10वी की टॉपर प्रज्ञा कश्यप को मिला विशेष स्थान**

भाटापारा। एक वैश्विक महामारी के पूरी दुनिया में फैल जाने से जहां सब कुछ थम सा गया था उसी बीच छत्तीसगढ़ शासन के की एक अनोखी पहल पढ़ाई तुन्ह र दुआर राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर के द्वारा संचालित हो रही है । जिसमें पूरे राज्य भर के विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध कराई गई है साथ ही शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन कक्षाएं लेना, शैक्षिक ऑडियो वीडियो अपलोड करना आदि कार्य भी किए जा रहे हैं।

Cgschool.in में पढ़ई तुन्हर दुआर के अंतर्गत हमारे नायकों में लगातार पूरे छत्तीसगढ़ राज्य से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का चयन हो रहा है । आज सीजी स्कूल के वेबसाइट में कक्षा दसवीं की टॉपर कुमारी प्रज्ञा कश्यप को विशेष स्थान प्राप्त हुआ है , जिन्होंने हाईस्कूल परीक्षा में 100त्न अंक हासिल कर राज्य का गौरव बढ़ाया है । प्रज्ञा ने पढ़ई तुहर दुआर की टीम के साथ हुए बातचीत में बताया कि वह किस प्रकार एक योजना बनाकर अपने अध्ययन अध्यापन की तैयारी में जुटी रही।

गांव की बेटी हूं तो गांव का विकास मेरी प्राथमिकता : सरिता ठाकुर

भाटापारा। गॉवो का विकास मेरी सबसे पहली प्राथमिकता में है मै गॉव की बेटी हूँ तो गॉव में रहने वाले मेरे भाई बहनो की तकलीफ को बहुत नजदीक से जानती हूँ, उक्त उदगार ग्राम पंचायत परसवानी मैं सीसी रोड का भूमि पूजन करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरिता सत्यनारायण ठाकुर ने दिया। श्रीमती सरिता ठाकुर ने कहा की आज जिस गली सड़क के लिए सी सी रोड निर्माण के लिए भूमि पूजन हो रहा है उसके निर्माण होते ही गॉव वालो को आने जाने में सुविधा होगी। इस दौरान ग्राम वासियों द्वारा बताया गया की बरसात में इस गली से पैदल चलना बहुत ही मुश्किल हो जाता था और विगत 15 सालों से हमारी पुरानी मांगे रही है कि इस गली को सीसी रोड बनाया जाए जो अब जाकर भूपेश बघेल के सरकार में पूरा हुआ है इससे गांव वालों के चेहरे पर मुस्कुराहट है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कोरोना के गंभीर मामलों में...

अद्यतन हुआ था। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अद्तन प्रोटोकॉल की जानकारी दे दी है ताकि इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने की तैयारी की जा सके और कोरोना संक्रमितों पर आधिकारिक रूप से इसका इस्तेमाल हो सके।

इन खूबियों के कारण...

यह दवा जरूरी दवाओं की राष्ट्रीय सूची(एनएलईएम) का हिस्सा है और आसानी से उपलब्ध है।

रेलवे के पार्सल ऑफिस...

निवासी युवक को हिरासत में लिया है. आरपीएफ थाना प्रभारी दिवांकर मिश्रा ने मामले की पुष्टि की है। उपनिरीक्षक एसके शुक्ला ने बताया कि पार्सल कोरियर गुड्स के नाम से बुक 5 बोरी मॉल नितिन कपलानी ने रायपुर से भुसावल के लिये बुक कराया था। मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने बैग चेक कर पर 10 कार्टून में 12 हजार सिगरेट पैकेट मिला। मामले में डिक्लेरेशन फार्म नहीं भरा गया था, वहीं सिगरेट के बदले कोरियर गुड्स लिखा हुआ था। रेल अधिनियम की धारा 163 के तहत कार्रवाई करते हुए चिरमिरी निवासी युवक को हिरासत में लिया गया है. मामले की जांच जारी है।

कपड़ा, कम्प्यूटर, मोबाइल, हेलमेट हुआ है जब्त

21 मार्च 2020 को सुबह जीएसटी टीम को शिकायत मिली थी कि रेलवे स्टेशन रायपुर के पार्सल ऑफिस से बिना जीएसटी के पार्सल लाया ले जाया जाता है। अचानक ही जीएसटी अधिकारी शारदा मिश्रा टीम के साथ दबिश दी थीं। जांच में दस्तावेज से पता चला कि कम्प्यूटर, मोबाईल ऐसेसिरीज, हेलमेट और कपड़ों का बंडल पार्सल दफ्तर में मिला। जांच के बाद कपड़े के बंडल के दस्तावेज प्रस्तुत होने पर उसे छोड़ा गया, लेकिन बकाया पार्सल बुकिंग के दस्तावेज सहीं नहीं मिले थे। जिन्हें मौके से जब्त कर लिया गया था।

पार्सल कार्यालय में पुराना रैकेटः पूर्व में भी माल पार्सल ठेकेदारों का एक पूरा रैकेट काम करता है। जिसका खुलासा भी हुआ और बाद में पुराने माल ठेकेदार फिर से अपने काम को अंजाम देने लगे हैं। बुकिंग कुरियर कर्मचारियों और पुराने पार्सल ठेकेदारों की शह पर जीएसटी की बड़ी चोरी का यह खेल चलता है। ऐसे कई स्टेशनों में पार्सल बुकिंग के जरिए बाहरी राज्यों से कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट, ऐसेसिरीज, कम्प्यूटर पार्ट्स, हेलमेट, कपड़ों की बुकिंग में पूरी तरह जरुरी दस्तावेजी प्रक्रियाएं नहीं होती और माल परिवहन किया जाता है।

सिब्बल ने मैप से बताया....

चीनी सेनाएं लद्दाख के कस्बे 'बुत्से' से महज 7 किलोमीटर दूर रह गई हैं। सिब्बल ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि उन्होंने चीन को लेकर सर्वदलीय बैठक में गलत बयान क्यों दिया। मोदी को सामने आना चाहिए और चीन की निंदा करते हुए उसे अपनी सीमा में जाने के लिए कहना चाहिए। मोदी को देश को संबोधित करते हुए कहना चाहिए कि किसी को भी भारतीय जमीन पर कब्जा करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

सीमाओं की रक्षा करने में...

क्या काम किया और किस तरह से आपने देश के विश्वास के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने चीन और कांग्रेस के संबंधों पर प्रश्न उठाते हुए कहा कि चीन की तरफ से राजीव गांधी फाउंडेशन को पैसा क्यों दिया गया? उन्होंने कहा मैंने कुछ दिन पहले ट्वीट करके राजीव गांधी फाउंडेशन पर प्रश्न उठाए थे, आज पी. चिदंबरम कहते हैं कि फाउंडेशन पैसे लौटा देगा।

अलग-अलग जगहों से...

के आधार पर दावा किया कि साढ़े 12 हजार साल पहले उत्तर-पश्चिम भारत में लोग खेती और शिकार करते थे। वे कबीलों में रहते थे।

न्यायालय नायब तहसीलदार (नजूल) कांकेर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. /अ-20(1)/2019-20

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश सिंह राजपूत पिता चैन सिंह राजपूत निवासी आदर्श नगर कांकेर द्वारा मोहल्ला भोईपारा कांकेर में स्थित शीट नंबर 16 डी प्लाट नं. 11 में से क्षेत्रफल 50 वर्गमीटर भूमि को कब्जा/रिक्त बताते हुए व्यावसायिक/आवासीय उपयोग करने हेतु उक्त शासकीय नजूल भूमि को व्यवस्थापन/ आबंटन के तहत भूमि स्वामी हक प्रदान करने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय आदि को कोई उजर दावा आपत्ति हो तो न्यायालयीन अवधि में इस उद्घोषणा के नगर/ मोहल्ले में चस्पा के 15 दिवस के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर सुनवाई नहीं की जावेगी।

आज दिनांक 25/06/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

सील

नायब तहसीलदार
कांकेर

कार्यालय, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास जिला-मुंगेली (छ.ग.)

// विज्ञापन //

जावक क्रमांक/पो.आ./मबावि/2020-21/4849 मुंगेली, दिनांक 23.06.2020

महिला स्व सहायता समूहों से रेडी टू ईट पूरक पोषण आहार प्रदाय करने हेतु प्रस्ताव का आमंत्रण

जिले की अधोलिखित बाल विकास परियोजना/ परियोजनाओं में आंगनबाड़ी केन्द्रों में रेडी टू ईट पूरक पोषण आहार प्रदाय हेतु सक्षम महिला स्व सहायता समूहों से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं। प्रस्ताव हेतु आवेदन पत्र इस कार्यालय से कार्यालयीन समय में दिनांक 24.06.2020 से दिनांक 08.07.2020 को अपरान्ह 04.00 बजे तक प्रस्तुत किए जा सकते हैं। कार्य से संबंधित शर्तें व विस्तृत विवरण 01 दिवस पूर्व तक कार्यालयीन समय में इस कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

क्र.	परियोजना का नाम	सेक्टर का नाम, जहां प्रदाय किया जाना है	सेक्टर में आने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों की संख्या
1	मुंगेली	बरेला	31
2	मुंगेली	जरहागांव	30
3	मुंगेली	धरमपुरा	23
4	मुंगेली	करही	27
5	मुंगेली	कोदवाबानी	20
6	मुंगेली	पंडरभट्ठा	29
7	मुंगेली	मुंगेली शहरी	23
8	मुंगेली 2	टेमरी	30
9	मुंगेली 2	सेतगंगा	26
10	मुंगेली 2	पौनी	24
11	मुंगेली 2	सुरीघाट	28
12	मुंगेली 2	चातरखार	28
13	मुंगेली 2	दाबो	27
14	लोरमी	लोरमी ग्रामीण	31
15	लोरमी	लालपुर थाना	23
16	लोरमी	लोरमी नगर पंचायत	31
17	लोरमी	सेमरसल	22
18	लोरमी	कोतरी	28
19	लोरमी	खुड़िया	29
20	पथरिया	पथरिया 01	24
21	पथरिया	पथरिया 02	25
22	पथरिया	अमोरा	26
23	पथरिया	सरगांव	26
24	पथरिया	कपुवा	27
25	पथरिया	कुकुसदा	25
26	पथरिया	जुनवानी	24
27	पथरिया	रोहराकला	25
28	पथरिया	बैतलपुर	26
29	पथरिया	भटगांव	25
30	पथरिया	सिलदहा	27
31	पथरिया	धरदेई	24

जी-81836/3

जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास
जिला मुंगेली (छ.ग.)

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय मुंगेली छ.ग.

E mail-dhmungeli@gmail.com

क्रमांक/जीवनदीप समिति/निविदा/सिविल सर्जन/2020/1505/ मुंगेली, दिनांक 24.06.2020

द्वितीय निविदा विज्ञापन प्रकाशनार्थ

जिला चिकित्सालय मुंगेली के वाहन हेतु पार्किंग व्यवस्था को सुचारू रूप से सम्पादित किए जाने हेतु 11 माह के अनुबंध के आधार पर निविदा आमंत्रित किए जा रहे हौं। पार्किंग व्यवस्था हेतु नियम/शर्तें प्राप्त करने के लिए कार्यालय - सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय मुंगेली छ.ग. में कार्यालयीन समय सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक निविदा आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं, निविदा शुल्क रुपए 1000/- जमा कर प्राप्त किए जा सकते हैं।

निविदा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 10.70.2020 समय अपरान्ह 3.00 बजे तक।
निविदा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 17.07.2020 समय अपरान्ह 3.00 बजे तक।
निविदा खोलने की तिथि 17.07.2020 समय अपरान्ह 4.00 बजे तक।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक,
जिला चिकित्सालय मुंगेली (छ.ग.)

जी-81821/2

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि :- 23.06.2020

ई-प्रोक्यूमेंट निविदा सूचना

01 निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए Log in करें http://eproc.cgstste.gov.in
02 आनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 07.07.2020
02 संबंधित संभाग- स.क्र. 1 जशपुर संभाग, स.क्र. 2 अम्बिकापुर संभाग

सरल क्र.	एन.आई.टी. क्र.	ऑन लाईन सिस्टम क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4	5
1	47 2nd Call D Class & Above	65417	बासनतला विकासखण्ड कुनकुरी जिला जशपुर में 50 सीटर प्री मेट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास भवन निर्माण कार्य का शेष कार्य।	46.03
2	48 2nd Call D Class & Above	65419	लोक निर्माण विभाग (भ/स) कैम्पस अंतर्गत 04 नग एच टाईप व 01 नग जी टाईप क्वार्टर का निर्माण कार्य।	29.93

जी-81864/5

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि :- 24.06.2020

ई-प्रोक्यूमेंट निविदा सूचना

01 निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए Log in करें http://eproc.cgstste.gov.in
02 आनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 09.07.2020
02 संबंधित संभाग- मनेन्द्रगढ़

सरल क्र.	एन.आई.टी. क्र.	ऑन लाईन सिस्टम क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4	5
1	49 2nd Call D Class & Above	65465	लोक निर्माण विभाग (भ/स) उपसंभाग मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत राज्य मार्गों, मुख्य जिला एवं राज्य मार्गों में बी.टी. पैच रिपेयर का कार्य।	60.00
2	50 2nd Call D Class & Above	65466	लोक निर्माण विभाग (भ/स) उपसंभाग जनकपुर अंतर्गत राज्य मार्गों, मुख्य जिला मार्गों एवं राज्य मार्गों में बी.टी. पैच रिपेयर का कार्य।	60.00

जी-81866/5

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

संजना ने लोगों से सुशांत की आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' देखने की अपील की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री संजना संघी ने लोगों से सुशांत सिंह राजपूत की अंतिम फिल्म 'दिल बेचारा' देखने की अपील की है। सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' से फिल्म संजना संघी डेब्यू करने वाली हैं। दिल बेचारा डिज्नी हॉटस्टार पर 24 जुलाई को रिलीज होगी। संजना ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वॉइस नोट शेयर किया है और लोगों से सुशांत की आखिरी फिल्म देखने के बारे में बात की हैं।ऑडियो शेयर करते हुए संजना ने अपने पोस्ट में लिखा, ÷आज कल, एक अलग नजरिए से सब कुछ देखने की कोशिश कर रही हूं। सोचा आप सब के साथ भी थोड़ी बात कर लूं। इस समय दर्द काफी है। और बढ़ाते नहीं है न। ये सब अकेले करना, मुश्किल काफी है। अपने आप को, इस जिद्द से, रिहा कर देते है न। इन मुश्किलों को थोड़ा आसान कर देते है ना। ब्लॉकबस्टर बनानी है तो आपके प्यार से ही बन जाएगी। हमेशा बॉक्स ऑफिस की जरूरत तो नहीं है न। स्क्रीन के साइज के बारे में नहीं सोचते हैं बल्कि उनके (सुशांत) प्यार से बनाई हुई इस आखिरी बेहतरीन फिल्म पर ध्यान देते हैं। इसे सेलिब्रेट करते हैं। और प्तदिलबेचाराऑनबिगस्क्रीनको अभी के लिए भूल जाओ। ऑडियो क्लिप में संजना ने कहा, ÷सुशांत को एक बार फिर देखने की लोगों की लालसा उन्हें छू गई है।

मनोज वाजपेयी ने मुंबई आने वाले प्रवासियों को दिया मैसेज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता मनोज वाजपेयी ने मुंबई आने वाले प्रवासियों को मैसेज दिया है। मनोज वाजपेयी की फिल्म 'भोंसले' 26 जून को सोनी लिव पर रिलीज हो गई है। मनोज वाजपेयी ने फिल्म से जुड़ी अपनी कहानी को बताते हुए इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने दूसरे राज्यों से मुंबई आने वाले प्रवासियों का दिल खोलकर स्वागत किया है। साथ ही लोगों को एक मैसेज भी दिया है। मनोज बाजपेयी ने वीडियो में बिहार से मुंबई तक के अपने सफर का जिक्र किया। मनोज वाजपेयी ने कहा ,÷मुझे इंडस्ट्री में आए हुए 26 साल हो गए हैं। आज भी मैं वो दिन याद करता हूं जब मैं पहली बार बिहार से दिल्ली और फिर दिल्ली से मुंबई आया था।

रिद्धिमा को सता रही हैं पिता ऋषि कपूर की याद

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर ऋषि कपूर ने बीते 30 अप्रैल को इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनके निधन से फिल्म इंडस्ट्री को गहरा धक्का लगा था। ऋषि कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी आज भी उन्हें बहुत याद करती हैं। वह सोशल मीडिया पर पिता के साथ अपनी फोटो शेयर करती रहती हैं। रिद्धिमा ने इंस्टा स्टोरी पर मां नीतू कपूर और पिता ऋषि के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसे बहुत पसंद किया जा रहा है। फोटो में दिख रहा है पिता ऋषि और मां नीतू बेटी नन्ही रिद्धिमा के पास खड़े हैं। इस दौरान रिद्धिमा ने अपनी आंखें बंद की हुए नजर आ रही हैं। उनका यह अंदाज काफी क्यूट लग रहा है। वहीं, नीतू और ऋषि कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुरा रहे हैं। रिद्धिमा की इस फोटो को जमकर लाइक किया जा रहा है। गौरतलब है कि रिद्धिमा पिता ऋषि कपूर के बहुत करीब थीं। दुर्भाग्यवश वह पिता के अंतिम समय में उनके पास नहीं थीं।

आमिर के निर्देशन में काम करना चाहते हैं अभिषेक

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के जूनियर बी अभिषेक बच्चन मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के निर्देशन में काम करना चाहते हैं।

वर्ष 2013 में प्रदर्शित विजय कृष्णा आचार्य निर्देशित 'धूम 3' में आमिर खान ,अभिषेक बच्चन, कैटरीना कैफऔर उदय चोपड़ा ने मुख्य भूमिका निभायी थी। अभिषेक बच्चन ने फिल्म 'धूम 3' में उनके सह-कलाकार रह चुके आमिर खान से एक विशेष अनुरोध किया है। अभिषेक का कहना है कि आने वाले समय में वह आमिर द्वारा निर्देशित होना पसंद करेंगे।

अभिषेक बच्चन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ÷धूम' 3 ने मुझे आमिर खान के साथ काम करने का एक अनोखा मौका दिया और यदि फिर से कोई मौका मिले तो मैं उनके साथ अभिनय नहीं बल्कि उनसे निर्देशित होना पसंद करूंगा। तो आमिर अगर आप यह पढ़ रहे हैं, तो कृपया मेरे इस अनुरोध पर विचार करें। अभिषेक ने 'धूम 3' में उनके साथ काम करने के अपने अनुभव को भी याद किया। अभिषेक ने कहा ,÷आमिर एक सह-कलाकार के रूप में काफी बेहतरीन हैं। वह बेहद सहायक और मिलन सार भी हैं। मैं सोच सकता हूं कि एक निर्देशक के तौर पर वह कितने अच्छे होंगे। प्रतिभाशाली होने के अलावा वह जमीन से भी जुड़े हुए हैं। सेट पर भला हम किसी भी दृश्य पर काम करें, लेकिन उनका रवैया हंसने-हंसाने वाला रहता है।÷

कंगना ने चाइनीज प्रोडक्ट्स बॉयकॉट करने की अपील की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने लोगों से चाइनीज प्रोडक्ट्स को बॉयकॉट करने की अपील की है। कंगना रनौत की टीम ने इंस्टाग्राम पर उनका वीडियो शेयर किया है जिसमें वह सभी से चाइनीज प्रोडक्ट्स को बैन करने की मांग कर रही हैं। कंगना ने कहा, ÷यदि कोई हमारे हाथ से हमारी उंगलियों को काटने की कोशिश करे तो किस तरह का कष्ट होगा आपको। वही कष्ट पहुंचाया है चाइना ने हमें लद्दाख पर अपनी लालची नजरें गड़ा कर। वहां हमारी सीमा का एक-एक इंच बचाने के लिए हमारे 20 जवान शहीद हो गए हैं। क्या ये सोचना ठीक है कि सिर्फ सेना युद्ध करती है, इसमे हमारा कोई योगदान नहीं है। क्या हम भूल गए हैं वो वक्त जब महात्मा गांधी जी ने कहा था कि यदि अंग्रेजों की रीढ़ तोड़नी है तो उनके बनाए गए हर उत्पादन का बहिष्कार करना होगा। क्या ये जरूरी नहीं कि हम भी इस युद्ध में हिस्सा लें क्योंकि लद्दाख सिर्फ एक जमीन का टुकड़ा नहीं है। भारत की अस्मिता का बड़ा हिस्सा है। कंगना ने कहा, ÷हमें चाइनीज प्रोडक्ट्स का बहिष्कार करना होगा ताकि वो यहां से कमाई हुई संपत्ति से हथियार खरीदकर हमारे सेनिकों पर हमला ना करे। हमें प्रतिज्ञा लेनी होगी कि हम चाइनीज प्रोडक्ट्स को बॉयकॉट करेंगे और इस युद्ध में हिस्सा लेकर भारत को जिताएंगे। जय हिंद'।

घर पर ब्रेक के दौरान क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देंगे हॉकी खिलाड़ी

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम के खिलाड़ियों का कहना है कि घर पर विश्राम करने के लिए उन्हें जो समय दिया गया है वे उस दौरान अपनी क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देंगे और खेल की जरुरत के मुताबिक अपनी मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए अभ्यास करेंगे।

भारत की राष्ट्रीय टीम में शामिल होने वाले संभावित खिलाड़ियों को 19 जून को एक महीने का विश्राम देने की घोषणा की गयी थी। हॉकी खिलाड़ी अपने-अपने परिवारों के समय अच्छा समय बिता रहे हैं। महिला हॉकी टीम फरवरी से ही बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के परिसर में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में थी जबकि पुरुष हॉकी टीम भी मार्च के पहले सप्ताह में बेंगलुरु पहुंची थी। महिला और पुरुष दोनों ही टीमों को एक माह के विश्राम के बाद 19 जुलाई को वापस बुलाया जायेगा ताकि वे टोक्यो ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को दोबारा शुरू कर सकें।

पुरुष हॉकी टीम के फारवर्ड रमनदीप सिंह ने कहा कि घर पर फिटनेस के लिए प्रशिक्षण शुरू करने से पहले वह कुछ दिनों तक आराम करेंगे। 27 वर्षीय रमनदीप ने कहा, ÷ लंबे समय बाद घर वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। घर पर आराम करने के साथ ही मैं अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिता रहा हूं। हमारे वैज्ञानिक सलाहकार रॉबिन एरकेल ने हमें घर पर फिटनेस प्रशिक्षण के लिए कुछ आवश्यक बातें बताई हैं। मैं अगले सप्ताह से सबसे पहले मूलभूत व्यायाम शुरू करूंगा जिसमें कम से कम उपकरणों की जरुरत होती है। मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद ने कहा कि टीम के वैज्ञानिक सलाहकार ने प्रमुख रूप से पीठ के निचले हिस्से और हैमस्ट्रिंग को ध्यान में रखकर प्रशिक्षण के लिए सुझाव दिए हैं।

20 वर्षीय विवेक ने कहा, ÷ हमारे लिए घर पर रहने के दौरान भी अपनी फिटनेस पर विशेष ध्यान काफी महत्वपूर्ण है। रॉबिन ने प्रमुख रूप से पीठ के निचले हिस्से और हैमस्ट्रिंग को ध्यान में रखकर प्रशिक्षण के लिए सुझाव दिए हैं। यह हॉकी के लिए काफी अहम होते हैं। फिटनेस सारणी से हमारे शरीर के महत्वपूर्ण हिस्सों को स्वस्थ और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

पीएसएल के शेष मैचों को वर्ष के अंत में कराना चाहता है पीसीबी

इस्लामाबाद (वार्ता)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण प्रभावित हुई पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के शेष मैचों को इस वर्ष के अंत में आयोजित करने की योजना बना रहा है।

पीसीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की शुक्रवार को टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिये हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। इस बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण फैसले भी लिए गए। इसके अलावा पीसीबी की योजना है कि 2021 में फरवरी-मार्च में आयोजित होने वाले पीएसएल के पांचवें संस्करण के लिए पेशावर में एक वेन्यू बनाया जाये। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में पीएसएल के लिए एक अलग विभाग का गठन करने की भी घोषणा की गयी। इस विभाग की अध्यक्षता पीएसएल के अधिकारी शोएब नवीद करेंगे। क्रिकेट में भ्रष्टाचार को अपराध घोषित करने और कानून बनाने के विषय को लेकर पीसीबी के अध्यक्ष एहसान मनी ने प्रधानमंत्री एवं पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इमरान खान से मुलाकात कर इस पर चर्चा की। पीसीबी अध्यक्ष ने इमरान को कानून के मसौदे वाला एक प्रस्ताव भी सौंपा।

पूर्व विम्बलडन चैंपियन इवानिसेविच भी कोरोना से संक्रमित हुए

जागरेब (वार्ता)। पूर्व विम्बलडन चैंपियन और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच के कोच गोरान इवानिसेविच भी कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। इवानिसेविच ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने कहा, ÷दुर्भाग्य से पिछले 10 दिनों में दो नेगेटिव टेस्ट के बाद मैंने पाया गया है कि मेरा टेस्ट पॉजिटिव आया है। हालांकि मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं और मेरे अंदर कोई लक्षण नहीं हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कहा, ÷मैं उन सभी को सूचित करना चाहता हूं जो मेरे संपर्क में थे कि मेरा टेस्ट पॉजिटिव आया है और वे अपना तथा अपने नजदीकी लोगों का अतिरिक्त ध्यान रखें। मैं आइसोलेशन में रहना जारी रखूंगा जो मैं कर रहा हूं। जो कोई भी संक्रमित हुए हों मैं उनके जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। इवानिसेविच पिछले सप्ताह एड्रिया टूर के क्रोएशिया के तटीय शहर जदर में हुए दूसरे चरण में मौजूद थे। इस टूर में जोकोविच के अलावा बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव, क्रोएशिया के बोर्ना कोरिच और सर्बिया के विक्टर ट्रायकी कोरोना से संक्रमित पाए गए थे।

डेविस कप और फेड कप फाइनल्स 2021 तक टला

लंदन (वार्ता)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण टेनिस के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट डेविस कप और फेड कप फाइनल्स को अगले वर्ष 2021 तक टाल दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) ने शुक्रवार को यह घोषणा की। आईटीएफके मुताबिक इन दोनों टूर्नामेंटों को एक वर्ष के लिए टालने का फैसला किया गया है और अब यह टूर्नामेंट 2021 में अपनी तय तारीखों पर ही आयोजित किए जायेंगे। आईटीएफ ने कहा कि डेविस कप मैड्रिड में ही रहेगा और फाइनल्स 2021 में 22 नवंबर को शुरू होगा जबकि फेड कप बुडापेस्ट में ही 13-18 अप्रैल के बीच होगा। इस वर्ष टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमें अपने स्थान पर बरकरार रहेंगी और 2021 में टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

समरसेट ने एंडरसन का अनुबंध रद्द किया

लंदन (वार्ता)। कोरी एंडरसन को इस वर्ष के टी-20 ब्लास्ट के लिए अनुबंध रद्द कर दिया है। समरसेट ने शुक्रवार को यह घोषणा की। टांटन स्थित क्लब ने एंडरसन को इस वर्ष के शुरू में अनुबंधित किया था लेकिन कोरोना के कारण सत्र में विलम्ब होने के बाद काउंटी टीम ने एंडरसन का अनुबंध रद्द कर दिया। इंग्लैंड में घरेलू क्रिकेट को एक अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

राहुल भाई की सलाह ने मेरी जिंदगी को बदला: चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली (वार्ता)। जुझारू भारतीय टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि क्रिकेट को निजी जिंदगी से अलग रखने के महत्व के बारे में सलाह देने के लिए वह पूर्व दिग्गज क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के हमेशा आभारी रहेंगे जिसने उनकी जिंदगी को बदल दिया।

पुजारा ने कहा कि द्रविड़ ने उन्हें क्रिकेट के अलावा निजी जिंदगी पर ध्यान देने की जो सलाह दी थी वह उनके लिए काफी अहम साबित हुई। पुजारा ने क्रिकइंफो को दिए साक्षात्कार में द्रविड़ की प्रशंसा करते हुए कहा, ÷उन्होंने क्रिकेट के बाहर की जिंदगी के महत्व को समझने में मेरी काफी मदद की। मेरा भी ऐसा मानना था कि क्रिकेटर को अपनी व्यक्तिगत तथा पेशेवर जिंदगी को अलग-अलग रखना चाहिए लेकिन मैंने जब उनसे बात की तो मेरा विश्वास और मजबूत हुआ। उनकी सलाह मेरे बहुत काम आई और उससे मुझे बहुत मदद मिली। उन्होंने कहा, मैंने देखा था कि काउंटी क्रिकेट में कैसे खिलाड़ी अपनी निजी जिंदगी को क्रिकेट से अलग रखते हैं। मुझे उनकी सलाह की काफी जरुरत थी। कई लोगों का मानना है कि मैं क्रिकेट पर अधिक ध्यान देता हूं यह सच है, लेकिन मैं यह भी जानता हूं कि कब क्रिकेट के अलावा निजी जिंदगी की ओर ध्यान देना है। क्रिकेट के अलावा जिंदगी के महत्व को मैं समझता हूं।

पुजारा ने द्रविड़ को अपनी प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा, ÷राहुल भाई का मेरी जिंदगी में कितना महत्व है यह मैं एक वाक्य में नहीं कह सकता। वह हमेशा से मेरी प्रेरणा का स्रोत रहे हैं और रहेंगे।

पुजारा ने खुद को राहुल द्रविड़ का प्रशंसक बताते हुए कहा, ÷मैं उस समय करीब आठ वर्ष का था जब मैंने पहली बार राहुल भाई को बल्लेबाजी करते हुए देखा था। मैंने उन्हें 2002 में भारत के इंग्लैंड दौरे में बल्लेबाजी करते हुए देखा था। उसके बाद उन्होंने एडिलेड में दोहरा शतक जमाया था जो मेरी पसंदीदा पारी है। वह हमेशा एक योद्धा की तरह खेले। जब तक राहुल भाई क्रीज पर मौजूद रहते थे तब तक विपक्षी टीम के लिए विकेट लेना काफी मुश्किल होता था। भारत को आउट करने के लिए विपक्षी टीम के लिए पहले उनका विकेट लेना जरूरी होता था। वह पारी को एक मजबूती प्रदान करते।÷ रवि राज

जुझारू बल्लेबाज पुजारा ने कहा, ÷मैंने उनकी तकनीक और स्वभाव को नजदीक से देखा है। वह क्रिकेट के बारे में जिस तरह से बात करते हैं, उन्हें इस खेल के बारे में काफी जानकारी है। इसके बावजूद उन्होंने हमेशा अपने खेलने के तरीके को ज्यादा जटिल नहीं बनाया।

पुजारा ने द्रविड़ से तुलना करने पर कहा, ÷उनके साथ लगातार संपर्क में होने के बावजूद, मैंने कभी उनकी नकल करने की कोशिश नहीं की। हमारे खेलने के तरीके में काफी समानता है। आप कह सकते हैं कि मैंने राहुल भाई से काफी कुछ सीखा है। मेरे खेलने के तरीके को उन्होंने काफी प्रभावित किया है।

पुजारा ने कहा कि सौराष्ट्र की ओर से खेलते हुए उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला।

रोनाल्डो के करिश्मे से जीता जुवेंटस

तूरिन (वार्ता)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के करिश्माई प्रदर्शन से जुवेंटस ने लीसे को शुक्रवार को 4-0 से हराकर सीरी ए फुटबॉल चैंपियनशिप में शीर्ष पर अपनी बढ़त को सात अंक पहुंचा दिया। जुवेंटस ने इस जीत से लाजियो पर अपनी बढ़त को सात अंक पहुंचा दिया है। लीसे की टीम 32 मिनट के बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेली और जुवेंटस के सामने कोई चुनौती पेश नहीं कर सकी। लीसे के फाबियो लुसिओनी को लाल कार्ड मिला था जिससे उन्हें बाहर जाना पड़ा और उनकी टीम फिर 10 खिलाड़ियों के साथ खेली। 35 वर्षीय रोनाल्डो ने पेनल्टी पर गोल किया और पाउलो डिबाला और गोंजालो हिगुएन के लिए गोल करने के मौके बनाये। जुवेंटस ने 53वें मिनट में रोनाल्डो के पास पर डिबाला के गोल से बढ़त बनायी। इसके नौ मिनट बाद रोनाल्डो को बॉक्स में गिराया गया और जुवेंटस को पेनल्टी मिल गयी। रोनाल्डो ने पेनल्टी को गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। हिगुएन ने 83 वें मिनट में रोनाल्डो के पास पर टीम का तीसरा गोल किया। सेंटर बैक माथिस डी लिट ने डगलस कोस्टा के क्रॉस पर जुवेंटस का चौथा गोल दागा।

न्यूज गैलरी

जिले में आज कोरोना के 02 पॉजिटिव मरीज मिले

महासमुंद। जिले में आज कोरोना के 02 धनात्मक प्रकरण की पुष्टि हुई है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर ने जांच के बाद मामले के धनात्मक रिपोर्ट की सूचना जिला प्रशासन को दी है। जिला प्रशासन ने इसकी पुष्टि की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें से एक पिथौरा विकासखण्ड के ग्राम अर्जुनी के क्वारेंटाईन सेंटर पर थी, जो 22 वर्षीय गर्भवती महिला है। इसी तरह बसना विकासखण्ड के ग्राम केंवटापाली क्वारेंटाईन सेंटर पर रखे गए 55 वर्षीय पुरुष है।

मारपीट, सखी सेंटर की वालंटियर्स को भी आई चोट

महासमुंद। नयापारा में आपसी विवाद के चलते दो पक्षों में मारपीट हो गई। झगड़े में सखी सेंटर की वालंटियर्स को भी चोट आई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है। संजुल गोस्वामी 24 जून सुबह 11 बजे घर से पूर्व में हुए विवाद का समझौता के लिए पति के साथ सखी सेंटर गई थी। फोन से देवर, देवरानी एवं ससुर से संपर्क किया तो देवर शीष गिरी सखी सेंटर के स्टाफ से बदतमीजी से बात करने लगा, तब दोनों सखी सेंटर के पैरालिगल वालंटियर आसमा कुरैशी के साथ घर पहुंची तब देखा कि घर के बर्तन को तोड़फोड़ कर रहा था।

क्वारेंटाइन के नियमों का पालन नहीं, जुर्म दर्ज

महासमुंद। सीआरपीएफ के जवान को क्वारेंटाइन के नियमों का पालन नहीं करना महंगा पड़ गया। लापरवाही बरतने पर उनके खिलाफकेस दर्ज किया गया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम बेलसोंडा का है। बताया जा रहा है कि वह सरपंच का पति है। सिटी कोतवाली थाना से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बेलसोंडा निवासी पोखन लाल चंद्राकर सीआरपीएफमें है, जो वर्तमान में माना में पदस्थ है। 19 जून को वह अपने घर बेलसोंडा आया। स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी ने कोरोना काल के चलते बाहर से आने के कारण पोखन चंद्राकर को 20 जून से होम क्वारेंटाइन किया और घर में रहने का निर्देश दिया। कुछ दिन बाद जवान क्वारेंटाइन के नियमों व अधिकारियों की अवहेलना कर गांव में बिना मास्क लगाकर घूमने लगा। जब इस बात की जानकारी गांव के ही सूर्या चंद्राकर को हुई तो उन्होंने थाने में रिपोर्ट कराई और बताया कि सीआरपीएफका जवान नियमों का उल्लंघन कर रहा है। उसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने सीआरपीएफके जवान के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

आपत्तिजनक टिप्पणी, जुर्म दर्ज

महासमुंद। सोशल मीडिया में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में युवकों के खिलाफधारा 505 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार छग सतनामी समाज के युवा प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश बंजारे ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 14 जून की रात 10.39 बजे देवनारायण सिन्हा व सुजीत दुबे नामक व्यक्तियों ने फेसबुक आईडी में आरक्षण के संबंध में आरक्षित वर्ग, समाज को अपमानित करने, जातिगत अपशब्द कर आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट की है। दोनों ही युवक पर एफआईआर दर्ज करने ज्ञापन सौंपा था। जांच उपरांत दोनों युवक के खिलाफजांच में मामला सही पाए जाने पर अपराध दर्ज किया गया है।

क्वारंटाइन सेंटर से बिना बताए घर चले गए 127 श्रमिक

महासमुंद। पिथौरा विकासखंड अंतर्गत के ग्राम कोल्दा के 127 श्रमिकों के शुक्रवार सुबह क्वारेंटाइन सेंटर से घर चले जाने से प्रशासन दिन भर हलाकान रहा। जबकि, इन मजदूरों के क्वारेंटाइन अवधि पूरा होने में केवल 2 से 4 दिन शेष था। जानकारी होते ही प्रशासनिक अमला तुरंत गांव पहुंचा और गांव को पूरी तरह सीलबंद कर दिया। अब 14 दिन तक गांव सील रहेगा। जबकि मजदूरों को होम आइसोलेशन में 14 दिन बिताना पड़ेगा। दरअसल, कोल्दा के क्वारेंटाइन सेंटर में रह रहे लक्षण वाले श्रमिकों का स्वाब सैंपल रिपोर्ट एक दिन पहले ही मिला, जिसमें निगेटिव पाया गया। रिपोर्ट मिलने के बाद वे सभी किसी के बहकावे में आ गए और शुक्रवार सुबह कुल 127 श्रमिक अपने-अपने घर चले गए। बताया जाता है कि उत्तरप्रदेश के ईंट भठ्ठों से वापस आने के बाद इन सभी को क्वारेंटाइन सेंटर में 14 दिनों के लिए रखा गया। इनमें से कुछ मजदूरों की क्वारेंटाइन अवधि 27 जून को पूरा होने वाला था तो कईयों का 31 जून को पूरा हो जाता। लेकिन, ये सभी बिना प्रशासनिक आदेश अपने-अपने घर चले गए।

जिला प्रशासन में संक्रमण का भय इस कदर हावी कि लोगों की चिंता छोड़ खुद को असुरक्षित मानते हुए जिला पंचायत सीईओ ने कार्यालय में जड़ा ताला

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। कोरोना वायरस से सावधानी को लेकर जिला प्रशासन ने आम जनता की चिंता छोड़ खुद को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। पहले कलेक्टर छत्तीसगढ़ डेरे ने जिला कार्यालय में मुख्य द्वार छोड़ अन्य द्वार से आवाजाही मे पाबंदी लगाई तो दूसरी ओर अपने आप को असुरक्षित मानते हुए जिला पंचायत सीईओ ने तो स्वयं के दफ्तर में ही ताला जड़ दिया है। इसके चलते प्रशासन अपने तक ही सीमीत हो गया है आम जनता के लिए सरकारी दफ्तर खुला नही है। ऐसा राज्य सरकार का आदेश नही है फिर भी जिले के अफसर स्व निर्णय के तहत दफ्तर संचालित कर रहे है। इनके दफ्तर से आम जनता का कोई लेना देना नही है, ऐसी स्थिति में स्पष्ट रूप से मिलने वाले और आवाजाही करने वालो को मनाही है। आम

जनता ओर जिले के जनप्रतिनिधि जिला पंचायत के दफ्तर जाने से कतरा रहे है और पहुच भी जा रहे है तो घंटो दफ्तर के बाहर अफसर के अनुमति के लिए खड़ा रहना पड़ रहा है, समुचित बैठक व्यवस्था नही होने के चलते निराश ही वापस लौट रहे है। गेट में तैनात कर्मचारी भी लोगो को दुर्व्यवहार कर रहा है अफसर के मीटिंग में व्यस्त होने की बात कहकर वही लोगो को बिना ताला खोले लौटा दे रहा है। यहां तक देखा गया कि सरकारी काम से आए जिले के अन्य सरकारी विभाग के कर्मचारी भी घंटो फाइल लेकर अंदर आने की गुहार लगाते है उन्हे बाहर रोक कर केवल फाइल अंदर लाई जा रही है। जिससे कर्मचारी भी हताश है। यहां लोगो से मिलने को लेकर कड़ाई इस कदर बढ़ गई है सत्तासीन के लोग भी जनहित के मुद्दे और कार्यो को लेकर दफ्तर में प्रवेश नहा कर पा रहे है। आलम ये है कि जिला पंचायत के दफ्तर में जिला पंचायत के पदाधिकारियो को ही इंतजार करना पड़ रहा है। सत्तासीन और अफसरशाही के बीच लकीर खीच गई है। ये भी इस मामले मे कुछ बोलने से कतरा रहे है। दूसरी ओर जब राज्य शासन के ग्रामीण एवं पंचायत विभाग के सचिव गौरव द्विवेदी से चर्चा की तो उन्हेने भी ऐसा आदेश का जारी नही होने की बात कही। उन्होने कहा कि पता करता हूं।

अफसरो के दौरे से ग्रामीण भी भयभीत, कोरोना बढ़ने की जताई आशंका: जिला मुख्यालय में चार कोरोना पाजीटीव मिलने और जिला पंचायत में लगी पाबंदी को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रो में लोग भयभीत है। ग्रामीण अफसरो को शंका की नजर से देख रहे है और उनसे ही कोरोना फैलने की शंका जता रहे है। यहां आने वाले ग्रामीण क्षेत्र के लोग और जनप्रतिनिधि अब यह तक कहने लगे है कि अफसरो के भी गांव आने से संक्रमण की आशंका है। क्योंकि अधिकांश शासकीय अधिकारी कर्मचारी संक्रमित क्षेत्र में रहते है जहां चार लोग कोरोना पाए गए है ऐसे क्षेत्र से अफसर खुले आम घुम रहे है। ग्रामीण क्षेत्र में तो अब यह हल्ला है कि अफसर गांव क्षेत्र का दौरा कर रहे है कही अफसर ही गांव में कोरोना ना देदे।

तालाबंदी से नाराज ग्रामीण

इधर तालाबंदी से नाराज ग्रामीण और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि दफ्तर आने पर अफसर अपनी अफसर शाही दिखा रहे है, कोरोना संक्रमण के चलते उनके कामो और समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है कि यदि अफसर तालाबंदी और मिलने पर रोक लगा रहे है तो ग्रामीण भी संक्रमण के खतरे को देखते हुए गांव में अफसरो के आवाजाही और मिलने को लेकर रोक लगा सकते है। शायद यह प्रदेश का पहला कार्यालय है जहां तालाबंदी की गई है।

> जिला पंचायत में लोग अनावश्यक घुमते है और संक्रमण का खतरा है इसलिए रोक लगाई है। दफ्तर के भीतर सरकारी कामकाज जारी है। तालाबंदी का निर्णय मेरा स्वयं का है।
>
> – विनय लंगहे, जिला पंचायत गरियाबंद

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन की सौगात

■ विधायक विनोद चंद्राकर ने किया लोकार्पण, कॉलोनी वासियों को मिलेगा लाभ

महासमुंद। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में 43.35 लाख की लागत से सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन का निर्माण हुआ है। शुक्रवार को विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में इसका लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष भागीरथी चंद्राकर ने की। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक मकसूदन लाल चंद्राकर थे। विशेष अतिथि के रूप में कांग्रेस जिलाध्यक्ष रश्मि चंद्राकर, हुलास गिरी गोस्वामी, विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र चंद्राकर, जनपद सदस्य दिग्विजय साहू, कुणाल चंद्राकर, किशन देवांगन, जब्बर चंद्राकर, आवेज खान, ममता चंद्राकर मौजूद थे। विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि कॉलोनी में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन का निर्माण कराया गया है। इस भवन से निश्चित रूप से कॉलोनीवासियों को फायदा मिलेगा।

गौठान व सीसी रोड के लिए भूमिपूजन: इसके पूर्व विधायक श्री चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में ग्राम साराडीह में गौठान निर्माण, सीसी रोड का भूमिपूजन व नाली निर्माण का लोकार्पण किया गया। इस दौरान सरपंच साजन यादव ने विधायक श्री चंद्राकर को गांव की समस्याओं से अवगत भी कराया। जिस पर विधायक श्री चंद्राकर ने समस्याओं के निराकरण करने का आश्वासन दिया। इस दौरान अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष भागीरथी चंद्राकर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रश्मि चंद्राकर, हुलास गिरी गोस्वामी, विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य जागेश्वर चंद्राकर, जनपद सदस्य कुणाल चंद्राकर, दिग्विजय साहू, जब्बर चंद्राकर, आवेज खान, ममता चंद्राकर आदि मौजूद थे।

सिक्योरिटी सुपरवाइजर की पिटाई

महासमुंद। एक प्लांट के मजदूर व उसके साथियों ने सिक्यूरिटी सुपरवाइजर की पिटाई कर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। मामला ग्राम बेलसोंडा का है। शिवालिक पावर प्लांट के सिक्यूरिटी सुपरवाइजर रावण भाठा वार्ड- 16 महासमुंद निवासी अविनाश गुप्ता के अनुसार सागर चंद्राकर को दो दिन पहले शराब पीकर ड्यूटी में आने से उन्होंने मना कर दिया था। 25 तारीख को सिक्यूरिटी सुपरवाइजर की नाइट ड्यूटी थी। वह बाइक से प्लांट जाने के लिए निकला था। शाम पौने आठ बजे शिवालिक पावर प्लांट बेलसोण्डा के पास पहुंचा ही था कि सागर चंद्राकर ने अन्य दो साथी के साथ पिटाई कर दी।

भाठीगढ के वृन्दा ध्रुवा ने 90.5 प्रतिशत एंव अंजली बाम्बोडे 72 प्रतिशत अंक प्राप्त किया

मैनपुर। छत्तीसगढ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10 वीं एंव 12 वी कक्षा के परीक्षा परिणाम जारी किया गया जिसमें मैनपुर भाठीगढ कक्षा 10 वी के छात्र वृन्दा ध्रुवा ने 90.5 प्रतिशत अंक प्रतिशत लाकर विकासखण्ड का नाम रौशन किया। वही कन्या हाईस्कूल मैनपुर की छात्रा कु. अंजली बाम्बोडे कक्षा दसवी में 72 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परीक्षा उत्तीर्ण किया है परिवारजनों व शिक्षक शिक्षाकाओं ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पेट्रोलियम पदार्थो को महंगा कर आम जनता को परेशान कर रही मोदी सरकार : संजय नेताम

मैनपुर। पेट्रोल डीजल के दामों में लगातार बढ़ोतरी पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम ने कहा कि कोरोना संक्रमण के इस विपदकाल में पेट्रोलियम पदार्थो को महँगा कर मोदी सरकार आमजनों के जेब में डाका डाल रही जब की इस वक्त आमजनों को हर संभव राहत देने की जरूरत है। गरियाबंद जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम ने कहा की कुछ दिन पूर्व मोदी सरकार ने रसोई गैसों के दामों में बढ़ोतरी कर गृहणियों की चिंता में वृद्धि की थी उनका किचन महँगा किया था। आज फिर पेट्रोल डीजल के दाम में वृद्धि किया गया जबकि कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमत में लगभग 9: की गिरावट आई है इस पर भी देश की जनता को राहत पहुचाने के बजाय केंद्र सरकार उनपर पेट्रोल डीजल महँगा कर अतरिक्त बोझ डाल रही कोरोना माहमारी के आपदा पर लाखों लोगो की आजीविका प्रभावित हुई है छोड़े बड़े व्यवसायो पर संकट मंडरा रहा है कोरोना माहमारी पर आज बड़ी तेजी से आमजनों के आय एक एक रुक सी गई है। उपाध्यक्ष संजय नेताम ने कहा की छत्तीसगढ़ सरकार की न्याय योजना के तहत आज छत्तीसगढ़ का किसान खुश है आज किसान किसानी के लिए तैयारी कर रहा इस समय किसानों को बड़ी राहत देने की जरूरत है परन्तु केंद्र की मोदी सरकार ने पेट्रोल डीजल के दामों में वृद्धि कर ऐसे समय में जब की उन्हें पेट्रोल डीजल की ज्यादा जरूरत होती है किसानों के अतरिक्त खर्च का बोझ उठाना पड़ेगा, लॉक डाउन की वजह से आज आमजन गरीब, मध्यम वर्ग, मजदूर वर्ग के सामने सबसे बडी समस्या रोजगार है उनकी रोजगार उनके व्यवसाय की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की पहल करनी चाहिए।

केन्द्र की भाजपा सरकार विफल, छ.ग. सरकार की सफलता को नहीं पचा पा रही

गरियाबंद। देश में लगातार बढ़ती महगाई से जनता त्रस्त है, पेट्रोल एवं डीजल के दाम सुरसा भी मुह की तरह बढ़ती जा रही है। सारी अर्थ व्यवस्था चौपट हो चुकी है केन्द्र के गलत नीतियों के कारण आम जनता गरीब किसान का जीवन यापन दुखकर हो चला है। देश की इस आर्थिक मंदी के बीच छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री माननीय श्री भूपेश बघेल के कुशल नेतृत्व में इस आर्थिक मंदी का कुछ प्रभाव नही पड़ा है, मुख्यमंत्री श्री भुपेश बघेल द्वारा चाहे श्रमिक हितो की बात हो गरीबों को खधान उपलब्ध कराने की बात हो किसानो के हित संरक्षण की बात हो हमेशा इन के हितो के लिए निरन्तर काम रही है। हरेली त्योहार से प्रारंभ होने वाले गोधन न्याय योजना के अधीन गोबर खरीदी गोठान की व्यवस्था गो संवर्धन के लिए उठाया गया एक जन हितकारी कदम है। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वीरू यादव एवं जिला प्रवक्ता कृष्ण कुमार शर्मा छ.ग. द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है कि कांग्रेस सरकार के द्वारा जन कल्याण हेतु उठाये गये कदम से भाजपा बौखला गई है, एंव अनर्गल प्रलाप कर रही है।

खेलगढ़िया योजना के नाम पर खेल सामग्री खरीदी में भ्रष्टाचार, जिला प्रशासन ने दिया जांच के आदेश

■ जांच शुरू होते ही खेल सामग्री खरीदी करने दुकानो में लगी भीड़

मैनपुर। छत्तीसगढ प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के छात्र छात्राओं को खेल के क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए, खेलगढ़िया योजना का शुभारंभ किया गया और लगभग एक वर्ष पूर्व विकासखण्ड मैनपुर के सभी प्राथमिक और मिडिल स्कूलो के बच्चो को खेल कूद के सामग्री उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ सरकार ने राजीव गांधी शिक्षा मिशन सर्व शिक्षा अभियान के तहत मैनपुर ब्लॉक के प्रति पांच से ज्यादा स्कूलो के लिए 25 लाख रुपये की राशि जारी किया था, प्राथमिक शाला एंव मिडिल स्कूलो में 5 हजार से 10 हजार रूपये तक के खेल सामग्री शाला प्रबंधन समिति के अनुमति से खरीदी करना था लेकिन मैनपुर विकासखण्ड के अधिकांश स्कूलो में खेल सामग्री नही खरीदी की गई और राशि आहरण कर लिया गया, इस मामले को छात्र नेता लिबास पटेल के द्वारा उठाने पर जिला प्रशासन ने मामले की संज्ञान लिया और सर्व शिक्षा अभियान राजीव गांधी शिक्षा मिशन के मैनपुर ब्लॉक समन्वयक को सभी स्कूलो में खेल सामग्री खरीदी किए जाने तथा उसके सत्यापन के लिए जांच टीम गठित कर एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने कहा गया, जिला मिशन समन्वयक के निर्देश पर मैनपुर विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक ने 23 संकुल केन्द्रो में मैनपुर विकासखण्ड के 256 प्राथमिक शाला एंव 118 माध्यमिक शालाओं में खेलगढ़िया सामग्री जांच करने के लिए 23 जांच टीम का गठन किया गया।

> छात्र नेता लिबास पटेल ने बताया छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भुपेश बघेल द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए एक बेहतर योजना संचालित किया गया खेलगढ़िया इसके तहत सभी स्कूलो को राशि शासन द्वारा दी गई अधिकांश ग्रामों के ग्रामीणों ने शिकायत किया कि अब तक उनके स्कूलो में खेल सामग्री नही खरीदी किया गया है इसलिए उन्होने जिला प्रशासन से मामले की जांच की मांग किया है, मामले में जांच प्रारंभ और जांच प्रारंभ होती ही अब खेल सामग्री खरीदी जा रहा है।
>
> लिबास पटेल, छात्र नेता मैनपुर

> सर्व शिक्षा अभियान मैनपुर के खण्ड स्त्रोत संमन्वयक ए.आर.टाडिया ने बताया कि जिला कार्यलय द्वारा खेलगढ़िया सामग्री खरीदी की जांच के लिए कमेटी गठित करने के आदेश मिलने के बाद ही तत्काल 23 टीम का गठन किया गया है, जिसमें संकुल समन्वयक, प्रधान पाठक, स्कूलो तक पहुचकर खेल सामग्री खरीदी की जांच कर रहे है दो दिनो के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी जाएगी उन्होने बताया उन्हे भी जानकारी मिली है कि कई स्कूलो में अभी खेल सामग्री खरीदी किया जा रहा है।
>
> ए.आर.टाडिया, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक राजीव गांधी शिक्षा मिशन मैनपुर

अन्तर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर सिटी कोतवाली पुलिस ने की नशा छोड़ने की अपील

गरियाबंद। शुक्रवार को विश्व नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर एसपी भोजराम पटेल के दिशा-निर्देश, एएसपी सुखनंदन राठौर के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी संजय ध्रुव के पर्यवेक्षण में जिले के प्रत्येक थाना क्षेत्र में नशा मुक्त समाज की स्थापना हेतु लोगो से अपील की गई। सिटी कोतवाली गरियाबंद के नवपदस्थ थाना प्रभारी विकास कुमार बघेल ने होम क्वारन्टाइन में होने के चलते वीडियो कालिंग के माध्यम से अधीनस्थ कर्मचारियो को निर्देशित कर नगर के गांधी मैदान, मुख्य सब्जी बाजार तथा नगर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ साथ ग्रामीण अंचल में नशा मुक्ति के सम्बंध में लोगों को अवगत कराया एवं नशा छोड़ने की अपील की गई। प्रचार के दौरान सउनि

जोहरलाल पटेल, आरक्षक राकेश यादव, ललित नेताम, सैनिक राजपाल नेताम, रविशंकर सोनवानी, मिथलेश सिन्हा, दिलीप तिवारी, महिला आरक्षक निलकुसुम खलखो, जीतु नेताम के द्वारा बैनर पोस्टर, स्लोगन तथा वक्तव्यों के माध्यम से नशा मुक्ति हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

अभियान बीएमओ ने भी स्वास्थ्यकर्मियों की जेबों में हाथ डाल खंगाले नशीले उत्पाद

तंबाकू नियंत्रण के लिए अस्पताल वालों से भी की गई जमा-तलाशी

महासमुंद। जिले में यह पहला मौका रहा जब 26 जून को अंतराष्ट्रीय नशा निवारक दिवस के अवसर पर जांचकर्ताओं को भी नहीं बख्शा गया। चिकित्सालय परिसरों में नशीले पदार्थ विशेष कर तंबाखूयुक्त उत्तेजकों के प्रतिबंधात्मक अभियान में जिला चिकित्सालय सहित समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में दिन-भर औचक निरीक्षण चलता रहा। तंबाकू उत्पाद तो जब्त नहीं हुए परंतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.पी. वारे के निर्देशानुसार यह संदेश स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ कि अब चिकित्सालय परिसरों में कोई भी हो यानी मरीज, मरीज के परिजन,

चिकित्सक, स्टाफ नर्स, वार्ड ब्वाय या फिर गैर चिकित्सकीय अधिकारी-कर्मचारी तंबाकू उत्पाद लेकर प्रवेश नहीं कर पाएगा। इस दौरान विकासखण्ड महासमुंद, पिथौरा, बसना, सरायपाली और बागबाहरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में शासकीय सेवारत चिकित्सकीय अमले को भी गणमान्य नगारिकों के समतुल्य जागरूकता समझाइश के दौर से गुजरना पड़ा।

सरायपाली के बीएमओ ने दी लास्ट वार्निंग

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरायपाली में खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर ने स्वास्थ्यकर्मियों को अंतिम चेतावनी दी कि अब तो सुधर जाओ। नशीले पदार्थ चाहे तंबाकू हो या शराब, मरीज के परिजन हों या चिकित्सालय के कर्मचारी, नियम सबके लिए बराबर है। अब किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती दीप्ति सिंह ने भी कहा कि परिसर में तंबाकू उत्पादों का सेवन कोरोना वायरस को निमंत्रण दे सकता है।

■ न्यूज गैलरी

‘मेड इन चाइना’ को बेचने का कंपनियों ने निकाला नया तरीका

लखनऊ। पहले जो कंपनियां ‘मेड इन चाइना’ का रुतबा दिखाकर भारत में कारोबार कर रही थीं, उनके सुर बदल गए हैं। चीनी उत्पादों के विरोध में शुरू हुए माहौल में अब चीनी कंपनियों ने ‘मेड इन इंडिया’ का राग गाना शुरू कर दिया है। भारत में बदले माहौल से डरी शाओमी ने एमआई ब्रांड स्टोर के बाहर ‘मेड इन इंडिया’ के बैनर लगाने का फैसला किया है। वहीं अन्य कंपनियां भी अपने को भारत की कंपनी कहलाने की कोशिश में जुट गई हैं। चीनी विरोध के कारण कारोबार पर पड़ते असर से परेशान चीनी कंपनियों में हलचल है। चीनी कंपनी शाओमी ने तो प्रदेश भर के एमआई ब्रांड स्टोर पर तिरंगे के साथ ‘मेड इन इंडिया’ लिखने को कहा है। यही नहीं कंपनी ने यह भी कहा कि हमारा अधिकतर सामान भारत में बनता है और फैक्ट्रियों में हम हजारों भारतीयों को रोजगार देते हैं।

कस्टम में चीन के घटिया सामानों की हो रही बारीकी से पड़ताल

नई दिल्ली। देश में खिलौनों, मोबाइल फोन, पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक सामान, लैपटॉप, ऑटो कंपोनेंट्स और उन तमाम चीजों के लिए इंतजार बढ़ जाएगा जो चीन से आयात की जाती हैं। हिंदुस्तान को मिली जानकारी के मुताबिक कस्टम विभाग में सघन जांच के चलते बंदरगाहों और एयरपोर्ट पर बड़े पैमाने पर माल अटका हुआ है। उद्योग जगत ने सरकार से नियमों में ढील देने और कस्टम क्लियरेंस की रफ्तार तेज करने की मांग की है। हिंदुस्तान को सूत्रों के जरिए मिली जानकारी के मुताबित भारत और चीन के बीच तनाव और कोरोना महामारी के चलते कस्टम विभाग में सामान की चेकिंग पहले के मुकाबले अब बढ़ गई है। यही नहीं इस बात की भी बारीकी से पड़ताल की जा रही है कि जो भी सामान चीन से आयात किया जा रहा है, वो भारतीय मानक ब्यूरो के हिसाब से ही आए।

फ्रॉस्ट इंटरनेशनल की 4 संपत्तियां होंगी नीलाम

कानपुर। फ्रॉस्ट इंटरनेशनल में अपना डूबा पैसा वापस लेने के लिए बैंकों ने नीलामी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में यूनियन बैंक फ्रास्ट की चार संपत्तियों को बेचेगा। ये प्रापर्टीज कानपुर और मुंबई में हैं। यूनियन बैंक का फ्रास्ट पर 74 करोड़ रुपए से ज्यादा बकाया है। करीब 3600 करोड़ रुपए के एनपीए को लेकर बैंक आफइंडिया फ्रास्ट के खिलाफ सीबीआई में रिपोर्ट पहले ही दर्ज करा चुका है। कमोडिटी और हाई सी बिजनेस से जुड़ी फ्रास्ट इंटरनेशनल में 11 बैंकों के कंसोर्टियम के अरबों रुपए फंस गए हैं। सभी बैंकों ने फ्रास्ट के खातों को एनपीए घोषित कर दिया है। लोन के एवज में बैंकों के पास फ्रास्ट ने अपनी संपत्तियों को बंधक रखा था।

वित्त आयोग की सलाहकार परिषद के साथ बैठक

पंद्रहवें वित्त आयोग ने अपनी सलाहकार परिषद के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की है जिसमें परिषद के सदस्यों ने कहा है कि कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न विषम परिस्थिति में पांच साल की अवधि के लिए राजकोषीय हस्तांतरण को तैयार करने में आयोग के सामने बड़ी चुनौतियां होंगी।

नई दिल्ली (वार्ता)। आयोग के अध्यक्ष एन.के. सिंह की अध्यक्षता में हुई दो दिवसीय बैठक में आयोग के सभी सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। परिषद के सदस्यों ने कहा कि अप्रैल में वित्त आयोग के साथ बैठक के बाद राष्ट्रीय स्तर पर लॉकडाउन मई तक के लिए बढ़ा दिया गया और और अब चरणबद्ध तरीके से प्रतिबंध हटाए जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप आर्थिक गतिविधियां धीरे-धीरे फिर से शुरू हो रही हैं। हालांकि,अर्थव्यवस्था और संघ तथा राज्य सरकारों की राजकोषीय स्थिति पर महामारी का प्रभाव अब भी बहुत अनिश्चित है। कई विश्लेषकों ने वर्ष 2020-21 के लिए अपने जीडीपी विकास अनुमानों को कम कर दिया है। कई जगहों पर सामाजिक दूरी के उपायों और स्थानीय स्तर पर प्रतिबंधों के कारण आपूर्ति श्रृंखला अभी तक पूरी तरह से बहाल नहीं हुई है जिससे स्थिति के सही हालत में आने की प्रक्रिया बाधित हो रही है।

सलाहकार परिषद ने संघ और राज्य सरकारों के कर राजस्व संग्रहण में अर्थव्यवस्था में आई बाधाओं की वजह से पड़े प्रतिकूल प्रभावों पर भी चर्चा की। परिषद के कुछ सदस्यों ने यह देखते हुए कि महामारी के कारण कर संग्रहण प्रभावित हो सकता है, यह संकेत दिया कि कर संग्रह पर महामारी का प्रभाव विषम भी हो सकता है। महामारी के बाद सार्वजनिक ऋण के समेकन के लिए उचित मार्ग की स्थापना में बाधाओं और संभावनाओं के साथ सरकार के घाटे और ऋण पर भी चर्चा की गई। इसमें व्यय पर कहा गया कि सरकारों पर स्वास्थ्य,गरीबों और अन्य आर्थिक एजेंटों को सहायता मुहैया कराने के कारण खर्च का पर्याप्त बोझ पड़ेगा।

सलाहकार परिषद के साथ आयोग आर्थिक और राजकोषीय मोर्चे पर उभरते संकेतों की बारीकी से निगरानी करेगा ताकि सर्वोत्तम संभव मूल्यांकन किया जा सके। बैठक में सलाहकार परिषद के डॉ. कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन,डॉ. साजिद जेड. चिनॉय,डॉ. प्राची मिश्रा,श्री नीलकंठ मिश्रा और डॉ. ओंकार गोस्वामी के साथ ही विशेष तौर पर आमंत्रित डॉ. रथिन रॉय शामिल हुए। डॉ. शंकर आचार्य और डॉ. प्रोनाब सेन के साथ सलाहकार परिषद के डॉ. अरविंद विरमानी,डॉ. डी.के. श्रीवास्तव,डॉ. एम गोविंदा राव और डॉ. सुदीप्तो मुंडले भी शामिल हुए। वर्ष 2020-21 के लिए आयोग द्वारा अंतरिम रिपोर्ट सौंपने के बाद सलाहकार परिषद के साथ उसकी यह तीसरी बैठक थी।

एमएसएमई से 11 करोड़ लोगों को मिलता है रोजगार

लघु उद्योगों में 15 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी सरकार

नई दिल्ली। कोरोना महामारी से पैदा हुई चुनौतियों से जूझ रहे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को वित्तीय मदद पहुंचाने के लिए सरकार 15 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। केंद्रीय एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि देश में काम रहे लाखों एमएसएमई में से हिस्सेदारी खरीदने का आधार रेटिंग होगा। सरकार उच्च रेटिंग वाली कंपनियों में 15 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। इसके बाद उन कंपनियों को शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराया जाएगा। अगले दो से तीन साल बाद बाजार में तेजी आएगी तक सरकार अपनी हिस्सेदारी बेचकर मुनाफा वसूल लेगी। इसके बाद फिर से मिली हुई पूंजी को नए एमएसएमई में निवेश किया जाएगा जिससे उनकी पूंजी जरूरत को पूरा करने में मदद मिले। इस तरह एमसएमई कंपनियों की पूंजी जरूरत को पूरा करने के साथ उनका विस्तार भी होगा। गौरतलब है कि आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत वित्त मंत्री ने 50 हजार करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी डालने का ऐलान किया था।

दिवालिया होने का खतरा टलेगा

जाने-माने अर्थशास्त्री अरुण कुमार ने हिन्दुस्तान को बताया कि देशभर में करीब छह करोड़ एमएसएमई अपना करोबार करते हैं। इनमें से करीब पांच से छह लाख मध्यम और बड़े श्रेणी के एमएसएमई हैं जिनका सालाना कारोबार 20 करोड़ से अधिक है। सरकार की तैयारी इक्विटी निवेश के जरिये इनको वित्तीय मजबूती देनी की है। मौजूदा समय में कोरोना संकट से अधिकांश एमएसएमई की वित्तीय स्थिति डावांडोल है जिससे उनके दिवालिया होने का खतरा है। इस कदम से वैसी कंपनियों को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर रोजगार सृजन में एमएसएमई का बड़ा योगदान है। इन कंपनियों की स्थिति मजबूत होने से रोजगार के अवसर पैदा करने में भी मदद मिलेगी।

फेडरेशन आफ इंडियन माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज के सेक्रेटरी जनरल, अनिल भारद्वाज ने हिन्दुस्तान को बताया कि एमएसएमई के लिए 9.25 प्रतिशत की रियायती दर पर तीन लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त ऋण उपलब्ध कराने की योजना का लाभ मिलता दिखाई दे रहा है। अभी तक करीब 80 हजार करोड़ रुपये का ऋण आवंटन इसके तहत किया गया है। एमएसएमई को लॉकडाउन खुलने के बाद कार्यशील पूंजी के लिए उन्हें भटकना नहीं पड़ा है। वह अपना काम आसानी से इस लोन के जरिये कर पा रहे हैं।

- **3 लाख करोड़ रुपये का कोलेट्रल फ्री (कोई गारंटी नहीं) लोन**
- **4 वर्ष होगी कोलेट्रल फ्री लोन की समयसीमा और पहले एक साल मूलधन नहीं चुकाना होगा**
- **25 करोड़ तक का लोन 100 करोड़ टर्नओवर वाले एमएसएमई को मिलेगा**
- **10 हजार करोड़ जो एमएसएमई विस्तार करना चाहते हैं उनके लिए आवंटित**
- **50,000 करोड़ रुपये का इक्विटी इन्फ्यूजन फंड ऑफफंड के जरिये।**

जून में डीजल 16 प्रतिशत, पेट्रोल 13 प्रतिशत महंगा

नई दिल्ली (वार्ता)। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस महीने डीजल की कीमत करीब 16 प्रतिशत और पेट्रोल की लगभग 13 प्रतिशत बढ़ चुकी है।

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को पेट्रोल की कीमत 25 पैसे बढ़कर 80.38 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गई जो 27 अक्टूबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है। डीजल का मूल्य भी 21 पैसे बढ़कर 80.40 रुपये प्रति लीटर के नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया। इस महीने 07 तारीख से तेल विपणन कंपनियों ने दोनों जीवाश्म ईंधनों के दाम बढ़ाने का क्रम शुरू किया है। इस दौरान दिल्ली में पेट्रोल 9.12 रुपये यानी 12.80 प्रतिशत महँगा हुआ है। लगातार 20 दिन में डीजल की कीमत 11.01 रुपये यानी 15.87 प्रतिशत बढ़ गई है।

कोलकाता और मुंबई में भी पेट्रोल की कीमत 23-23 पैसे बढ़कर क्रमशः 82.05 रुपये और 87.14 रुपये प्रति लीटर हो गई। चेन्नई में यह 22 पैसे चढ़कर 83.59 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गया। डीजल कोलकाता में 18 पैसे महँगा होकर 75.52 रुपये, मुंबई में 20 पैसे महँगा होकर 78.71 रुपये और चेन्नई में 17 पैसे की तेजी के साथ 77.61 रुपये प्रति लीटर बिका।

लगी मुहर | अध्यादेश को मिली राष्ट्रपति की मंजूरी

आरबीआई की निगरानी में आए सहकारी बैंक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा के लिए सभी शहरी सहकारी बैंकों और बहु-राज्यीय सहकारी बैंकों को रिजर्व बैंक की निगरानी में लाने वाले बैंकिंग नियमन (संशोधन) अध्यादेश, 2020 को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को कहा गया कि बैंकिंग नियमन कानून, 1949 में अध्यादेश के जरिये किया गया संशोधन सहकारी बैंकों पर भी लागू है।

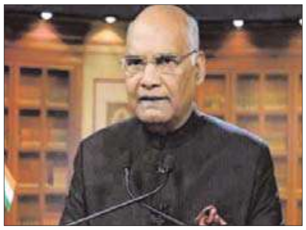

बयान के मुताबिक, ''अध्यादेश का मकसद अन्य बैंकों के संबंध में आरबीआई के पास पहले से उपलब्ध शक्तियों को सहकारी बैंकों तक बढ़ाकर उनके कामकाज और निगरानी में सुधार और श्रेष्ठ बैंकिंग नियमन लागू करके, और पेशेवर आचरण सुनिश्चित करके तथा पूंजी तक पहुंच में उन्हें सक्षम बनाकर, जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करना और सहकारी बैंकों को मजबूत बनाना है। इसमें कहा गया कि यह संशोधन राज्य सहकारी कानून के तहत राज्य सहकारी समिति पंजीयक की मौजूदा शक्तियों को प्रभावित नहीं करता है।

बयान में कहा गया है कि ये संशोधन प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) या सहकारी समितियों पर लागू नहीं होते हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य कृषि विकास के लिए दीर्घकालिक कर्ज देना है, और जो बैंक, बैंकर या बैंकिंग जैसे शब्दों का उपयोग नहीं करते हैं, और चेक अदा नहीं करते हैं। बयान में यह भी कहा गया कि अध्यादेश बैंकिंग नियमन अधिनियम की धारा 45 में भी संशोधन करता है, ताकि जनता, जमाकर्ताओं और बैंकिंग प्रणाली के हितों की रक्षा के लिए किसी भी बैंकिंग कंपनी के पुनर्गठन या विलय की योजना बनाई जा सके।

भारत में 1,482 शहरी सहकारी बैंक और 58 बहु-राज्यीय सहकारी बैंक हैं, जिनके पास 8.6 करोड़ जमाकर्ताओं की लगभग 4.85 लाख करोड़ रुपये की राशि जमा है। यह निर्णय पंजाब एंड महाराष्ट्र कोऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक सहित कुछ सहकारी बैंकों में हुए घोटालों के मद्देनजर महत्व रखता है, जिससे लाखों ग्राहक प्रभावित होते हैं।

पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले- बीपीसीएल के निजीकरण का फैसला अडिग

नई दिल्ली। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में गिरावट के मद्देनजर देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी बीपीसीएल के निजीकरण के फैसले से कोई पीछे नहीं हट रहा है। उन्होंने कहा कि हमने बीपीसीएल पर जो फैसला लिया है, हम उस पर अडिग हैं। हालांकि निजीकरण का समय वित्त मंत्रालय द्वारा तय किया जाएगा। बीएनईएफ शिखर सम्मेलन में बोलते हुए तेल मंत्री ने कहा कि सरकार बीपीसीएल के विनिवेश की समीक्षा कर रही है या नहीं, लेकिन मेरा जवाब स्पष्ट है।

रेलवे ने लॉकडाउन में पूरी की 200 लंबित परियोजनायें

नई दिल्ली (वार्ता)। रेलवे ने लॉकडाउन के दौरान ट्रेनों की बेहद कम आवाजाही का फायदा उठाते हुये 200 अति महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं का काम पूरा कर लिया है। लॉकडाउन के शुरुआती चरणों में यात्री ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह बंद था। मौजूदा समय में भी मात्र 230 विशेष यात्री ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी का लाभ उठाते हुये रेलवे ने 200 लंबित परियोजनाओं को पूरा कर लिया। इनमें कई परियोजनायें सुरक्षा और ट्रेनों की गति बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होंगी। आम समय में ऐसा करने के लिए सामान्यतः यातायात रोकना पड़ता है जिससे यात्रियों को भारी परेशानी होती है। कई बार मेगा ब्लॉक लगने पर बड़ी संख्या में ट्रेनें रद्द भी करनी पड़ती हैं। रेल मंत्रालय ने बताया कि ये परियोजनायें यार्डों में बदलाव, पुराने पुलों की मरम्मत, रेल लाइनों के दोहरीकरण और विद्युतीकरण तथा ‘सीजर क्रॉसओवर’ पर रेलवे ट्रैक बदलने से संबंधित थीं जो कई सालों से लंबित पड़ी थीं। इनके कारण ट्रेनों की गति बढ़ाने में दिक्कत आ रही थी। साथ ही सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी थीं।

लॉकडाउन के दौरान 82 पुराने रेल पुलों की मरम्मत की गई। कम ऊंचाई वाले 48 रोड अंडरब्रिज या सबवे और 16 फुट ओवर ब्रिज का निर्माण/मरम्मत की गई।

आज का भविष्यफल

मेष: कारोबार सामान्य रहेगा। मनोरंजन कार्य पर खर्च हो सकता है। आज आपको अपनी प्रतिभा का लाभ मिलेगा और आपकी पहचान बनेगी। कार्यक्षेत्र में नई योजनाएं लाभ देंगी। घर से बाहर मास्क लगाकर ही निकलें।

वृषभ: आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। कार्यक्षेत्र में आज कोई नया कार्य न करें। आज कार्यक्षेत्र में अधिकारी या व्यवसाय क्षेत्र में व्यापारी से अनबन हो सकती है।

मिथुन: आज का दिन महत्वाकांक्षी प्रवृति वालों के लिए शुभ फलदायक रहेगा। आज आपका मनोबल बढ़ेगा, जिससे कारोबार में बेहतरी आएगी। कार्यक्षेत्र में नए संपर्क बनेंगे और लाभकारी रहेंगे।

कर्क: आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। लेन-देन के कार्यों में सावधान रहें। धन निवेश करते समय विशेष सावधानी बरतें। जीवनसाथी एवं व्यापार में साझीदारों का सहयोग मिलेगा।

सिंह: आज प्रयास अथवा स्वयं कोशिश करने से प्रत्येक कार्य में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के अवसर दिखाई दे रहे हैं। समाज में स्वच्छ छवि का निर्माण होगा।

कन्या: आज का दिन मध्यम फलदायी होग। खर्च की अधिकता रहेगी। किसी न किसी कारण से अनावश्यक खर्च हो सकता है। आर्थिक संतुलन बनाकर चलें।

तुला: आज आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। धन लाभ होगा और जोखिमपूर्ण निवेश करें तो लाभ अवश्य मिलेगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

वृश्चिक: आज आपका सितारा अनुकूल है। बिजनस में लाभ होगा और सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक जीवन और कार्यक्षेत्र में आ रहीं कामकाज में आ रहीं बाधाएं दूर होंगी।

धनु: ऑफिस में आपके अधिकारों में वृद्धि होने के कारण साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है। आप अपने धैर्य और मृदु व्यवहार से वातावरण को हल्का करने में कामयाब होंगे।

मकर: आज परिश्रम अधिक और लाभ कम रहेगा। कार्यों में बाधाएं रहेंगी। आज किसी नई डील से अचानक धन का लाभ होगा।

कुंभ: अगर कोई नया रोजगार शुरू करने की सोच रहे हैं तो अवश्य करें, सफलता मिलेगी। अविवाहितों के विवाह की बात आगे बढ़ेगी। बड़ी मात्रा में रूपया हाथ में आने से संतोष होगा।

मीन: आज संघर्ष के बाद सफलता अवश्य मिलेगी। कोई नया आर्डर अथवा कॉन्ट्रेक्ट मिलने की संभावना है। जिन नौजवानों ने अभी अपने करियर की शुरुआत की है, उन्हें आज अपने ऑफिस में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

सू- दोकू क्र.066

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.65 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

शब्द सामर्थ्य -066

बाएं से दाएं
1. ठुड्डी पर के बाल, दुड्डी, ठोड़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत कातने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे
1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14. ए, गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

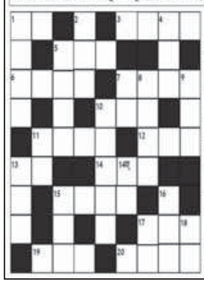

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 65 का हल

ग्रामीणों को पक्की सड़क- पुल का अभाव, टापू बन जाते हैं दर्जनों गांव

अमाड़, देवझरअमली सहित कई गांवों सरीखी कहानी

नव प्रदेश संवाददाता

मैंनपुर। उदन्ती अभ्यारण्य क्षेत्र के ग्राम अमाड़, देवझरअमली, कुंभकोट समेत दर्जनों गाँव के लोग जुँगाड़ मुख्य मार्ग से गाँवों तक पहुँचनें का एकमात्र कच्ची मुरुम की मार्ग को पक्की सड़क मार्ग के रुप में निर्माण कराने शासन दर शासन मांग कर रहे हैं। ऐसे में जुंगाड़ मुख्यमार्ग से इन गाँवों तक पहुँच मार्ग को पक्की सड़क मार्ग निर्माण जैसे बुनियादी सुविधा के लिए ग्रामीण प्रशासन से अपेक्षारत पक्की सड़क के रुप में निर्माण होनें का बाट जोहते हताश बैठे हैं।

उदन्ती अभ्यारण्य के अंतर्गत आने वाले इस सुदुर आदिवासी गाँवों का सुध लेने वाला कोई भी नहीं है। जिसके कारण यहाँ के ग्रामीण आज अपनी बदहाल भरी जीवन जीनें को मजबूर हैं। अमाड़, कुंभकोट समेत दर्जनों गाँव तक एकमात्र पहुँच मार्ग कच्ची मुरुम की है, जिसमें बने गड्ढों से आने जाने वाले कई गाँवों के ग्रामीण परेशान हैं। यह कच्ची सड़क मार्ग ग्रामीणों के लिए दिन ब दिन मुसीबत बनती जा रही है। इस कच्ची सड़क मार्ग पर बनें गड्ढों के कारण आए दिन लोग दुर्घटना का शिकार होते हैं। खासतौर पर बरसात के दिनों में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

नदी में पुल का अभाव, टापु बन जाते हैं दर्जनों गाँव

ज्ञात हो कि इसी कच्चे मार्ग पर अमाड़ के समीप नदी में अब तक पुल नहीं होने से बरसात के दिनों में दर्जनों गाँव टापु बन जाते हैं, अमाड़ सहित दर्जनों गाँव का संपर्क मुख्य मार्ग से टुट जाता है। जिस कारण जनजीवन अत्यंत प्रभावित होता है। ग्रामीणों ने बताया कि- इस कच्ची मार्ग को पक्की डामरीकृत मार्ग एवं नदी में पुल बनानें की माँग को लेकर कई बार विधायक, कलेक्टर एवं क्षेत्र के जनप्रतिनीधियों तक आवेदन किया गया लेकिन

बावजुद इसके अब तक हमारी माँगों पर ध्यान नहीं दिया जाता।

इस संबंध में युवा संघर्ष मोर्चा गरियाबंद के जिलाध्यक्ष युमेन्द्र कश्यप नें कहा कि- यह क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए दूर्भाग्य की बात है कि, जिम्मेदार इस ओर ध्यान देनें का नाम तक नहीं लेते। कई बार ग्रामीणों द्वारा माँग किये जाने के बाद भी अब तक पक्की सड़क का नहीं बना अंचल के आदिवासियों के प्रति गैर जिम्मेदारना रवैया को साबित कर रहा है। पक्की सड़क एवं पुल निर्माण के लिए अब तक शासन प्रशासन एवं अभ्यारण्य क्षेत्र के जिम्मेंदार उच्च अधिकारियों द्वारा पहल नहीं किया जाना समझ से परे लगता है।

जिला पंचायत में चल रहा कमीशन का खेल!

■ **ग्राम पंचायतों के कामों को चहेते ठेकेदारों को सौंपा जा रहा**

पुरषोत्तम राठौर

जांजगीर-चाम्पा। जिले का सबसे बड़ा पंचायत कहा जाने वाला जिला पंचायत कार्यालय इन दिनो कमीशनखोरी का केन्द्र बनता दिख रहा है। यहां पदस्थ अधिकारी ग्राम पंचायतों से जुड़े सूत्रों कहना है कि गांवो में कराये जाने वाले कामों को ग्राम पंचायत से नहीं कराकर इसे अपने चहेते ठेकेदारों को देकर काम करा रहे है। जिससे चुनाव जीतकर आये सरपंच व पंच इससे सरकार के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त करने लगे है,वहीं इस कार्यो के आबंटन से जहां सरपंच सचिव कार्यो से वंचित हो रहे है वहीं ठेकेदार द्वारा कराये जा रहे कामों मे जरा भी गुणवत्ता नही है इस कारण इसका दूरगामी परिणाम अच्छा नही लग रहा है। ज्ञात हो कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं मनरेगा के तहत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के तहत जिले मे कार्य कराया जा रहा है जिसका भगवान ही मालिक है। इस योजना के तहत ठेकेदार द्वारा कचरा घर ,पानी सोख्ता,सेड, बस स्टाप यात्री प्रतिक्षालय तथा गांव के नालों मे स्टापडेम बनाया जाना है। किन्तु ठेकेदार खुद को स्थानीय कांग्रेस नेता का करीबी होने का धौंस झाडक़र सरपंच सचिवों पर दबाव बनाकर भुगतान के लिए विवश कर रहे है।

राज्य सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट भी तोड़ रहा दम

राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी, ड्रीम प्रोजेक्ट है लेकिन बताया जा रहा है कि यह योजना जिला पंचायत के एक अधिकारी के लालच भरे कार्यो के कारण दम तोड़ते नजर आ रहा है। उन्होंने अपने चहेते ठेकेदारों को काम दे दिये है इससे कार्य की जमीनी सच्चाई कुछ और ही बयां कर रही है । ठेकेदार द्वारा कचरा घर ,पानी सोख्ता,सेड, बस स्टाप यात्री प्रतिक्षालय तथा गांव के नालों मे स्टापडेम बनाया जाना है। लेकिन एक भी गांव का काम ठीक तरीके से नही किया जा रहा है । जबकि पंचायतों के कार्यो को ग्राम पंचायत को दिया जाना चाहिए था लेकिन अपने लोगों को उपकृत करने के लिए जिला पंचायत के अधिकारी द्वारा चुपचाप तरीके से काम दे दिया गया है।

ऐसे चल रहा खेल

जांजगीर चाम्पा जिले के 123 ग्राम पंचायतो के लिए 6करोड़ 90लाख 81हजार 595 रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। नियमतः इन कार्यो को ग्राम पंचायतों से कराया जाना चाहिए था अगर ग्राम पंचायते करने को तैयार नही होने की स्थिति मे इस कार्य को आरईएस से कराया जाता, जहां निविदा नियमों के तहत कार्य ठेकेदारों को दिया जा सकता था। किन्तु अधिकारी ने नियमों का पालन किये बगैर अपने ठेकेदार को काम दे दिया गया है जिनके खराब काम के बाद भी सरपंचों पर चेक काटने दबाव बनाया जा रहा है।

गरियाबंद जिला पंचायत प्रतिनिधियों की मांग पर 7 जांच समितियां गठित

जिले के कई विभागों के पुराने कामों की होगी जांच

नव प्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने सात जांच समितियों का गठन किया है, जिला पंचायत प्रतिनिधियों ने 8 जून को सामान्य सभा की बैठक में इसकी मांग की थी, समितियां कुछ विभागों के पूर्व में किए गए कार्यो की जांच करेंगी। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी समितियों को जांच कर 15 दिन के भीतर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए, जांच समितियों को लेकर कई तरह के सवाल भी खड़े हो रहे है, जिला पंचायत के कामकाज को बारीकी से समझने वाले जानकारों के मुताबिक जिला पंचायत ने जांच समितियां गठित कर वाहवाही तो लूट ली, मगर इनमे से कुछ समितियां 15 दिवस में अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत कर पाएंगी, इसकी संभावनाएं कम ही है उनका तर्क है कि 5 साल के कार्यो का भौतिक सत्यापन करते हुए 15 दिवस में जांच कर पाना संभव नही है।

समिति 1

जिला पंचायत अध्यक्ष स्मृति ठाकुर द्वारा उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व अंतर्गत विगत 5 वर्षो में कराए गए निर्माण कार्यो की जांच की मांग की थी, साथ ही उपाध्यक्ष संजय नेताम द्वारा उदंती अभ्यारण क्षेत्र अंतर्गत कराए गए वृक्षारोपण कार्यो की जांच हेतु प्रस्ताव रखा गया था, जिस पर समिति का गठन किया गया है, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग गरियाबंद के कार्यपालन अभियंता डीआर साहू को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, पीके आनंद जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता, कृषि विभाग उप संचालक फागूराम कश्यप और तकनीकी सहायक जिला पंचायत गरियाबंद के जितेंद्र पाठक को समिति का सदस्य बनाया गया है।

समिति 2

राजिम विधायक प्रतिनिधि नरेंद्र देवांगन द्वारा कोविड-19 हॉस्पिटल में उद्यान विभाग अंतर्गत मनरेगा से चल रहे कार्यो में जेसीबी का उपयोग किए जाने की शिकायत प्राप्त होने पर जांच करवाने का प्रस्ताव रखा गया था, जिस पर समिति गठित की गई है, जिला पंचायत गरियाबंद के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एचआर सिदार को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, कृषि विभाग के उपसंचालक फागूराम कश्यप, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा गरियाबंद के अनुविभागीय अधिकारी राहुल चंद्राकर और तकनीकी समन्वयक जिला पंचायत गरियाबंद के जितेंद्र पाठक को सदस्य नियुक्त किया गया है।

समिति 3

जिला पंचायत अध्यक्ष स्मृति ठाकुर द्वारा गरियाबंद वन मंडल अंतर्गत विगत 5 वर्षो में कराए गए निर्माण कार्यो की जांच की मांग की गई है, इसके अलावा जिला पंचायत सदस्य रोहित साहू द्वारा ग्राम पंचायत धुरसा में लगभग 2 वर्ष पूर्व कराए गए वृक्षारोपण कार्यो की जांच हेतु प्रस्ताव रखा गया है, जिस पर जांच समिति गठित करते हुए ग्रामीण यात्रिकी सेवा संभाग गरियाबंद के कार्यपालन अभियंता डीआर साहू को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता पीके आनंद, कृषि विभाग उप संचालक फागूराम कश्यप और तकनीकी समन्वयक जिला पंचायत गरियाबंद के जितेंद्र पाठक को समिति का सदस्य बनाया गया है।

समिति क्रमांक 4

बिंद्रानवागढ़ विधायक डमरूधर पुजारी और जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम द्वारा उसरीझोर से कांदाझोर, गिरसूल से लाटापारा सड़क निर्माण गुणवत्ता विहीन होने के कारण उक्त निर्माण कार्य की जांच करवाने का प्रस्ताव रखा गया है, जिस पर समिति गठित की गई है, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता पीके आनंद को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता एमआर जाटव, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा गरियाबंद के अनुविभागीय अधिकारी राहुल चंद्राकर और सहायक परियोजना अधिकारी जिला पंचायत गरियाबंद के बोधेश्वर साहू को समिति का सदस्य बनाया गया है।

समिति क्रमांक 5

राजिम विधानसभा विधायक प्रतिनिधि नरेंद्र देवांगन द्वारा तौरंगा में छात्रावास भवन विगत कई वर्षो से अपूर्ण होने, और अहाता निर्माण पूर्ण कराए जाने की जांच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा है, जिस पर समिति गठित करते हुए आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त एलआर कुर्रे को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, राजीव गांधी शिक्षा मिशन के जिला समन्वयक श्याम चंद्राकर, विकासखंड अधिकारी गरियाबंद आरपी दास और सहायक परियोजना अधिकारी जिला गरियाबंद के अरविंद ध्रुव को सदस्य नियुक्त किया गया है।

समिति क्रमांक 6

जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम द्वारा मैनपुर विकासखंड के बंधियामाल ग्राम पंचायत में 5 वर्ष पूर्व कराए गए नहर नाली निर्माण कार्य जांच कराने का प्रस्ताव रखा गया है, जिस पर पीएमजीएसवाई के कार्यपालन अभियंता प्रदीप कुमार वर्मा को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, साथ ही लोक निर्माण विभाग सेतु निगम के कार्यपालन अभियंता एसवी पड़ेगांवकर और जिला पंचायत गरियाबंद के तकनीकी समन्वयक जितेंद्र पाठक को सदस्य नियुक्त किया गया है।

समिति क्रमांक 7

इसी प्रकार उपाध्यक्ष संजय नेताम द्वारा मैनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मटिया एवं तगड़ा जिला पंचायत सदस्य रोहित साहू ने ग्राम पंचायत श्याम नगर एवं जामगांव में ष्टलरूस्ट भवन गुणवत्ता विहीन बनाने की जानकारी उपलब्ध कराते हुए जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा है, जिस पर समिति गठित करते हुए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग गरियाबंद के कार्यपालन अभियंता डीआर साहू को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, लोक निर्माण विभाग गरियाबंद के कार्यपालन अभियंता एमआर जाटव, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा गरियाबंद के अनुविभागीय अधिकारी राहुल चंद्राकर और जिला पंचायत गरियाबंद के तकनीकी समन्वयक जितेंद्र पाठक को समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है।

मैनपुर : पेंगोलिन की तस्करी करते युवक गिरफ्तार

गरियाबंद (नव प्रदेश)। गरियाबंद जिले में पुलिस द्वारा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। सिनापाली उडिसा के तस्कर जीवत पेंगोलिन सहित पकड़ा गया। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक गरियाबंद भोजराम पटेल को मुखबीर से मिली सूचना पर मैनपुर थाना प्रभारी को एक टीम गठीत कर कार्यवाही करने का दिये निर्देश, निर्देश के पालन में थाना प्रभारी मैनपुर भुषण चन्द्राकर द्वारा पुलिस टीम बनाकर मिली सूचना के अधार पर ग्राम कुल्हाडीघाट के पास एक व्यक्ति जो सफेद टी-शर्ट काला फुल पैंट पहने एक जुट के बोरे में सालखपरी (पेंगोलिन) रखा है बिक्री करने के लिए ग्राहक का ईतजार कर रहा है। उक्त व्यक्ति को पुलिस टीम द्वारा पुछताछ करने एवं तलाशी करने पर एक जुट के बोरे में रखे अवैध रूप से दुर्लभ वन्य प्राणी सालखपरी (पेंगोलिन) को बरामद किया गया।

हत्या का फरार आरोपी गिरफ्तार

नव प्रदेश संवाददाता

केशकाल। विश्रामपुरी पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव श्री बालाजी राव (भा.पु. से.) के निर्देश पर जिला कोंडागांव के थानों में लंबित गंभीर अपराधो के आरोपियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया गया है। इसी क्रम में थाना विश्रामपुरी पुलिस ने जुलाई 2018 ग्राम सलना कुमरपारा में हुई हत्या के आरोपी को पकड़ने में सफ्लता प्राप्त की है। घटना 25 जुलाई 2018 की है, घटना दिनांक को आरोपी चन्द्रहास नेताम ने स्वयं की पत्नी सतबती को अण्ड़ा सब्जी नहीं बनाने की बात पर उत्तेजित होकर घर में रखे मिट्टी तेल को अपनी पत्नी सतबती के उपर डालकर माचिस से आग लगा दिया था, जिसकी ईलाज दौरान मृत्यु हो गई थी। आरोपी घटना दिनांक से फरार था।

जवान को लुटने वाला पकड़ाया

नव प्रदेश संवाददाता

कोंडागॉव। छुट्टी में घर आये सेना के जवान से लूटपाट के आरोपियों को कोंडागॉव पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।मामला 13 जून का है प्रार्थी रामेश्वर कोर्राम (आर्मी जवान) पिता सोनूराम कोर्राम उम्र 28 वर्ष निवासी चिलपुटी देवडोबरा पारा ने थाना कोण्डागांव आकर रिपोर्ट दर्ज कराया था की वह अपने चाचा के घर राउत पारा डोगरीगुडा से अपने घर देवडोबरा लौटते वक्त 09.00 बजे रात्रि में चिलपुटी देवडोबरा जंगल के पास मोटर सायकल स्लिप होने से गिर गया था। उसी समय 02 व्यक्ति मोटर सायकल से आए और उसको उठाए और मोबाईल को छिन प्रार्थी मारपीट करते उसकी मोटर सायकल भी लूट कर ले गए। जिस पर प्रार्थी के रिपोर्ट के आधार पर थाना कोण्डागांव में अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान वारदात के आरोपीयो की तलाश कि जा रही थी।

इस संबंध में जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दिये जाने पर पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव बालाजी राव के द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल अति.पुलिस अधीक्षक श्री अनंत कुमार साहू एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोण्डागांव निकिता तिवारी के मार्गदर्शन में एक टीम गठित कर आरोपियों की लगातार पतातलाश की जा रही थी। जहा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर 26 जून को पुलिस की टीम के द्वारा आरोपी के घर में दबिश दी गई, जहां से आरोपी रूपेन्द्र पटेल उर्फराजा तथा गौतम कोर्राम पिता रामलाल को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। घटना के संबंध मे पूछताछ करने पर आरोपियों ने घटना में शामिल होना स्वीकार किया है।

अन्नदाताओं द्वारा खरीदे गए धान को खराब होने से बचाने के लिए कवायद शुरू

दुर्ग (नव प्रदेश)। अन्नदाताओं की मेहनत से उपजा धान अब खराब नहीं होगा। जिले के विभिन्न धान संग्रहण केंद्रों में धान को खराब होने से बचाने के लिए पक्के चबूतरों का निर्माण का कार्य प्रगतिरत है। चबूतरे बन जाने से धान को वर्षा में भीगकर सड़ने से बचाया जा सकेगा साथ ही चूहों एवं कीड़े मकोड़ों के प्रकोप से भी धान की रक्षा हो सकेगी। किसानों से खरीदे गए धान के समूचित रख-रखाव करने के उद्देश्य से दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 33 पक्के धान चबूतरों का निर्माण कार्य महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एवं राज्य प्रवर्तित योजना की ब्याज की राशि से स्वीकृत किया गया है। सीईओ जिला पंचायत सच्चिदानंद आलोक ने 30 जून तक निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश मैदानी अमलों को दे दिए हैं। उन्होंने कहा है कि युद्धस्तर पर चबूतरा निर्माण का काम पूरा करें ताकि इसी मौसम में उनका उपयोग किया जा सके।

- **ग्रामीण अंचलों के धान उपार्जन केंद्रों में 33 नग पक्के चबूतरों का निर्माण युद्धस्तर पर जारी**
- **65.79 लाख जारी, 30 जून तक पूरा करने के निर्देश**
- **सैकड़ों ग्रामीणों को मनरेगा के तहत दिया गया काम**
- **घर के पास ही काम मिलने से ग्रामीण भी हैं खुश**

पाटन व धमधा जनपद में 15-15 तथा दुर्ग जनपद में 3 चबूतरों का निर्माण तेजी से जारी अभिसरण अंतर्गत मनरेगा और 14वें वित्त की राशि से हो रहा है निर्माण-सीईओ जिला पंचायत दुर्ग सच्चिदानंद आलोक ने बताया कि जनपद पंचायत पाटन व धमधा में 15-15 नग और जनपद पंचायत दुर्ग में 3 नग चबूतरों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसके लिए महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं राज्य प्रवर्तित योजना की ब्याज राशि को मिलाकर 33 चबूतरों के निर्माण के लिए लगभग 65.79 लाख रूपए स्वीकृति किए गए हैं। जनपद पंचायत धमधा की 5 ग्राम पंचायतों, पाटन की 3 ग्राम पंचायतों और दुर्ग की एक ग्राम पंचायत में अभी निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत पाटन के ग्राम पंचायत मर्रा में 9 नग, ग्राम पंचायत झीट व ग्राम पंचायत सांतरा में 3-3 नग चबूतरों का निर्माण किया जा रहा है। इसी प्रकार जनपद पंचायत धमधा के ग्राम पंचायत लिटिया, ठेगाभाठ, घोठा, बरहापुर और ग्राम पंचायत कन्हारपुरी प्रत्येक में 3-3 नग और जनपद पंचायत दुर्ग की ग्राम पंचायत ननकट्टी में 3 नग चबूतरों का निर्माण जारी है।

विद्युतीय विकास कार्यों के निरीक्षण में पहुंचे ईडी संजय पटेल

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेषक(ईडी)संजय पटेल पाटन विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विद्युतीय विकास कार्यों के निरीक्षण में पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए अंचल में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाये रखने के निर्देष दिये। श्री पटेल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देषित करते हुए कार्य षीघ्रता से संपन्न करने की बात कही।विदित हो कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के संचारण संधारण संभाग भिलाई के अंतर्गत स्थित पाटन विधानसभा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ करने हेतु 63 लाख 70 हजार रुपए की राषि स्वीकृत की गई है। मुख्यतः इससे पाटन विधानसभा क्षेत्र के नौ ग्रामों में लगे वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षमतावृद्धि, नौ ग्रामों में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर एवं 05 बस्तियों में सिंगल फेस लाइनों को थ्री फेस में परिवर्तित करने का कार्य किया जा रहा है।

■ **अंचल में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाये रखने के दिये निर्देश**

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक संजय पटेल ने बताया कि पाटन विधानसभा क्षेत्र के 142 गांवों में 43 नग 11 के.व्ही. फीडरों के अंतिम छोर में लगे ट्रांसफार्मर व ट्रांसफार्मरों से गई एलटी लाईन में स्थित अंतिम छोर के उपभोक्ताओं के वोल्टेज का मापन किया गया एवं जिन स्थानों पर लो वोल्टेज की समस्या पाई गई या जिन ट्रांसफार्मरों पर लोड अधिक होना पाया गया उनके स्थाई निदान हेतु 25 नग कार्यों की स्वीकृति के साथ कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिनमें से अधिकतर कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं षेश कार्य प्रगतिरत है, जिन्हे जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। श्री पटेल ने आईपीडीएस(एकीकृत विद्युत विकास योजना) के अंतर्गत चल रहे अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर, 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र रिनोवेषन एवं फीडर इंटरलिंकिंग के प्रगतिरत कार्यों की भी समीक्षा की एवं अधिकारियों को कार्यों को गुणवत्तापूवर्क करने के निर्देष दिए।